किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 215 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 15 मई 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, छापेमारी में 9 नाबालिग लड़कियां मुक्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

कोपा थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पुलिस का सख्त एक्शन

पटना। बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी के दौरान जबरन प्रताड़ित कर आर्केस्ट्रा में नृत्य करवायी जा रही 9 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। मुक्त कराई गई सभी लड़कियां पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली बताई जा रही हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल की 8 और उत्तर प्रदेश की 1 नाबालिग शामिल है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में कोपा थाना में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स 75 हजार के पार

निवेशकों की झोली में आए 4.3 लाख करोड़ रुपये, फार्मा-मेटल शेयरों में जबरदस्त खरीदारी

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और घरेलू निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन शानदार तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,398.72 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 277 अंक उछलकर 23,689.60 पर बंद हुआ।

दिनभर बाजार में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कारोबार की शुरूआत से ही निवेशकों ने खरीदारी का रुख अपनाया, जिससे सेंसेक्स ने 75,681.88 और निफ्टी ने 23,777.20 का इंट्रा-डे हाई छुआ।

फार्मा और मेटल शेयरों ने दिखाई ताकत

सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा, हेल्थकेयर और मेटल इंडेक्स सबसे आगे रहे। निफ्टी फार्मा, हेल्थकेयर और मेटल इंडेक्स में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर

में भी अच्छी खरीदारी देखने को मिली। हालांकि आईटी सेक्टर पर दबाव बना रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 2 प्रतिशत टूट गया, जिससे टेक शेयरों में कमजोरी देखने को मिली।

निवेशकों को बड़ा फायदा

शेयर बाजार की इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में भी बड़ा इजाफा हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप एक ही कारोबारी सत्र में करीब 4.3 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 462.9 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक संकेतों में सुधार, विदेशी निवेशकों की खरीदारी और मजबूत घरेलू आर्थिक संकेतकों के चलते बाजार में सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

ब्रिक्स बैठक वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत बनाने में सहायक : एस. जयशंकर

नई दिल्ली में विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक चुनौतियों और सुधारों पर मंथन

नई दिल्ली। एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हुई चर्चा अधिक स्थिर, न्यायपूर्ण और समावेशी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में सहायक सिद्ध

होगी। विदेश मंत्री ने बैठक में शामिल प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब विश्व निरंतर जटिल और अनिश्चित परिस्थितियों का सामना कर रहा है। इसका सर्वाधिक प्रभाव उभरती अर्थव्यवस्थाओं तथा विकासशील देशों पर पड़ रहा है। उन्होंने ऊर्जा, खाद्यान्न, उर्वरक तथा स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों के प्रभावी समाधान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इन विषयों पर वैश्विक सहयोग को और सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है।

सुरक्षित समुद्री मार्गों पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला तथा विविध बाजारों के महत्व को भी रेखांकित किया।

उन्होंने सुशासन एवं समावेशी विकास के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग पर बल देते हुए विश्वास, पारदर्शिता तथा समान अवसर को महत्वपूर्ण बताया।

आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाने की अपील

एस. जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु संवाद और कूटनीति को आवश्यक बताते हुए आतंकवाद के विरुद्ध मजबूत वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी एवं अस्थायी दोनों श्रेणियों में सुधार की आवश्यकता दोहराते हुए कहा कि वर्तमान बहुपक्षीय व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन समय की मांग है।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मुख्य विषय

विदेश मंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 के लिए भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता "लचीलापन, नवाचार, सहयोग एवं सतत विकास" विषय पर केंद्रित है। नई दिल्ली में गुरुवार से प्रारंभ हुई दो दिवसीय इफ्क्ष्ठर ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता एस. जयशंकर कर रहे हैं। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों तथा सहयोगी देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसे आगामी 2026 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 की तैयारियों के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम मोदी की अपील का असर, त्रिपुरा में 50 प्रतिशत कर्मचारी करेंगे घर से कार्य

ईंधन बचत और सरकारी खर्च कम करने के उद्देश्य से लिया गया निर्णय

समाज जागरण

अगरतला। नरेंद्र मोदी की अपील के बाद त्रिपुरा सरकार ने राज्य के 50 प्रतिशत ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए "वर्क फ्रॉम होम" व्यवस्था लागू कर दी है। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से ईंधन की बचत होगी तथा सरकारी व्यय में कमी आएगी।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के बाद लिया गया, जिसमें उन्होंने नागरिकों और संस्थानों से ईंधन बचाने तथा जहां संभव हो, वहां घर से कार्य करने की सलाह दी थी।

रोस्टर प्रणाली से होगी कर्मचारियों की तैनाती

त्रिपुरा सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा

गया है कि सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रतिदिन केवल 50 प्रतिशत ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारी ही कार्यालय आएं। शेष कर्मचारी घर से कार्य करेंगे। इसके लिए साप्ताहिक रोस्टर तैयार किया जाएगा, जिससे कर्मचारी क्रमवार कार्यालय आ सकें।

सरकार ने निर्देश दिया है कि पहले सप्ताह में उन कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए जो कार्यालय के निकट निवास करते हैं, ताकि आवागमन में कम ईंधन खर्च हो।

हर समय उपलब्ध रहेंगे कर्मचारी

जो कर्मचारी घर से कार्य करेंगे, उन्हें दूरभाष और ऑनलाइन माध्यमों से हर समय उपलब्ध रहना होगा। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल कार्यालय बुलाया जा सकेगा। सरकार ने यह व्यवस्था सरकारी उपक्रमों, स्थानीय निकायों और अन्य स्वायत्त संस्थाओं में भी लागू करने के निर्देश दिए हैं।

आवश्यक सेवाएं रहेंगी प्रभावित नहीं

हालांकि यह आदेश आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। अस्पताल, विद्युत, जलापूर्ति तथा अन्य अनिवार्य सेवाएं पूर्व की भांति संचालित होती रहेंगी।

आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और अगले निर्देश तक प्रभावी रहेगा।

अन्य राज्यों के लिए बन सकता है मॉडल

त्रिपुरा के दक्षिणी जिला प्रशासन में इस व्यवस्था पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। माना जा रहा है कि यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो अन्य राज्य भी इसी प्रकार के कदम उठा सकते हैं।

कोरोना महामारी के बाद "वर्क फ्रॉम होम" व्यवस्था पहले ही व्यापक रूप से प्रचलित हो चुकी है और अब इसे ईंधन बचत तथा प्रशासनिक खर्च कम करने के प्रभावी उपाय के रूप में देखा जा रहा है।

ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अप्रैल में थोक महंगाई दर में इजाफा : इंडस्ट्री

ईंधन महंगा होने से मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ी, थोक महंगाई 8.3 प्रतिशत पहुंची

समाज जागरण

नई दिल्ली। ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण अप्रैल में थोक महंगाई दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग जगत के अनुसार, इस वृद्धि का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में आया उछाल है, जिससे उत्पादन लागत प्रभावित हुई है।

भारत में अप्रैल में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 3.88 प्रतिशत थी।

विभिन्न क्षेत्रों में महंगाई का असर

आंकड़ों के अनुसार,
प्राथमिक वस्तुओं में थोक महंगाई दर 9.17 प्रतिशत रही
ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र में यह 24.71 प्रतिशत तक पहुंच गई
विनिर्मित उत्पादों में महंगाई दर 4.62 प्रतिशत दर्ज की गई

खाद्य उत्पादों में हालांकि राहत देखने को मिली। खाद्य महंगाई दर 2.31 प्रतिशत रही, जो अपेक्षाकृत कम है।

क्रूड और एलपीजी की कीमतों में तेज उछाल

उद्योग प्रतिनिधियों के अनुसार, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और ऊर्जा बाजारों में असंतुलन के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है।
कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में 88.06 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई
एलपीजी की कीमतों में 10.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई
विशेषज्ञों की राय
विशेषज्ञों का कहना है कि आगे आने वाले महीनों में वैश्विक ऊर्जा कीमतें, कमोडिटी बाजार और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति थोक महंगाई के रुझान को प्रभावित करती रहेंगी।

उद्योग संगठन के अनुसार, ईंधन लागत का असर आने वाले समय में मैन्युफैक्चरिंग और परिवहन क्षेत्रों पर और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है, जिस पर लगातार निगरानी की जरूरत है।

अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका, शराब घोटाला केस दूसरी पीठ को भेजा गया

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अवमानना कार्यवाही शुरू की, नया कानूनी मोड़

समाज जागरण

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल के सामने एक नया और गंभीर कानूनी मोड़ आ गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा ने इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया है। हालांकि, उन्होंने जाते-जाते केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के पांच नेताओं के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू कर दी है।

मुख्य केस दूसरी पीठ को भेजा गया

अदालत ने स्पष्ट किया है कि अब दिल्ली शराब घोटाला से संबंधित मुख्य मामला किसी अन्य पीठ (बेंच) को स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि सुनवाई निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ सके।

अवमानना की कार्यवाही खुद करेंगी जज

सबसे अहम बात यह है कि अवमानना मामले की सुनवाई स्वयं स्वर्ण कांता शर्मा ही करेंगी। अदालत ने माना कि निष्पक्षता बनाए रखने के लिए मुख्य मामले से अलग होना आवश्यक था, लेकिन अवमानना कार्यवाही जारी रहेगी।

आम आदमी पार्टी के लिए बढ़ी मुश्किलें

इस फैसले से आम आदमी पार्टी के लिए स्थिति और जटिल हो गई है। एक ओर मुख्य केस दूसरी बेंच को भेज दिया गया है, वहीं दूसरी ओर अवमानना की नई कार्यवाही शुरू होने से कानूनी दबाव और बढ़ गया है।

अदालत के इस आदेश को मामले में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक मोड़ माना जा रहा है, जिससे आगे की कानूनी प्रक्रिया और अधिक तेज और संवेदनशील हो सकती है।

सोना खरीदने वालों को झटका, सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 15% की

गोल्ड इंपोर्ट पर कड़ा नियंत्रण, 100 किलो की सीमा तय

नई दिल्ली। सोने के बाजार पर सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी है। इस फैसले के बाद सोना

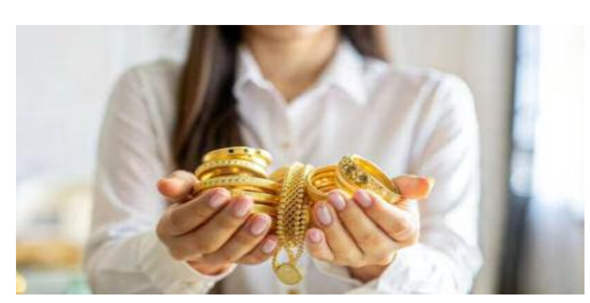

आयात और खरीद से जुड़े कारोबार पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। सरकार ने इसके साथ ही एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम (एए स्कीम) के तहत नियमों को भी सख्त कर दिया है, ताकि ड्यूटी फ्री सोना आयात कर प्राइस आर्बिट्रेज का लाभ उठाने की संभावनाओं को रोका जा सके।

ड्यूटी फ्री आयात पर कड़ी निगरानी

एए स्कीम के तहत निर्यात के उद्देश्य से कारोबारी बिना ड्यूटी दिए सोना आयात कर सकते हैं, लेकिन अब सरकार को आशंका है कि कुछ व्यापारी इसका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी कारण सोने के आयात और निर्यात पर निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

100 किलो की सीमा तय

नए नियमों के तहत अब एक एडवांस ऑथराइजेशन पर अधिकतम 100 किलोग्राम सोना ही आयात किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर ड्यूटी फ्री गोल्ड इंपोर्ट पर रोक लगाना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से घरेलू बाजार में सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं के लिए सोना खरीदना और महंगा हो सकता है। सरकार का यह कदम सोने के कारोबार में पारदर्शिता लाने और किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है।

महर्षि महेश योगी संस्थान की जमीनों की अवैध बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, एसआईटी गठित करने का आदेश

महर्षि संस्थान के श्रीकांत ओझा द्वारा (एस आर एम फाउंडेशन ऑफ इंडिया) की गई अपील को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकारा

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने आध्यात्मिक उत्थान हेतु स्थापित महर्षि महेश योगी संस्थान की भूमि के कथित अवैध क्रय-विक्रय के प्रकरण में कठोर रुख अपनाते हुए विशेष जाँच दल (एस.आई.टी.) के गठन का आदेश दिया है।यह आदेश सर्वोच्च न्यायालय ने श्रीकांत ओझा द्वारा दायर अपील को स्वीकार करते हुए पारित किया।

मुख्य सचिव के पर्यवेक्षण में जाँच

न्यायालय ने निर्देश दिया है कि इस विशेष जाँच दल की निगरानी उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव करेंगे तथा सोसाइटी रजिस्ट्रार को भी इस दल का सदस्य बनाया जाएगा।

इस जाँच दल को संस्थान की भूमि के अनधिकृत हस्तांतरण एवं कूटरचित अभिलेखों के आधार पर की गई बिक्री की गहन जाँच करने का आदेश दिया गया है।

उच्च न्यायालय का आदेश निरस्त

सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस अंतरिम आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें पुलिस को जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने से रोका गया था। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि जाँच प्रक्रिया पर इस प्रकार का प्रतिबंध उचित नहीं है।

तीन राज्यों में लंबित मामलों का उल्लेख

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ राज्यों में संस्थान की संपत्तियों से संबंधित अनेक आपराधिक प्रकरण लंबित हैं, फिर भी भूमि के क्रय-विक्रय की गतिविधियाँ जारी रहने की सूचना है।

तीन माह में प्रतिवेदन अनिवार्य

सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष जाँच दल को तीन माह के भीतर अपनी तथ्यात्मक जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यदि जाँच में छल-कपट अथवा आपराधिक आशय प्रमाणित होता है, तो विधि के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सनातन पर हमले का ना खत्म होने वाला सिलसिला

संजय सक्सेना,लखनऊ

12 मई 2026 को तमिलनाडु विधानसभा में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई। डीएमके नेता और नवनिर्वाचित नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा में नये मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के सामने खड़े होकर यह कहा कि सनातन धर्म लोगों को बांटने का काम करता है, इसलिए इसे जड़ से मिटा देना चाहिए। यह बयान किसी साधारण मंच पर नहीं, बल्कि एक संवैधानिक सदन में दिया गया, जो इसकी गंभीरता को और अधिक बढ़ा देता है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में यह उनका पहला आधिकारिक भाषण था, जिसमें उन्होंने द्रविड़ विचारधारा को सदन में मजबूती से रखने के उद्देश्य से यह तीखा रुख अपनाया। वहीं नये-नवेले मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उदयनिधि के बयान पर ठंडा रुख अख्तियार करके साबित कर दिया कि उन्हें उदयनिधि की सोच से कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पहली बार नहीं है जब उदयनिधि ने ऐसा जहर उगला हो। सितंबर 2023 में उन्होंने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों की संज्ञा देते हुए कहा था कि जिस तरह इन बीमारियों को खत्म करना जरूरी है, उसी तरह सनातन धर्म को भी समूल नष्ट कर देना चाहिए। उस बयान के बाद देशभर में भारी विरोध हुआ और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचा। सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट ने उनके बयान पर कड़ी टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक मंत्री होने के नाते उन्हें अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। लेकिन इन सबके बावजूद उदयनिधि न केवल बेखौफ रहे, बल्कि डीएमके सरकार ने पुराने बयान पर कोई कार्रवाई करने की बजाय उन्हें प्रमोशन देकर डिप्टी सीएम बना दिया था। और अब, विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद भी उनकी अकड़ ढीली नहीं हुई और उन्होंने वही बयान दोहरा दिया।

खैर, तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म के प्रति यह विरोध किसी अचानक उभरी प्रवृत्ति का नाम नहीं है। उदयनिधि स्टालिन का यह भी कहना है कि तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं और वे अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। यह बयान द्रविड़ आंदोलन की उस विचारधारा की जड़ों से जुड़ा है जिसकी नींव पेरियार और अन्नादुरई जैसे नेताओं ने रखी थी। तमिलनाडु में जिस तरह की राजनीति का बोलबाला है, उसमें हिंदू धर्म की आलोचना को प्रगतिशील राजनीति का प्रतीक माना जाता है। एक वरिष्ठ मंत्री बहुसंख्यक धर्म के खिलाफ इतना अपमानजनक बयान दे और फिर भी बिना किसी राजनीतिक नुकसान के कुर्सी पर बना रहे, यही तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति की वास्तविकता है। हालाँकि हाल के विधानसभा चुनाव में डीएमके को भारी हार का सामना करना पड़ा, जो यह दशार्ता है कि तमिलनाडु की जनता का एक बड़ा वर्ग अब इस राजनीति से ऊब चुका है। नई सरकार थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम के नेतृत्व में बनी है, जो इस बात का संकेत है कि प्रदेश में सनातन विरोध की राजनीति को जनता ने अस्वीकार करना शुरू किया है। फिर भी, डीएमके का वही रवैया बरकरार है जो दशकों से चला आ रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि सनातन धर्म के विरुद्ध यह राजनीतिक अभियान केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का आरोप है कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और डीएमके का एक ही प्लान है सनातन हिंदू का अपमान और वोट बैंक की दुकान। यह आरोप हवाई नहीं है, क्योंकि इन दलों के नेताओं के बयानों की एक लंबी फेहरिस्त है। समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने महाकुंभ 2025 को लेकर व्यंग्य करते हुए कहा था कि अगर कुंभ स्नान से सच में पाप धुलते हैं तो नरक तो खाली हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान देते हुए सनातन धर्म की मान्यताओं पर कटाक्ष किया और यहाँ तक कह दिया कि महाकुंभ जैसी कोई चीज है ही नहीं।

तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुए हिंदू देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग दो शादी करते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं और जो शराब पीते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं। कमल हासन ने भी राज्यसभा सांसद बनने के बाद एक कार्यक्रम में दावा किया कि शिक्षा ही वह एकमात्र हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकती है। राजद की राजनीति भी इस मामले में कम आक्रामक नहीं रही। मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए लालू प्रसाद यादव ने सनातन विरोधी राजनीति को अपने दल की पहचान बनाया और आडवाणी को जेल में डालने जैसे कदम उठाए। इन तीनों दलों की रणनीति स्पष्ट है कि मुस्लिम और दलित वोट बैंक को एकजुट करने के लिए सनातन धर्म को निशाना बनाओ, उसे जाति-आधारित उत्पीड़न का प्रतीक बताओ और प्रगतिशील राजनीति का चेहरा पेश करो। इस पर अधिकांश विपक्षी दलों ने रचनात्मक विकल्प देने की बजाय हिंदू द्वेष को ही अपनी रणनीति का केंद्र बना लिया। उनकी चुनावी राजनीति इस धारणा पर टिकी है कि सनातन धर्म का विरोध कर वे अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत बना सकते हैं। इस रणनीति का मकसद हिंदू धर्म को बदनाम करना और उससे जुड़े मुद्दों को अविश्वसनीय ठहराना है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसी अन्य धर्म के बारे में ऐसा बयान दिया जाए तो देश में भूचाल आ जाता है, लेकिन सनातन धर्म के विरुद्ध खुलेआम उन्मूलन की बात करने पर कानूनी शिकंजा क्यों नहीं कसता? भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करने को दंडनीय अपराध मानती है। इसके अलावा धारा 153-ए धर्म, जाति, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता बढ़ाने पर दो साल तक की सजा का प्रावधान करती है। लेकिन इन धाराओं का प्रयोग सनातन के अपमानकताओं के खिलाफ शायद ही कभी प्रभावी ढंग से हो पाता है। बता दें, भारतीय संविधान देश को एक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र घोषित करता है और विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। लेकिन यही पंथनिरपेक्षता एकतरफा होकर रह जाती है, जब एक धर्म विशेष को निशाना बनाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरे धर्म की आलोचना सांप्रदायिक मान ली जाती है। समस्या यह है कि धर्म के विरुद्ध घृणा और जातिगत व्यवस्था की आलोचना के बीच की रेखा को अदालतें बहुत ढीले ढंग से व्याख्यायित करती हैं। इसी कारण राजनेता सनातन को सीधे निशाने पर लेकर भी कानूनी पकड़ से बाहर निकल जाते हैं।

जहाँ तक भाजपा सरकार के 12 साल के कार्यकाल का सवाल है, तो सरकार ने भारतीय न्याय संहिता के रूप में नई आपराधिक संहिता लागू की, लेकिन धार्मिक भावनाओं को आहत करने से संबंधित प्रावधान मूल रूप में ही रहे। कोई नया विशेष कानून नहीं बना जो विशेष रूप से सनातन धर्म के अपमान पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। हाँ, एनएसए और यूएपीए का प्रयोग धार्मिक उग्रवाद रोकने के लिए जरूर हुआ, पर राजनेताओं के बयानों पर यह हथियार नहीं चला। जब तक संसद में स्पष्ट कानून नहीं बनता जो किसी भी धर्म के उन्मूलन की माँग करने वाले बयान को राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा मानकर अभियोजन का आधार बनाए, तब तक यह खेल यूँ ही चलता रहेगा। किसी को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सनातन धर्म भारत की सभ्यता का मूल आधार है।

यह किसी राजनीतिक दल की सम्पत्ति नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और जीवन-दर्शन है। इसके विरुद्ध हर बार उठने वाली आवाजें जब दण्डमुक्त रहती हैं, तो यह लोकतंत्र और संविधान दोनों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं। समय आ गया है कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को अपमानित करने की इस प्रवृत्ति पर संसद, न्यायपालिका और समाज तीनों एकजुट होकर लगाम लगाएँ। वहीं, सनातन धर्म मानने वालों को भी ऐसी घटनाओं का अपने स्तर पर जोरदार विरोध करना चाहिए।

नीट पेपर लीक विवाद और टूटता परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा

– महेन्द्र तिवारी

देश में हर साल करोड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अधिकारी। इन परीक्षाओं के साथ केवल अंक नहीं जुड़े होते, बल्कि परिवारों की उम्मीदें, कई वर्षों की मेहनत और भविष्य की दिशा भी जुड़ी होती है। यही कारण है कि जब किसी बड़ी परीक्षा में पेपर लीक होने की खबर आती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल के वर्षों में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर जो विवाद सामने आए, उन्होंने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया।

फिजिक्स वाला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने दावा किया कि बच्चों से लगातार ऐसी बातें सुनने को मिल रही थीं कि 50,000 रुपये में पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। बाद में अलग अलग जांचों और मीडिया रिपोर्टों में इससे भी बड़े दावों की चर्चा हुई। कुछ जगहों पर कथित तौर पर 10 लाख से 25 लाख रुपये तक में प्रश्नपत्र बेचे जाने की बात सामने आई। बिहार पुलिस की शुरूआती जांच में यह भी कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक लिए गए। यह पूरा मामला केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रहा, बल्कि इसने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों की इतनी कड़ी जांच होती है तो फिर प्रश्नपत्र लीक कैसे हो जाता है। परीक्षा देने पहुंचे छात्र को कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ता है। प्रवेश पत्र की जांच होती है। पहचान पत्र मिलाया जाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। मेटल डिटेक्टर से जांच होती है। जूते तक उतरवाए जाते हैं। लड़कियों के हेयर क्लिप और लड़कों की बेल्ट तक जांची जाती है। कई जगहों पर पानी की बोतल तक पारदर्शी रखने की शर्त होती है। छात्रों को घड़ी, मोबाइल, ब्लूटूथ, पेन ड्राइव जैसी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं होती।

इतनी सख्ती के बाद भी यदि पेपर लीक हो जाता है तो इसका अर्थ साफ है कि समस्या परीक्षा केंद्र के बाहर कम और व्यवस्था के भीतर ज्यादा है। असली कमजोरी वहां है जहां प्रश्नपत्र तैयार होता है, छपता है, पैक होता है, भेजा जाता है और परीक्षा शुरू होने तक सुरक्षित रखा जाता है।

एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है। सबसे पहले विशेषज्ञों की टीम प्रश्न तैयार करती है। फिर उनका चयन और संपादन होता है। उसके बाद अंतिम प्रश्नपत्र तैयार किया जाता है। फिर उसे गोपनीय तरीके से छपाई केंद्र तक भेजा जाता है। वहां प्रिंटिंग होती है। इसके बाद पैकेजिंग और सीलिंग होती है। फिर अलग अलग राज्यों और जिलों तक ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है। परीक्षा केंद्रों में इन्हें मजबूत कमरों में रखा जाता है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सील खोली जाती है।

यही पूरी यात्रा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दौरान यदि किसी एक चरण में भी मिलीभगत हो जाए तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था बेकार हो जाती है। समस्या यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र बनाने वाले विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी, केंद्र अधीक्षक, गोदाम कर्मचारी और कई अन्य लोग। जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, उतना अधिक रिसाव का खतरा रहेगा।

नीट मामले में अलग अलग प्रकार के दावे सामने आए। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि परीक्षा से पहले कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा बांटे गए प्रश्नों का बड़ा हिस्सा असली पेपर से मेल खा रहा था। कुछ जगहों पर टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया समूहों में प्रश्नपत्र बिकने की चर्चा हुई। कुछ गिरफ्तारियों में ऐसे लोगों का नाम सामने आया जो खुद छात्र थे या काउंसलिंग से जुड़े काम करते थे। बिहार और अन्य राज्यों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में जांच केंद्रीय एजेंसी तक पहुंची।

इस पूरे विवाद में एक और बात ने छात्रों को परेशान किया। लाखों छात्रों के बीच अचानक असामान्य रूप से अधिक टॉपर सामने आए। कुछ छात्रों को 718 और 719 जैसे अंक मिले, जिसने लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि परीक्षा के अंकन पैटर्न में ऐसे अंक सामान्य रूप से संभव नहीं माने जाते। बाद में ग्रेस मार्क्स को लेकर भी विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा। अदालत ने परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जवाब मांगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी कहा कि पूरे देश में बड़े स्तर पर लीक के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे लीक सीमित स्तर पर हुआ हो या बड़े स्तर पर, भरोसा एक बार टूट जाए तो उसे वापस बनाना बहुत कठिन होता है। लाखों छात्र यह सोचने लगते हैं कि उनकी मेहनत कहीं किसी पैसे वाले या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कमजोर तो नहीं पड़ जाएगी। यही डर सबसे बड़ी क्षति है।

पेपर लीक का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल नहीं होता। कई बार पूरा गिरोह सक्रिय होता है। कुछ लोग छात्रों तक पहुंचते हैं। कुछ लोग प्रश्नपत्र के स्रोत तक पहुंचते हैं। कुछ पैसे का लेनदेन संभालते हैं। कुछ डिजिटल माध्यमों से प्रश्न फैलाते हैं। कई मामलों में नकली पेपर बेचकर भी ठगी की जाती है। परीक्षा से पहले छात्रों और अभिभावकों की बेचैनी का फायदा उठाया जाता है।

यह भी सच है कि भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव बहुत अधिक है। एक एक सीट के लिए सैकड़ों छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। नीट जैसी परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें बहुत सीमित हैं। ऐसे माहौल में कुछ लोग गलत रास्ता अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब सफलता और असफलता के बीच बहुत बड़ा अंतर हो, तब भ्रष्ट नेटवर्क तेजी से पनपते हैं।

सरकारें और परीक्षा एजेंसियां लगातार नई सुरक्षा तकनीकें लाती रही हैं। एन्क्रिप्टेड डिजिटल ट्रांसमिशन, मजबूत पैकेजिंग, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और लाइव मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। लेकिन फिर भी समस्या खत्म नहीं हो रही। इसका कारण यह है कि तकनीक केवल उपकरण है। यदि व्यवस्था में शामिल लोग ईमानदार नहीं हों तो सबसे मजबूत तकनीक भी असफल हो सकती है।

विशेषज्ञ अब कई नए सुझाव दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र को परीक्षा से केवल कुछ घंटे पहले डिजिटल रूप से केंद्रों तक भेजा जाए। अंतिम समय पर स्थानीय स्तर पर प्रिंटिंग हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जाए। हर चरण का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए। प्रश्नपत्र तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या बेहद सीमित हो।

कुछ लोग यह भी मांग कर रहे हैं कि इतनी बड़ी परीक्षाओं का ढांचा बदला जाए। वर्ष में कई बार परीक्षा हो। कंप्यूटर आधारित परीक्षा बढ़ाई जाए। प्रश्न बैंक बहुत बड़ा बनाया जाए ताकि हर छात्र को अलग क्रम में प्रश्न मिलें। इससे लीक की संभावना कम हो सकती है। हालांकि भारत जैसे विशाल देश में यह करना आसान नहीं है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी डिजिटल ढांचा कमजोर है।

पेपर लीक का सबसे दुखद प्रभाव मानसिक स्तर पर पड़ता है। लाखों छात्र दिन रात मेहनत करते हैं। कई परिवार अपनी जमा पूंजी कोचिंग और पढ़ाई पर खर्च कर देते हैं। बच्चे सामाजिक जीवन छोड़कर केवल पढ़ाई में लग जाते हैं। ऐसे में जब उन्हें पता चलता है कि कोई व्यक्ति पैसे देकर पेपर खरीद सकता है तो उनके भीतर गहरी निराशा पैदा होती है। कई छात्रों को लगता है कि ईमानदारी से मेहनत करने का क्या फायदा जब व्यवस्था ही कमजोर हो।

यह समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अलग अलग राज्यों की भर्ती परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे युवाओं में गुस्सा बढ़ा है। बेरोजगारी के बीच परीक्षाओं का रद्द होना और फिर दोबारा परीक्षा होना छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ डालता है।

सच्चाई यह है कि पेपर लीक केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि नैतिक विफलता भी है। जब तक व्यवस्था में शामिल लोगों को यह डर नहीं होगा कि पकड़े जाने पर कठोर और त्वरित सजा मिलेगी, तब तक यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। कई मामलों में जांच वर्षों तक चलती रहती है और दोषियों को जल्दी सजा नहीं मिलती। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।

आज जरूरत केवल नई तकनीक की नहीं है, बल्कि भरोसा बहाल करने की है। परीक्षा एजेंसियों को पारदर्शी होना होगा। छात्रों से सच छिपाने के बजाय स्पष्ट जानकारी देनी होगी। शिकायतों की निष्पक्ष जांच करनी होगी। हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी।

एक ईमानदार छात्र के लिए सबसे बड़ी ताकत यह विश्वास होता है कि उसकी मेहनत का सही मूल्यांकन होगा। यदि यही भरोसा टूट गया तो देश की पूरी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था संकट में पड़ जाएगी। इसलिए पेपर लीक को केवल अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य पर हमला मानकर देखना होगा। तभी शायद वह दिन आएगा जब परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ा छात्र यह महसूस कर सकेगा कि उसकी मेहनत सचमुच सुरक्षित है।

अनियंत्रित ओ,टी,टी प्लेटफॉम पर बढ़ती अभद्रता,

किशोर मन में बढ़ता दुष्प्रभाव।

डिजिटल युग ने मनोरंजन की दुनिया में आमूल चूल परिवर्तन कर दिया है। पहले जहां सिनेमा, दूरदर्शन और पारिवारिक धारावाहिक मनोरंजन के प्रमुख और आदर्श साधन थे, वहीं आज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हर व्यक्ति के हाथ में निजी मनोरंजन का खुला एवं मयार्दाविहीन संसार दे दिया है। मोबाइल फोन और सस्ती इंटरनेट सेवाओं ने वेब सीरीज और फिल्मों को घर-घर, गांव गांव तक पहुंचा दिया है। यह गंभीर परिवर्तन तकनीकी दृष्टि से जितना उपयोगी और आधुनिक दिखाई देता है, उतना ही चिंताजनक उसका दूसरा पक्ष भी है। अनेक ओटीटी मंचों पर अश्लीलता, अत्यधिक नग्नता, हिंसा, गाली-गलौज और विकृत संबंधों को जिस प्रकार परोसा जा रहा है, उसने विशेष रूप से टीनएजर युवक युवतियों की मानसिकता और सामाजिक सोच को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। और ऋणात्मक प्रभाव पैदा करना शुरू कर दिया है।

ओटीटी मंचों का मूल उद्देश्य मनोरंजन और रचनात्मक स्वतंत्रता था, किंतु धीरे-धीरे कुछ निमार्ताओं ने लोकप्रियता और त्वरित आर्थिक लाभ के लिए उत्तेजना आधारित सामग्री को अधिक महत्व देना प्रारंभ कर दिया। आज अनेक वेब सीरीज ऐसी हैं जिनमें कहानी से अधिक महत्व अंतरंग दृश्यों, असंयमित भाषा और उच्छृंखल जीवनशैली को खोलकर परोसा जाता है। समस्या केवल नग्नता दिखाने की नहीं है, बल्कि उसे आधुनिकता, स्वतंत्रता और प्रगतिशीलता का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति अधिक खतरनाक है।

युवा अवस्था स्वयं में संवेदनशील और जिज्ञासापूर्ण होती है। इस आयु में व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, नैतिकता और सामाजिक व्यवहार का निर्माण कर रहा होता है। जब किशोर और युवा लगातार ऐसी सामग्री देखते हैं जिसमें संबंधों की गंभीरता के स्थान पर केवल शारीरिक आकर्षण को महत्व दिया जाता है, तब उनके मन में जीवन और रिश्तों के प्रति भ्रम उत्पन्न होने लगता है। धीरे-धीरे वे वास्तविक जीवन और आभासी मनोरंजन के बीच का अंतर समझने में कठिनाई अनुभव करने लगते हैं।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि लगातार उत्तेजक दृश्य देखने से युवा मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे ध्यान भटकना, पढ़ाई में अरुचि, अवसाद, चिड़चिड़ापन और असंयमित व्यवहार जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कई बार युवा इन वेब सीरीज के पात्रों को आदर्श मानकर उनके व्यवहार की नकल करने लगते हैं। परिणामस्वरूप सामाजिक मयार्दाएं और पारिवारिक संस्कार कमजोर पड़ने लगते हैं।

सबसे गंभीर और चिंताजनक बात यह है कि ओटीटी पर उपलब्ध सामग्री तक पहुंचना अत्यंत सुलभ और आसान है। मोबाइल पर कुछ क्लिक करते ही किशोर आयु के बच्चे भी ऐसी सामग्री देख सकते हैं जो उनके मानसिक विकास के लिए बहुत ही खतरनाक होती। अभिभावकों की अति व्यस्तता और डिजिटल जागरूकता की कमी के कारण बच्चे अक्सर बिना किसी निगरानी के इन मंचों का उपयोग करते हैं। यह स्थिति आने वाले समय में सामाजिक असंतुलन का कारण बन सकती है।

युवा वर्ग पर इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी दिखाई देने लगा है। रिश्तों के प्रति गंभीरता कम होना, महिलाओं को केवल आकर्षण की वस्तु के रूप में देखना, त्वरित सुखवाद की प्रवृत्ति और पारिवारिक मूल्यों से दूरी, ये सब धीरे-धीरे समाज में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। प्रेम, त्याग, संवेदना और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों की जगह क्षणिक आकर्षण और दिखावटी आधुनिकता ने लेना शुरू कर दिया है।

यह भी सत्य है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कला और साहित्य को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। किंतु स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में अंतर होता है। यदि मनोरंजन के नाम पर सामाजिक मयार्दाओं को लगातार कमजोर किया जाए, तो उसका प्रभाव अंततः समाज की नैतिक संरचना पर पड़ता है। इसलिए यह आवश्यक है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़ा रहे।

सरकार और संबंधित संस्थाओं को ओटीटी सामग्री के लिए प्रभावी और स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए।कम आयु वर्ग के अनुसार सामग्री का वर्गीकरण कठोरता से लागू हो तथा अश्लीलता और अनावश्यक नग्नता पर स्पष्ट सीमाएं और नियंत्रण निर्धारित हों। केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म को तकनीकी रूप से ऐसा तंत्र विकसित करना चाहिए जिससे कम उम्र के बच्चे वयस्क सामग्री तक आसानी से न पहुंच सकें।

इसके साथ-साथ अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल बच्चों को मोबाइल दे देना और फिर उनकी गतिविधियों से अनजान रहना उचित नहीं है। माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, उन्हें अच्छे और बुरे मनोरंजन के बीच का अंतर समझाना चाहिए तथा परिवार में सांस्कृतिक और नैतिक वातावरण को मजबूत बनाना चाहिए।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी डिजिटल नैतिकता और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि वास्तविक जीवन की सफलता केवल दिखावटी आधुनिकता या उत्तेजना में नहीं, बल्कि संयम, चरित्र, ज्ञान और संतुलित सोच में निहित होती है।

समाज को भी इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। यदि मनोरंजन के नाम पर सब कुछ स्वीकार कर लिया जाएगा, तो आने वाली पीढ़ियां धीरे-धीरे सांस्कृतिक जड़ों से कटती चली जाएंगी। भारतीय संस्कृति सदैव मयार्दा, परिवार, सम्मान और संतुलित जीवन मूल्यों की पक्षधर रही है। आधुनिकता का स्वागत होना चाहिए, किंतु ऐसी आधुनिकता जो मनुष्य को संवेदनहीन और दिशाहीन बना दे, वह अंततः समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकती है।

अंततः यह कहना उचित होगा कि ओटीटी मंच आधुनिक तकनीक की उपयोगी देन हैं, परंतु उनका दुरुपयोग युवा पीढ़ी को मानसिक और सामाजिक रूप से भ्रमित कर सकता है। आवश्यकता संतुलन की है – जहां रचनात्मक स्वतंत्रता भी बनी रहे और सामाजिक मयार्दा भी सुरक्षित रहे। यदि समय रहते प्रभावी नियंत्रण, जागरूकता और नैतिक जिम्मेदारी नहीं अपनाई गई, तो इसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के चरित्र और समाज की सांस्कृतिक आत्मा पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक,स्तंभकार,रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

सपने

जर्नलिस्ट वेद प्रकाश

अक्सर नींदों में आये सपनो को भूला दिए जाते है,
लेकिन सपनो को याद रखनेवाले ही सफल होते है।
उन नींदों को तोड़ो पर सपनो को दें आकार,
क्योकि उन्ही सपनो को हमे करना है साकार।
देखा था पूर्वजो ने आसमान में उड़ने की सपना,
आज लोगो ने किया उन सपनों को साकार।
जब बीरो ने देखा था स्वतंत्र भारत का सपना,
तब उन्होंने प्राण देकर किया सपनो को साकार।
सपने हकीकत नही होते पर बदले जाते है,
सपने हकीकत का साक्षात्कार होते है।
उन सपनों को मत टूटने दो जिसे तुम देखे हो,
उन सपनों को साकार करो जिसे तुम चाहते हो।

सवालों के घेरे में व्यवस्था

नीट का पेपर जब 'लीक' हुआ,
हरेक सपना जैसे 'ध्वस्त' हुआ।
अथक मेहनत की रातें 'रो' पड़ीं,
ईमान की 'राहें' जैसे खोई पड़ीं।

जिस 'शिक्षा' पर था देश टिका,
वहीं भरोसे का एक दीप बुझा।
'कागज' के कुछ टुकड़ों ने फिर,
लाखों का भविष्य उजाड़ दिया।

यूं अब सरकारों की 'चौखट' पर,
जनता का प्रश्नचिन्ह खड़ा होगा।
इस युग कैसे गोपनीय दीवारों से,
प्रश्न-पत्र बाहर फैला पड़ा होगा?

बच्चे 'दिन-रात' एक किये हुवे थे,
आशा-अपेक्षा लेकर आगे बढ़े थे।
क्यों उनकी आँखों के सपनों पर,
स्वार्थियों के काले रंग चढ़े हुए थे?

सीबीआई की कठोर 'जांच' चले,
सच्चाई के पहरे में हर द्वार खुले।
इसके 'दोषी' चाहे जितने बड़े हों,
न्याय के आगे उनका शीश झुके।
शिक्षा मंदिर कहलाता है देश का,
सबको इसका सम्मान बचाना है।
मेहनत करने वाले हरेक 'मन' को,
फिर विश्वास का दीप दिलाना है।

(संदर्भ - नीट यूजी-2026 पेपर लीक)
संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

भारत शिक्षा एक्सपो-2026 के तृतीय संस्करण का ग्रेटर नोएडा में भव्य शुभारंभ

भविष्य उन्मुख शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास का दिखा संगम

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 14 मई 2026। इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट, ग्रेटर नोएडा में भारत शिक्षा एक्सपो-2026 के तृतीय संस्करण का आज भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन ने देशभर के शिक्षण संस्थानों, नीति निमार्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, एडटेक नवाचारकताओं, परामर्शदाताओं, विद्यार्थियों तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर एकत्र किया।

यह आयोजन इंडिया एक्सपो मार्ट द्वारा किया जा रहा है तथा इसे ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण का सहयोग प्राप्त है। इसका उद्देश्य नवाचार, सहयोग, कौशल विकास तथा सार्थक शैक्षणिक संवाद के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

उद्घाटन सत्र में कई गणमान्य अतिथि शामिल

उद्घाटन सत्र में कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें आईपीएस पूर्व अधिकारी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सलाहकार सदस्य अनिल प्रथम, फेडरेशन ऑफ एजुकेशन इन इंडिया के अध्यक्ष डॉ. जहीर खान, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सलाहकार डॉ. संदीप सिंह कोरा तथा इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप सरकार शामिल रहे।

युवाओं के लिए कौशल और करियर मार्गदर्शन पर जोर

अनिल प्रथम ने कहा कि आज के समय में करियर परामर्श, कौशल आधारित शिक्षा और विशिष्ट क्षेत्रों

की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर अपराध, अपराध विज्ञान तथा प्रयोगशाला विज्ञान जैसे उभरते क्षेत्रों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।

डॉ. जहीर खान ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्रदान करना नहीं, बल्कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के लिए कौशल आधारित व्यवस्था विकसित करना है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और व्यवहारिक शिक्षा पर जोर दिया।

डॉ. संदीप सिंह कोरा ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा ही भविष्य की वास्तविक शक्ति है। उनके अनुसार उपाधि केवल पहचान है, जबकि कौशल व्यक्ति को वास्तविक अवसर प्रदान करता है।

शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग पर बल

कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, बल्कि क्षमता, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण होना चाहिए।

नवाचार और अनुभवात्मक शिक्षा का मंच

इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप सरकार ने बताया कि यह आयोजन शिक्षा, तकनीक और नवाचार का एकीकृत मंच है। यहाँ हैकाथॉन, कार्यशालाएँ, परामर्श सत्र, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ, आभासी एवं संवर्धित वास्तविकता अनुभव तथा रोबोटिक्स कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं।

तीन दिवसीय आयोजन

यह तीन दिवसीय आयोजन 16 मई 2026 तक जारी रहेगा। इसमें देश-विदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एडटेक कंपनियों, परामर्श संस्थानों तथा कौशल विकास संगठनों की भागीदारी है। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, वैश्विक अवसरों तथा करियर निर्माण के लिए प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान करना है।

शनि जयंती पर श्रद्धा का महासंगम, नोएडा में गूंजेगा 'जय शनिदेव' का उद्घोष

श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर में अष्टकुंडीय शनि महायज्ञ, भजन संध्या और विशाल भंडारे का आयोजन

नोएडा। धर्म, भक्ति और आस्था का अनुपम संगम 16 मई को नोएडा में देखने को मिलेगा। यमुना पुस्ता मार्ग स्थित सेक्टर-14ए के श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर में शनि जयंती एवं शनि अमावस्या महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर मंदिर परिसर दिनभर वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठानों, भजन संध्या तथा विशाल भंडारे से भक्तिमय बना रहेगा। आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

तड़के से प्रारंभ होंगे धार्मिक अनुष्ठान

मंदिर समिति के अध्यक्ष ठाकुर मानसिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत तड़के 3:30 बजे दिव्य श्री शनि अभिषेक से होगी। इसके बाद सुबह 5:30 बजे मंगल आरती का आयोजन किया जाएगा। सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक अष्टकुंडीय श्री शनि महायज्ञ संपन्न होगा। यह यज्ञ प्रसिद्ध आचार्य पुष्कर चंद्र भट्ट के सान्निध्य में होगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु भाग लेंगे।

सुबह 10:30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। वहीं शाम 7 बजे से मंदिर परिसर में भव्य संध्या महाआरती, मनमोहक झांकियाँ तथा भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

इस धार्मिक महोत्सव में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री के. पी. एस. मलिक विशिष्ट अतिथि तथा नोएडा विधायक पंकज सिंह अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने 25 नए दोपहिया पीआरवी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

डायल-112 सेवा को मिलेगा और अधिक बल, रिस्पॉन्स टाइम होगा बेहतर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से 25 नए दोपहिया पीआरवी वाहनों को डायल-112 सेवा में शामिल किया गया।

पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस आयुक्त कार्यालय, सेक्टर-108 नोएडा से इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया।

त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया पर जोर

इन नए पीआरवी (पुलिस रिस्पॉन्स वाहन) वाहनों का उद्देश्य पुलिस रिस्पॉन्स टाइम को कम करना, प्रमुख मार्गों पर पुलिस की उपस्थिति बढ़ाना तथा आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

क्षेत्रवार तैनाती

नए दोपहिया पीआरवी वाहनों का वितरण इस प्रकार किया गया है–

नोएडा जोनः 10 वाहन
सेंट्रल नोएडा जोनः 10 वाहन
ग्रेटर नोएडा जोनः 5 वाहन

इन वाहनों को डायल-112 के मौजूदा बेड़े में सम्मिलित कर विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से तैनात किया जाएगा।

सुरक्षा और उपस्थिति में वृद्धि

इस पहल से आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत होगी तथा सड़कों पर पुलिस की दृश्य उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आपात परिस्थितियों में पुलिस की प्रतिक्रिया पहले से अधिक तेज हो सकेगी।

आधुनिक पुलिस व्यवस्था की दिशा में कदम

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर लगातार आधुनिक संसाधनों, नई तकनीक और उन्नत वाहनों के माध्यम से अपनी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ कर रहा है, ताकि जनसेवा अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बन सके।

इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र, पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार सिंह, डायल-112 एवं यातायात प्रभारी अभय कुमार मिश्र सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण की बड़ी पहल, सीवर ओवरफ्लो समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्यों का शिलान्यास

सांसद और विधायक की उपस्थिति में कई ग्रामों में सीवर एवं जल लाइनों के नवीनीकरण की शुरूआत

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। बढ़ते जनसंख्या घनत्व तथा विभिन्न स्थानों पर सीवर लाइनों के क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न सीवर ओवरफ्लो की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नोएडा प्राधिकरण द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनुरोध के क्रम में जल विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यों का शिलान्यास 14 मई 2026 को किया गया। इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा तथा नोएडा के विधायक पंकज सिंह उपस्थित रहे।

ग्राम बरौला में बड़ा कार्य

ग्राम बरौला में 10 एमएलडी क्षमता के सीवेज संपवेल (10 मीटर गहरा) का निर्माण, राइजिंग मेन सहित तथा पुरानी क्षतिग्रस्त आंतरिक सीवर एवं जल लाइनों के प्रतिस्थापन का कार्य किया जाएगा।

कार्य लागतः 978.68 लाख रुपये
सीवर/जल लाइन की कुल लंबाईः 3375 मीटर (17 गलियाँ)

ग्राम छजारसी में सीवर और जल लाइन का नवीनीकरण

ग्राम छजारसी में पुरानी एवं जाम सीवर तथा जल लाइनों को बदलने का कार्य प्रस्तावित है।

कार्य लागतः 165.13 लाख रुपये
सीवर लाइनः 1280 मीटर (3 गलियाँ) जल लाइनः 1280 मीटर (3 गलियाँ) ग्राम हजरतपुर

वजीदपुर में सुधार कार्य यहाँ भी पुरानी एवं क्षतिग्रस्त सीवर और जल लाइनों के प्रतिस्थापन का कार्य किया जाएगा। कार्य लागतः 164.60 लाख रुपये सीवर लाइनः 1300 मीटर (6 गलियाँ) जल लाइनः 1300 मीटर (6 गलियाँ)

ग्राम सफाबार्द में व्यापक कार्य

ग्राम सफाबार्द में विभिन्न गलियों में सीवर और जल लाइनों के नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा।

कार्य लागतः 107.15 लाख रुपये
सीवर लाइनः 1306.50 मीटर (12 गलियाँ)
जल लाइनः 3344.10 मीटर (11 गलियाँ)

स्थायी समाधान की दिशा में कदम

अधिकारियों के अनुसार इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर बढ़ती आबादी के अनुरूप सीवर व्यवस्था में सुधार होगा तथा गाँवों के अपशिष्ट जल का समुचित निस्तारण निकटवर्ती सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से किया जा सकेगा, जिससे सीवर ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा।

23 दिनों की जंग जीतकर घर लौटा समय से पहले जन्मा नवजात, डॉक्टरों की मेहनत लाई रंग

दादरी के गोपाल नर्सिंग होम में सफल इलाज से मासूम को मिली नई जिंदगी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

दादरी (नोएडा)। दादरी क्षेत्र से एक भावुक कर देने वाली खबर सामने आई है, जहां डॉक्टरों की सतत मेहनत और आधुनिक चिकित्सा के सहयोग से समय से पहले जन्मे एक नवजात को नई जिंदगी मिल गई।

दादरी स्थित गोपाल नर्सिंग होम में 23 दिनों तक चले कठिन उपचार और गहन देखभाल के बाद नवजात को पूरी तरह स्वस्थ कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

32 सप्ताह में हुआ था जन्म, स्थिति थी गंभीर

जानकारी के अनुसार बच्चे का जन्म लगभग 32 सप्ताह में हुआ था, जो सामान्य समय से काफी पहले माना जाता है। जन्म के समय उसका वजन मात्र 1.71 किलोग्राम था और हालत अत्यंत नाजुक थी।

वेंटिलेटर सपोर्ट और विशेष उपचार से मिली राहत

डॉक्टरों ने तत्काल नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा तथा

फेफड़ों के विकास के लिए सरफेक्टेंट थेरेपी सहित आवश्यक उपचार शुरू किया। शुरूआती दिनों में बच्चे को श्वसन संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन चिकित्सकीय टीम ने लगातार निगरानी और उपचार जारी रखा।

23 दिनों तक चला संघर्ष

समय से पहले जन्मे शिशुओं की देखभाल अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है। संक्रमण, श्वसन समस्या और कमजोर शारीरिक स्थिति जैसी जटिलताओं के बावजूद चिकित्सकों ने पूरी सतर्कता और समर्पण के साथ उपचार किया।

चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की भूमिका

इस सफलता में गोपाल नर्सिंग होम के संस्थापक डॉ. जी. एस. चौबे, डॉ. विनेश पंवार, डॉ. सुमित आई. कर्ण तथा डॉ. के. पी. सिंह सहित सभी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लगातार 23 दिनों की चिकित्सा के बाद नवजात के स्वस्थ होने पर परिवार में अपार खुशी का माहौल है। परिजनों ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके समर्पण और सही उपचार के कारण ही बच्चा सुरक्षित घर लौट सका।

गौतमबुद्धनगर में श्रमिक आंदोलन हिंसा मामले में रासुका के तहत कार्रवाई, दो आरोपियों पर सख्त कदम

भड़काऊ गतिविधियों और अराजकता फैलाने के आरोप में कार्रवाई, वित्तीय लेन-देन की भी जांच

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में विगत दिनों हुए श्रमिक आंदोलन/प्रदर्शन के दौरान कथित हिंसक घटनाओं और भड़काऊ गतिविधियों के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में विभिन्न थानों पर दर्ज अभियोगों के आधार पर दो आरोपियों–सत्यम वर्मा तथा आकृति–के विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की गई है।

हिंसा और अराजकता फैलाने का आरोप

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों की श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसा, आगजनी तथा लोक व्यवस्था को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई है। इसी आधार पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई।

वित्तीय लेन-देन की जांच में चौंकाने वाले तथ्य

जांच के दौरान आरोपी सत्यम वर्मा से जुड़े वित्तीय लेन-देन में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। आरोप है कि उसके व्यक्तिगत बैंक खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि तथा विभिन्न विदेशी मुद्राएं–डॉलर, पाउंड और यूरो–में लेन-देन हुआ है।

यह भी सामने आया है कि प्राप्त धनराशि को विभिन्न समय पर अन्य खातों में स्थानांतरित किया गया।

संगठनों से संबंधों की जांच जारी

पुलिस के अनुसार आरोपी सत्यम वर्मा कई संगठनों से जुड़ा हुआ है, जिनकी भूमिका और गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है। साथ ही उसके बैंक खातों में हुए सभी लेन-देन की विस्तृत जांच एवं विश्लेषण की प्रक्रिया जारी है।

मितव्ययता अभियान के तहत नोएडा प्राधिकरण में ईंधन खपत में 20 प्रतिशत कटौती का निर्णय

हल्के और भारी वाहनों तथा मशीनों के उपयोग पर लागू होगा आदेश

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मितव्ययता एवं संसाधन संरक्षण के आह्वान के क्रम में नोएडा प्राधिकरण ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशानुसार प्राधिकरण के अंतर्गत सभी हल्के एवं भारी वाहनों तथा मशीनों की दैनिक ईंधन खपत में 20 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

संसाधन संरक्षण पर जोर

प्राधिकरण का कहना है कि यह निर्णय राष्ट्रहित एवं संसाधन संरक्षण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ईंधन की बचत सुनिश्चित होगी तथा प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी।

यह व्यवस्था नोएडा प्राधिकरण के सभी विभागों में लागू होगी, जिसमें वाहनों के साथ-साथ निर्माण एवं रखरखाव में प्रयुक्त मशीनें भी शामिल होंगी।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना तथा ईंधन खपत में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना है।

जिला चिकित्सालय में अग्निशमन विभाग के सहयोग से फायर मॉकड्रिल का आयोजन

आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। दिनांक 14 मई 2026 को जिला चिकित्सालय में अग्निशमन विभाग के सहयोग से फायर मॉक-ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य अस्पताल परिसर में आग लगने जैसी आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित कार्रवाई के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना था। इस मॉकड्रिल में सुरक्षा गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने कर्मचारियों को फायर अलार्म बजने पर तुरंत कार्रवाई करने, अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, हाइड्रेंट सिस्टम के संचालन तथा मरीजों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

जिला चिकित्सालय की दैनिक चिकित्सा रिपोर्ट (14.05.2026)
ओ.पी.डी. मरीजः 2887
आभा स्कैन ओ.पी.डी.: 2108
श्री अमरनाथ यात्रा श्रद्धालुः 31
आई ओरेशनः 11
सिजेरियन ऑपरेशनः 2
जनरल ओ.टी.: माइनर 10, मेजर 16
नए डॉग बाइट मरीजः 55
पुराने डॉग बाइट मरीजः 152
कुल डॉग बाइट मरीजः 207
मेडिकोलीगल (पुलिस): 3
अन्य मामलेः 34
कुल मामलेः 244

जिला चिकित्सालय प्रशासन ने बताया कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

जहांगीरपुर पब्लिक इंटर कॉलेज में 1.28 करोड़ की लागत से बहुद्देशीय हाल का शुभारंभ

अलंकार योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जहांगीरपुर (गौतमबुद्धनगर)। कस्बा जहांगीरपुर स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश सरकार की अलंकार योजना के अंतर्गत लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बहुद्देशीय हाल के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य का शुभारंभ जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया।

इस अवसर पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सुविधा

विधायक ने बताया कि जहांगीरपुर पब्लिक इंटर कॉलेज में लंबे समय से बहुद्देशीय हाल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिससे शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अन्य गतिविधियों का सुचारु आयोजन किया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों को एक बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

शिक्षा को बताया राष्ट्र निर्माण का आधार

विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षकगण तथा स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएमईजीपी योजना के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

बिसरख पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई, 24 मोबाइल फोन व दस्तावेज बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत सब्सिडी युक्त ऋण दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया गया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार यह गिरोह सरकारी योजना के तहत सब्सिडी लोन दिलाने का प्रलोभन देकर लोगों से धन की ठगी करता था।

24 मोबाइल फोन और दस्तावेज बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 24 मोबाइल फोन तथा ठगी से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

साइबर सेल की तकनीकी भूमिका अहम

इस पूरे ऑपरेशन में साइबर सेल की टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके चलते गिरोह की गतिविधियों का खुलासा हो सका।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क की पहचान की जा रही है। आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

मिशन शक्ति 5 के तहत नोएडा पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

महिला सुरक्षा टीम ने साइबर अपराध, महिला अपराध और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन एवं महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ के पर्यवेक्षण में महिला सुरक्षा टीम द्वारा मिशन शक्ति 5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस अभियान के दौरान महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

पंपलेट वितरित कर दी गई जानकारी

कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सुरक्षा टीम ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पुलिस की प्राथमिकता है और ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

इंपीरियल इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा राफिया खान 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद जनपद बिजनौर के नजीबाबाद मे नगीना रोड पर स्थित इंपीरियल इंटरनेशनल स्कूल मे सीबीएसई द्वारा कक्षा 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमे राफिया खान पुत्री रियाज खान निवासी साहनपुर मोहल्ला किला पठान ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय मे प्रथम स्थान प्राप्त किया विद्यालय की प्रधानाचार्य अंजनी राजपूत द्वारा राफिया खान को बधाई प्रेषित कर भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रदान की गई इस अवसर पर विद्यालय मे उत्तीर्ण छात्राओ के अभिभावक एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे एवं विद्यालय के अच्छे परिणाम पर सभी छात्र-छात्राओ को बधाईयां प्रेषित की गई राफिया खान के पिता रियाज खान ने गर्व महसूस करते हुए मिठाइयां बांटी राफिया खान कि इस कामयाबी पर साहनपुर मे खुशी का माहौल है और साहनपुर निवासियो ने राफिया खान को दुआओं से नवाजा और अच्छे भविष्य की कामना की

चार हजार की नकदी व चोरी की बाईक सहित एक चोर गिरफ्तार

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना । पुलिस ने चोरी की गई एक मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में उसका चालान कर दिया, पुलिस ने गिरफ्तार किये गये अभियुक्त के पास से 4 हजार रुपये भी बरामद किये ।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार 19 अप्रैल 2024 को थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मशानंगली निवासी गोतम सिंह पुत्र मेघराज सिंह व ग्राम धर्मशानंगली में निवासी फिरोज उस्मानी पुत्र रुस्तम ने 12 मई 2026 को अपनी अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी थी पुलिस ने दोनों ही मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी , पुलिस के अनुसार विवेचना में चोरी गई मोटरसाईकिलों के मामलों में आशु चौधरी पुत्र विरेंद्र सिंह निवासी ग्राम धर्मशानंगली का नाम प्रकाश में आया , थाने के एस आई अजित कुमार ने पुलिसकर्मियों की मदद से चोरी की गई 1 मोटरसाइकिल सहित अभियुक्त आशु चौधरी को गिरफ्तार कर लिया , पुलिस ने उसके पास से 4 हजार रुपये भी बरामद किये ,पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त आशु ने बताया कि चोरी की गई एक मोटरसाइकिल उसने अपने एक साथी हरिद्वार क्षेत्र के ग्राम मुलाना थाना मंगलौर निवासी सनी पुत्र दीपक को बेचने के लिए दी थी जो उसने 9 हजार रुपये में बेच दी थी , 4 हजार रुपये उसके हिस्से में आये थे।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन ने जिला केमिस्ट एसोसिएशन बिजनौर को दिया समर्थन

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। आगामी 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद को लेकर जिले में व्यापारी एवं दवा व्यवसायियों का समर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के पदाधिकारियों ने जिला केमिस्ट एसोसिएशन बिजनौर को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

बैठक के दौरान मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री और दवा व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर केमिस्टों की मांगें पूरी तरह जायज हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन 20 मई के भारत बंद में जिला केमिस्ट एसोसिएशन बिजनौर के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

इस अवसर पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन बिजनौर के पदाधिकारियों ने यूनियन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी संगठनों के सहयोग से यह आंदोलन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जिले के सभी दवा व्यापारियों एवं व्यापारी बंधुओं से 20 मई के भारत बंद को सफल बनाने की अपील की। बैठक में दोनों संगठनों के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया व एल एल बी की परिक्षा आगे पीछे होने से छठे समेंस्टर के परिक्षार्थियों में मची बेचैनी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना । एल एल बी के परिक्षार्थियों ने बरेली कुलपति की ओर ध्यान दिलाकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया की परिक्षा को देखते हुए 06जून व 8जून की परिक्षा को आगे बढ़ाने की मांग की है।

एल एल बी छठे समेंस्टर की परिक्षाएं 25 मई 2026 से प्रारंभ हो रही है तथा 8 जून को एल एल बी की परिक्षाएं सम्पन्न हो जाएगी। इस संबंध में एल एल बी के परिक्षार्थियों ने बताते हुए कहा कि 6 जुन को एल एल बी की परिक्षा का पेपर सुबह 8 बजे से 11 बजे तक होना है। 7 जून को बार काउंसिल ऑफ इंडिया की परिक्षा का पेपर है। जिससे परिक्षार्थियों के सेंटर उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों व दूसरे प्रदेशों में है जहां पर परिक्षार्थी बार काउंसिल ऑफ इंडिया की परिक्षा देने के लिए जाएंगे। 8 जून को एल एल बी का आखिरी पेपर होगा। जिससे बाहर शहरों के जनपदों व अन्य प्रदेशों के सेंटरों पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया की 7 जून की परिक्षा देने जाने वाले परिक्षार्थियों के सामने बड़ी जटिल समस्या पैदा हो गई है। जिसको लेकर एल एल बी छठे समेंस्टर के परिक्षार्थियों की कोई सी भी एक परिक्षा छूट जाने की संभावना है। एल एल बी छठे समेंस्टर नगीना व बिजनौर जनपद के परिक्षार्थियों ने इस सम्बन्ध में बरेली महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति (वी.सी) की ओर इस सम्बन्ध में ध्यान दिलाते हुए। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की 7 जून की परिक्षा व परिक्षार्थियों की होने वाली परेशानियों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए हुए। एल एल बी छठे समेंस्टर की 6जून व 8जून की परिक्षा को बार काउंसिल ऑफ इंडिया की 7 जून को होने वाली परीक्षा से पहले पड़ने वाली तिथियों या 8 जून के बाद कराने की मांग की है। जिससे एल एल बी के परिक्षार्थियों की समस्यायों का समाधान हो सके और एल एल बी एंव बार काउंसिल ऑफ इंडिया की परिक्षा भी न छुट सकें।

घोड़े की बग्गी पर बैठकर गले में आलू की माला डाल जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे किसान, फिरोजाबाद में अनोखे प्रदर्शन से मचा हड़कंप।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरनाम सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों ने ऐसा अनोखा प्रदर्शन किया कि पूरा प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। किसान घोड़े पर बैठकर और गले में आलू की माला डालकर कीर्तन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जिसे देखने के लिए सड़क किनारे लोगों की भारी भीड़ जुट गई। प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करते हुए किसानों ने पारंपरिक तरीके से प्रदर्शन किया और आलू के गिरते दामों, डीएपी खाद की किल्लत, बिजली संकट एवं सिंचाई व्यवस्था को लेकर जोरदार आवाज उठाई। किसानों ने कहा कि आलू का सही मूल्य न मिलने से किसान आर्थिक बबार्दी की ओर बढ़ रहा है।

जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर किसानों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों की भारी भीड़ और अनोखे प्रदर्शन को देखकर पुलिस एवं जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। CDO एवं ADM सत्रोहन खुद धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों से ज्ञापन लिया।

बाद में जिलाधिकारी कार्यालय में किसान नेताओं एवं प्रशासन के बीच डीएम स्तर की वार्ता हुई, जिसमें 23 तारीख को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया।

मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने कहा कि आलू किसान पूरी तरह टूट चुका है। उन्होंने मांग की कि आलू का रेट 15000 प्रति यूनिट किया जाए तथा कोल्ड स्टोरेज की मनमानी पर तत्काल रोक लगाई जाए।

इस दौरान जिला अध्यक्ष बिन्नी प्रधान, मोहित यादव, उदयवीर, सरपंच अवधेश रावत, लाल सिंह तोमर, प्रेम सिंह सिकरवार, सोबरन सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं अभिवादक संघ प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के विरोध में जिलाधिकारी से लगाई गुहार।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। अभिभावक संगठन एवं व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिला, प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर उठाई आवाज अभिभावक संगठन एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संयुक्त नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी संतोष शर्मा से शिष्टाचार भेंट की एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी पर कड़ा विरोध जताते हुए शासनादेश का सख्ती से पालन कराए जाने की मांग की। साथ ही, एनसीईआरटी पुस्तकों फ्ळए के तहत एडमिशन के नाम पर पैसे लिए जा रहे हैं नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में

एक कमेटी गठित कर जांच हो, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

इसके अतिरिक्त व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भी जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बाजारों की मूलभूत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। जिलाधिकारी ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामनरेश कटारा, अभिभावक संगठन अध्यक्ष प्रशान्त माहेश्वरी, कुलदीप गुप्ता एडवोकेट, चकलेश राजपूत एवं संचित वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गर्म हवा व लू से बचाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिजनौर द्वारा एडवाइजरी जारी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेशों के क्रम में अपर ज़िलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार में हीटवेव लू प्रकोप से बचाव के संबंध में बैठक आयोजित हुई। अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व/प्रभारी/नोडल अधिकारी आपदा ने बताया की *हीटवेब (लू) से बचाव के लिए संबंधित विभाग ससमयअपनी अपनी तैयारियां पूरी करना सुनिश्चित करें। है तथा उससे संबंधी एहतियातें बरतना भी सुनिश्चित करें।

अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को समय समय पर उनके द्वारा हीट वेव से बचाव हेतु विभागवार दायित्व जारी कर निर्देशन दिए गए हैं, जो जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी कर लू से बचाव के उपाय, लक्षण एवं उपचार आदि के बारे में बताया गया है। अपर जिलाधिकारी ने अपील करते हुए कहा है कि जन-सामान्य लू से बचाव को लेकर बताये उपायों को अमल में लायें और अपना बचाव करें।

बैठक के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ प्रशांत श्रीवास्तव ने बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि गर्मी के हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर, जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान को रेडियो व अन्य संसाधनों के माध्यम से सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें

उन्होंने बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय घर के खिड़की दरवाजे आदि खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थों, शराब अथवा अल्कोहल से बचें। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें तथा बासी भोजन कतई न इस्तेमाल करें इसके साथ ही संतुलित व हल्का आहार लें। दोपहर के समय यदि बहुत आवश्यक हो तभी घर से धूप में बाहर निकलें अन्यथा धूप में जाने से बचें और यदि जाना ही पड़े तो सिर को जरूर ढकें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि अभी आगे गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।

☞ कब लगती है लू

गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फ्लूड सूखने लगते हैं। शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। शराब की लत, हृदय रोग,, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंर्सस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह वाले व्यक्तियों को लू से विशेष बचाव करने की जरूरत है इसके अलावा डॉययूरेटिक, एंटीस्टिमिनक, मानसिक रोग की औषधि का उपयोग करने वाले व्यक्ति भी लू से सावधान रहें।

☞ लू के लक्षण

गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वास गति में` तेजी,व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र न होना` अथवा इसमें कमी आदि मुख्य लक्षण हैं। इन लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर के उच्च तापमान से आंतरिक अंगों, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिजनौर द्वारा जन हित में जारी।

मानवता की मिसाल: लक्की ट्रस्ट की एम्बुलेंस ने फिर बचाई सड़क हादसे में घायल की जान।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जसराना के अतुर्रा गांव के प्रख्यात समाजसेवी लोधी देवेन्द्र सिंह द्वारा संचालित लक्की ट्रस्ट अतुर्रा की एम्बुलेंस सेवा एक बार फिर किसी के लिए 'देवदूत' बनकर सामने आई। आज एक भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति को ट्रस्ट की एम्बुलेंस ने त्वरित सहायता पहुँचाते हुए अस्पताल पहुँचाया, जिससे उसकी जान बच सकी।

त्वरित कार्रवाई से मिली मदद

मिली जानकारी के अनुसार, आज दोपहर मुख्य मार्ग पर एक अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया था। दुर्घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई और घायल तड़प रहा था। सूचना मिलते ही समाजसेवी देवेन्द्र सिंह के निर्देशन में लक्की ट्रस्ट की एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुँची। बिना समय गंवाए घायल को प्राथमिक उपचार देते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

क्षेत्र में सराहना का पात्र बना ट्रस्ट

यह पहली बार नहीं है जब लक्की ट्रस्ट की स्वास्थ्य सेवाओं ने किसी की जान बचाई हो। समाजसेवी लोधी देवेन्द्र सिंह द्वारा निःशुल्क/रियायती दरों पर चलाई जा रही इस एम्बुलेंस सेवा का लाभ क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों को निरंतर मिल रहा है

हमारा उद्देश्य केवल सेवा है। सड़क दुर्घटनाओं में शुरूआती 'गोल्डन आवर' बहुत महत्वपूर्ण होता है, और हमारी कोशिश रहती है कि घायल को बिना देरी किए चिकित्सा सहायता मिल सकें

ग्रामीणों ने जताया आभार

स्थानीय लोगों ने समाजसेवी देवेन्द्र सिंह के इस पुनीत कार्य की सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि सुदूर ग्रामीण इलाकों में आपातकालीन समय पर एम्बुलेंस का उपलब्ध होना किसी वरदान से कम नहीं है। ट्रस्ट की इस सक्रियता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मानवता की सेवा ही सर्वोपरि धर्म है।

हर शुक्रवार रहेगा नो व्हीकल डे डीएम ने जारी की ईंधन बचत एडवाइजरी

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सभी को अवगत कराया है। कि ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक बचत के उद्देश्य से ही आवश्यक नहीं है, बल्कि ईंधन संरक्षण एवं उसका सदुपयोग एक मजबूत राष्ट्र के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जो हम सभी भारतवासियों का राष्ट्रीय दायित्व भी है।

प्रधानमंत्री , भारत सरकार द्वारा देश हित में ईंधन की बचत को लेकर की गई अपील एवं मा० मुख्यमंत्री जी. उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा उपरोक्त के सम्बन्ध में बैठक में लिये गये निर्णय के परिप्रेक्ष्य में गुरुवार को अधोहस्ताक्षरी द्वारा ईंधन की बचत, ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ वातावरण स्थापित करने के उद्देश्य से जनपद के समस्त अधिकारीगण / कर्मचारीगण के साथ वर्चुअल माध्यम से संवाद स्थापित किया गया। ईंधन की बचत, ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ वातावरण स्थापित किये जाने हेतु सर्व सम्मति से लिये गये निर्णय के अनुसार समस्त अधिकारीगण / कर्मचारीगण व आम जनता से अपेक्षा की जाती है कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत देश हित में इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना सहयोग प्रदान किये जाने हेतु निम्नलिखित एडवाइजरी का अनुपालन किया जायेः-

1. जनपद में प्रत्येक शुकवार को "वाहन मुक्त दिवस" (नो व्हीकल डे) के रूप में मनाया जाये।
2. जिन कार्यालयों/उद्यमों में जनरेटर का उपयोग किया जाता है, उनमें 25 से 50 प्रतिशत तक ईंधन का उपभोग घटाया जाये व अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग किये जाने हेतु प्राथमिकता दी जाये।
3. एलपीजी/पीएनजी की महत्ता एवं आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए एलपीजी/पीएनजी के उपभोग में यथासम्भव कमी की जाये।

4. जनपद मुख्यालय पर आहूत बैठकों में मुख्यालय पर स्थित कार्यालयों के अधिकारीगण / कर्मचारीगण भौतिक रुप से प्रतिभाग करेंगे तथा दूरस्थ स्थित एवं तहसीलों / विकास खण्डों में स्थित अधिकारीगण / कर्मचारीगण वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग करेंगे।
5. अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस व अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवसों में विभिन्न विभागों के समस्त विभागीय अधिकारीगण / कर्मचारीगण सामूहिक रुप से वाहनों का (कार पुलिंग) प्रयोग करेंगे।
6. अधिकारीगण / कर्मचारीगण द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण हेतु पृथक-पृथक वाहनों के उपयोग के स्थान पर सामूहिक रुप से वाहनों के उपयोग (कार पुलिंग) को प्राथमिकता दी जाये।
7. समस्त अधिकारीगण / कर्मचारीगण व सभी जनपदवासी अपने-अपने वाहनों की सर्विस समय से करायें ताकि ईंधन की अनावश्यक खपत में सुधार हो सके।
8. जनपद के समस्त प्राइवेट सैक्टर के कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों से कार्य कराये जाने हेतु यथासम्भव "वर्क फ्रॉम होम" का माध्यम अपनाया जाये।

एम डी जैन इंटर कॉलेज में एजुकेशन डे पर चला स्व-गणना कार्यक्रम।

समाज जागरण

सिरसागंज। जिलाधिकारी फिरोजाबाद संतोष कुमार शर्मा एवं अपर जिलाधिकारी फिरोजाबाद विशु राजा के निर्देशन में जिला विद्यालय निरीक्षक, फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एजुकेशन डे पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन एवं जिला प्रशिक्षक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में देश की जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण मकान सूचीकरण के स्व-गणना कार्यक्रम चलाया गया।

जिला प्रशिक्षक अश्वनी कुमार जैन ने सभी शिक्षक साथियों को स्व-गणना की प्रक्रिया के विषय में बताया कि सर्वप्रथम उत्तरदाता को https://se.census.gov.in पर जाकर पहले अपना राज्य को सेलेक्ट करके कैप्चा डालकर वेरीफाई करना है। उसके बाद मुखिया का नाम अंकित करने के बाद मोबाइल नंबर डालने के बाद ओटीपी से उसे वेरीफाई करना है। उसके बाद भाषा का चयन करने के उपरांत राज्य, जिला, नगर/ ग्राम डालने के बाद गूगल मैप पर अपने मकान की लोकेशन को चयनित करना है। उसके उपरांत 33 प्रश्नों के उत्तर भरने के साथ ही मोबाइल नंबर के उपरांत उसमें एडिट करने, ड्राफ्ट करने एवं सब्मिट करने के ऑप्शन में सब्मिट करने के साथ ही 11 अंको की एसई आई डी मोबाइल या लैपटॉप पर आ जाती है। जिसे उत्तरदाता प्रगणक के निवास पर आने पर प्रदान करेगा।

उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि 21 मई 2026 तक अपनी स्व-गणना करके राष्ट्रहित में अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें।

इस अवसर पर संदीप जैन, संजय कटारा, राजकुमार, संजीव जैन, ध्रुव कान्त झा, सुनील जैन, शैलेन्द्र जैन, संतराम, प्रशान्त जैन, नितिन जैन, सत्यपाल सिंह, अमित कुमार जैन, अंजय जैन, धीरज जैन, निर्भय जैन, राजीव जैन, योगेश श्रीवास्तव, हरिशंकर, शिव कुमार सिंह, परेश जैन, नितिन मिश्र, विष्णुमणि, राम गोपाल, विपुल जैन, मनोज शाक्य, राजेश सक्सेना, नितिन कुमार जैन, कुलदीप जैन, निशान्त जैन, अमित जैन, श्रीमती सुकीर्ति चतुर्वेदी, सरिता जैन, सारिका कुलश्रेष्ठ, साधना मोडवेल, स्वाति जैन, रंजना जैन, प्रीती जैन, ज्योति जैन, अंजली जैन, पारुल कुशवाह, साक्षी आदि समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

आईजीआरएस एवं हेल्पलाइन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

समाज जागरण

बहजोई।जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता में आईजीआरएस एवं हेल्पलाइन शिकायतों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा ने पचास प्रतिशत से अधिक असंतुष्ट फीडबैक वाले विभागों की स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संदर्भों का निस्तारण निर्धारित समय से तीन दिवस पूर्व सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री , ,उप मुख्यमंत्री एवं मंत्री स्तर से प्राप्त संदर्भों को गंभीरता से पढ़ते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी आख्या अपलोड करने से पूर्व अधिकारी स्वयं उसका परीक्षण करें तथा शिकायतकर्ता से वार्ता करने के उपरांत ही रिपोर्ट प्रेषित करें।

अपर जिलाधिकारी ने बैठक में अवगत कराया कि कुछ विभागों द्वारा पूर्ववत एवं असंतोषजनक आख्या पुनः प्रेषित की जा रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी संदर्भ लंबित न रखा जाए तथा जनसुनवाई से संबंधित संदर्भों की आख्या सात दिवस के भीतर उपलब्ध कराई जाए। निर्धारित समयावधि में आख्या प्रस्तुत न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी स्वयं आख्या लेकर जनसुनवाई में उपस्थित होंगे।।

बैठक में ब्लॉक एवं नगर पालिका स्तर पर प्राप्त संतोषजनक एवं असंतोषजनक फीडबैक की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने स्तर पर ब्लॉक स्तरीय संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित कर शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करें।

उन्होंने कहा कि शिकायतकताओं से शत-प्रतिशत संपर्क स्थापित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी अधिकारी डिफाल्टर श्रेणी में न आए। विभागीय स्तर पर टीम गठित कर शिकायतों के निस्तारण की मॉनिटरिंग करने तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत दुर्लभ पाण्डुलिपियों के डिजिटल संरक्षण एवं स्व-गणना अभियान के संबंध में भी चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

वर्चुअल बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द्र, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस पेंशनर्स के साथ संवाद एवं समीक्षा गोष्ठी आयोजित

समाज जागरण

बहजोई/संभल। पुलिस लाइन बहजोई सभागार में पुलिस पेंशनर्स के साथ संवाद एवं समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) द्वारा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं को सुनना, उनके सुझाव प्राप्त करना तथा उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करना रहा।

गोष्ठी के दौरान उपस्थित पुलिस पेंशनर्स ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अधिकारियों को अवगत कराया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने कहा कि पुलिस विभाग के पूर्व कर्मियों का अनुभव, अनुशासन और सेवाएं विभाग के लिए सदैव प्रेरणादायी रही हैं। उन्होंने सभी पेंशनर्स का कुशलक्षेम जाना तथा भविष्य में भी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान पुलिस पेंशनर्स एवं अधिकारियों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में संवाद स्थापित हुआ तथा कई महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा की गई।

गन्ने के साथ चिया की खेती से किसानों की बढ़ी आय, पानी की खपत घटी

जनता वैदिक कॉलेज में जलवायु परिवर्तन पर संवाद; डीएम अस्मिता लाल बोलीं: चिया को कम पानी, नीलगाय से भी सुरक्षित

समाज जागरण

बड़ौत। पश्चिमी यूपी के गन्ना बेल्ट में अब चिया सीड्स की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गुरुवार को जनता वैदिक कॉलेज में जलवायु परिवर्तन और कृषि पर हुए संवाद में डीएम अस्मिता लाल ने कहा कि किसानों को विशेषज्ञों से चिया की खेती का प्रशिक्षण दिलाया गया है। बागपत में किसान गन्ने के साथ इंटरक्रॉपिंग कर चिया उगा रहे हैं। चिया में पानी कम लगता है, ओलावृष्टि का असर नहीं होता और नीलगाय भी नुकसान नहीं पहुंचाती। मक्का की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। डीएम ने टिकाऊ खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। डॉ. नवनीत आनंद ने कहा कि अनियमित बारिश और भूजल संकट से निपटने को टिकाऊ समाधान जरूरी हैं। प्रो. जी पी सिंह ने सिंचाई दक्षता और फसल विविधीकरण पर जोर दिया। जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव ने खेत तालाब योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसडीएम भावना सिंह, श्योदान सिंह, प्रो. श्याम किशोर, डॉ. रश्मि निगम आदि मौजूद रहे।

जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत में 'सामाजिक एवं प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण' पर संगोष्ठी आयोजित

प्राचार्य प्रो. वीरेंद्र प्रताप सिंह बोलेः पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं; 'एक विद्यार्थी -दो बर्तन पानी' अभियान का संकल्प

समाज जागरण

बड़ौत। जनता वैदिक कॉलेज में स-ांस्कृतिक समिति के सौजन्य से गुरुवार को "सामाजिक एवं प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. वीरेंद्र प्रताप सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय संकट विश्व के लिए गंभीर चुनौती है। बढ़ता प्रदूषण, जल संकट और वनों की कटाई मानव जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाए। मुख्य वक्ता ज्योति तोमर ने कहा कि प्राकृतिक पर्यावरण जैव विविधता का संरक्षणकर्ता है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से सामाजिक संरचना भी प्रभावित होती है। उन्होंने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक के कम उपयोग और स्वच्छता अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना जरूरी है। संचालन कर रहीं संयोजिका डॉ. गीता रानी ने सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों को पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण भाग बताया। विद्यार्थियों ने कविताएं, भाषण और पोस्टर प्रस्तुत किए। सुषमा त्यागी ने माय भारत पोर्टल की जानकारी दी। इस अवसर पर 'एक विद्यार्थी झ दो बर्तन पानी' अभियान का संकल्प लिया गया, जिसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी घर के बाहर और छत पर एक-एक बर्तन पानी रखेगा। संगोष्ठी में डॉ. सरिता, डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. अमृत गुप्ता, डॉ. तारकेश्वर नाथ तिवारी ने विचार रखे। साक्षी, टिम्शी, ज्योति, शिवानी जयंत, तनु, स्नेहा, शिवानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

विश्व हिंदू महासंघ ने किया छपरौली ब्लॉक में नई टीम का गठन

समाज जागरण

बागपत। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश जनपद बागपत के कार्यकताओं द्वारा संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से छपरौली ब्लॉक में नई टीम का गठन किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह एवं उनकी टीम का माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें विधिवत पदभार सौंपा गया।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, तैयारियों एवं कार्ययोजना के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही संगठन की नीतियों एवं आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष कृष्णपाल शर्मा, जिला महामंत्री कुलदीप शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विपुल भारद्वाज, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कश्यप, जिला सह प्रभारी मनोज कश्यप, नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह, विक्रम गोस्वामी, हरबीर सिंह, हरपाल सिंह, विनोद, नरेश गोस्वामी, तपेश्वर शर्मा तथा अन्य कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने एवं अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का संकल्प लिया।

तीन दिवसीय संस्कार शिविर का समापन

समाज जागरण

शामली। भारत विकास परिषद मानव शाखा द्वारा महर्षि दयानंद बाल विद्या मंदिर स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय संस्कार शिविर का गुरूवार को समापन किया गया। शिविर में बच्चों को महापुरुषों के जीवन, संस्कार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं योग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। गत 12 से 14 मई तक चले इस संस्कार शिविर का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष अशोक कोरियर, स्कूल की संरक्षिका मीरा वर्मा एवं कार्यक्रम संयोजिका वीना अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर के दौरान बच्चों को महापुरुषों की जीवनी, देशभक्ति गीत, कविता, कहानी तथा योग की मूलभूत जानकारी दी गई। समापन अवसर पर बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने देशभक्ति गीत, कविताएं एवं प्रेरणादायक कहानियां प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा बच्चों को बिस्किट, टॉफी एवं कॉपियां भी वितरित की गईं। संस्था की ओर से स्कूल की संरक्षिका मीरा वर्मा, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शशि गोयल, अंजलि गर्ग, प्रदीप सिंघल, सुनील अरोड़ा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

तेज आंधी तूफान और बारिश ने बढ़ाई बागबानी किसानों की चिंता

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) बुधवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जिले में बागवानी करने वाले किसानों और ठेकेदारों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण आम, लीची और नासपाती के बागों में भारी नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर पेड़ों से कच्चे और तैयार फल टूटकर जमीन पर गिर गए, जिससे बाग मालिकों और व्यापारियों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं बागवानी करने वालों की मेहनत पर पानी फिर गया। तेज आंधी के चलते आम के पेड़ों से बड़ी संख्या में फल टूटकर गिर पड़े। व्यापारियों ईनाम, खालिद, सुलेमान, मुकेश का कहना है कि करीब 25 फीसदी तक आम की फसल प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में आपूर्ति और कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। लीची और नासपाती के बागों में भी नुकसान हुआ है। कई जगहों पर पेड़ों की टहनियां टूट गईं और फलों को क्षति पहुंची। बागों के ठेकेदारों का कहना है कि इस बार पहले ही मौसम की मार झेलनी पड़ रही थी और अब तेज आंधी ने स्थिति और खराब कर दी है। कुछ ठेकेदारों ने लाखों रुपये के नुकसान का दावा किया है। फल व्यापारियों मोबीन शाह, नौशाद, मुस्तकीम के अनुसार इस समय आम की फसल तैयार होने की स्थिति में थी और बाजार में इसकी मांग भी बढ़ रही थी। ऐसे में फसल टूटने से आर्थिक नुकसान के साथ-साथ व्यापार पर भी असर पड़ेगा। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में मौसम इसी प्रकार खराब रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है।

चौ. चरण सिंह इंटरनेशनल स्कूल की साक्षी तोमर ने 82% अंक लाकर किया स्कूल टॉप, सम्मान समारोह आयोजित

निदेशक डॉ. संजीव आर्य ने किया सम्मानित; बोलेः मेहनत और अनुशासन से मिली सफलता, अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा

समाज जागरण

बड़ौत। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल स्कूल, बड़ौत की कक्षा 12 की छात्रा साक्षी तोमर ने बोर्ड परीक्षा में 82% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर बुधवार को विद्यालय में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

साक्षी तोमर की सफलता से विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने छात्रा को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक डॉ. संजीव आर्य ने की, जबकि संचालन प्रिंसिपल मोनिका राठी जावला ने किया। इस दौरान मेधावी छात्रा को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने स-ाक्षी की मेहनत, अनुशासन एवं लगन की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। अपने संबोधन में निदेशक डॉ. संजीव आर्य ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। साक्षी ने यह साबित कर दिखाया है। प्रधानाचार्य मोनिका राठी जावला ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि साक्षी जैसी मेधावी छात्राएं विद्यालय का नाम रोशन करती है। इस अवसर पर अंकित रूहेला, सुभाषवीर सिंह, सागर कुमार, राहुल सिंह, अंशु तोमर, परणीता पंवार, मोनिका तोमर, रेखा शर्मा एवं यशमीन मिर्जा सहित विद्यालय परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं सभी अतिथियों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

नेत्र ज्योति प्रदान करना सर्वश्रेष्ठ कार्य: अरुण सिंह

रेड क्रॉस कोषाध्यक्ष ने अग्रवाल मंडी टटीरी के लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र का किया निरीक्षण; 40 वर्षों में 58 हजार मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। भारतीय रेड क्रॉस समिति उत्तर प्रदेश के कोषाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को अग्रवाल मंडी टटीरी में रेड क्रॉस समिति बागपत एवं लायंस क्लब के सहयोग से संचालित लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की सुविधाओं की सराहना की। अरुण कुमार सिंह ने कहा कि नेत्र ज्योति प्रदान करना सर्वश्रेष्ठ कार्य है। बागपत चैप्टर इस कार्य को तन-मन-धन से समर्पित होकर कर रहा है। जिला बागपत सचिव अभिमन्यु गुप्ता के नेतृत्व में सेवा कार्यों में लगातार वृद्धि हो रही है। अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि विगत 40 वर्षों में केंद्र द्वारा 58,000 मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन कराए जा चुके हैं। यह सेंटर महीने में 30 दिन आम जन को सेवा प्रदान करता है। सभापति पंकज गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष डॉ. मयंक गोयल ने जादुई आई सपोर्ट मशीन की जानकारी दी। बताया कि इस मशीन से 10 सेकंड में आंखों की संपूर्ण जांच हो जाती है। केंद्र द्वारा विद्यालयों में कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं की निशुल्क जांच कराई जाती है। इस अवसर पर अरुण कुमार सिंह का शाल पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दीपक गोयल, डॉ. अमित उपाध्याय, कुमारी सोनम, डॉ. रामलाल, मनोज मित्तल, विभोर जिंदल, अंकित जिंदल, आशुतोष मित्तल, डॉ. प्रदीप नैन उपस्थित रहे।

मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज में राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षा विधिवत शुरू

तीन पालियों में हो रही परीक्षा; प्राचार्य डॉ. राजीव गुप्ता बोलेः नकलविहीन परीक्षा के लिए सीसीटीवी और सचल दल तैनात

समाज जागरण

बागपत। मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेड़ा में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की जून सत्र की परीक्षा विधिवत प्रारंभ हो गई। कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि इस बार परीक्षा सुबह, दोपहर और शाम की तीन पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम दिन तीनों पालियों में एमए, एमएससी और बीएससी की परीक्षा हुई, जिसमें सभी परीक्षार्थी उपस्थित रहे। डॉ. गुप्ता ने कहा कि कुलपति प्रो. सत्यकाम व परीक्षा नियंत्रक प्रो. गिरीश कुमार द्विवेदी के निर्देशन में नकलविहीन परीक्षा कराने के संकल्प के तहत सभी कक्षों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही कॉलेज द्वारा आंतरिक सचल दल भी नियुक्त किया गया है ताकि परीक्षा पूरी तरह सुचिता से संपन्न हो।

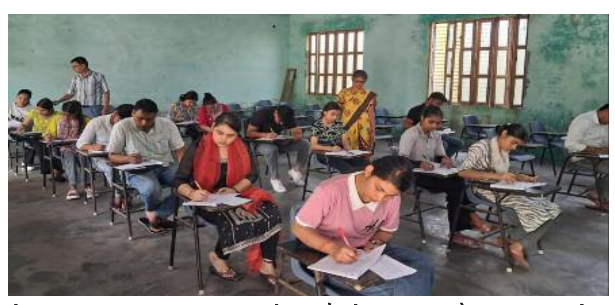

सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विधार्थियों गौरवपूर्ण अभिनन्दन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के रॉक गोल्ड एकेडमी में गुरूवार को कक्षा 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में रिजल्ट का गौरवपूर्ण अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समा-रोह में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने ढोल नगाडों पर जमकर नृत्य किया।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पारस जैन ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अनमोल ने 93.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, श्रद्धा ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं नमन मित्तल 92.6 प्रतिशत, केशव गोयल 92.4 प्रतिशत, अक्षत कुमार 92 प्रतिशत तथा हर्ष आर्य 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सुनील गोयल, वाइस चेयरमैन शिखर गोयल, डायरेक्टर प्रियंक गोयल एवं प्रधानाचार्या अलोना सिंगला ने सभी विद्यार्थियों और परिजनों को पगडी पहनाकर सम्मानित किया और उपहार भी भेट किए। इस दौरान स्कूल परिसर में ढोल नगाडों के साथ उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का स्वागत किया और छात्र-छात्राओं ने जमकर नृत्य किया।

विपरीत समानांतर क्वांटम अवस्थाओं से मापन के क्षेत्र में नए लाभ

वैज्ञानिकों ने एक आश्चर्यजनक क्वांटम रूप का पता लगाया है जो दशार्ता है कि कभी-कभी विपरीत अवस्थाओं में तैयार किए गए दो कण दो समान कणों की तुलना में अधिक जानकारी प्रकट कर सकते हैं।

इन निष्कर्षों से अज्ञात क्वांटम उपकरणों के लक्षण वर्णन में सुधार हो सकता है और क्वांटम क्रिप्टोग्राफी प्रोटोकॉल को लाभ मिल सकता है।

क्वांटम भौतिकी में, एक ही समय में सब कुछ जानना संभव नहीं है। इस मूलभूत सीमा को बोहर का पूरकता सिद्धांत कहा जाता है, जो यह बताती है कि क्वांटम प्रणाली के कुछ गुणों को एक साथ पूर्ण परिशुद्धता के साथ निर्धारित नहीं किया जा सकता है। इसके लिए प्रसिद्ध उदाहरणों में डबल-स्लिट प्रयोग में पथ सूचना और व्यतिकरण दृश्यता के बीच का संतुलन, साथ ही स्थिति और संवेग, या विभिन्न अक्षों के अनुदिश स्पिन घटकों जैसे गैर-परिवर्तनशील प्रेक्षणीयताओं का संयुक्त रूप से मापन असंभवता शामिल है।

लेकिन क्या होगा अगर सिस्टम को तैयार करने का हमारा तरीका इस सीमा को बदल सके? फिज. रेव. लेट. में प्रकाशित एक नए अध्ययन में एक आश्चर्यजनक उत्तर सामने आया है: कभी-कभी विपरीत स्वभाव वाले लोग समान स्वभाव वाले लोगों से बेहतर काम करते हैं।

यह शोध इस बात की पड़ताल करता है कि क्वांटम कणों के युग्म दिए जाने पर हम उनकी विभिन्न विशेषताओं–विशेष रूप से, एक क्यूबिट के स्पिन–को संयुक्त रूप से कितनी सटीकता से माप सकते हैं। इन युग्मों को दो अलग-अलग तरीकों से तैयार किया जा सकता है: या तो दोनों स्पिन एक ही दिशा में इंगित करते हैं (समानांतर), या एक दूसरे के सापेक्ष विपरीत दिशा में होता है (विपरीत समानांतर)।

सहज ज्ञान से यह लग सकता है कि एक जैसी प्रतियां अधिक उपयोगी होनी चाहिए। आखिर, एक ही स्थिति की दो प्रतियां होने से अधिक जानकारी मिलती है। लेकिन क्वांटम यांत्रिकी की कहानी कुछ और ही है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (ड-ीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान एस. एन. बोस राष्ट्रीय बुनियादी विज्ञान केंद्र, बालागढ़ विजॉय कृष्ण महाविद्यालय और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के शोधकर्ताओं के एक समूह ने दिखाया है कि विपरीत समानांतर स्पिन एक उल्लेखनीय लाभ प्रदान करते हैं। ये तीन परस्पर असंगत स्पिन घटकों की एक साथ सटीक भविष्यवाणी करने की अनुमति देते हैं–जो समानांतर स्पिन के साथ मौलिक रूप से असंभव है। यह परिणाम क्वांटम सिद्धांत के मूल को छूता है। शास्त्रीय भौतिकी (20वीं शताब्दी में विकसित भौतिक सिद्धांत) में कई गुणों को मापना केवल व्यावहारिक सीमाओं तक ही सीमित है। इसके विपरीत, क्वांटम प्रणालियां आंतरिक सीमाएं निर्धारित करती हैं–जिन्हें हाइजेनबर्ग के अनिश्चितता सिद्धांत और बोहर के पूरकता सिद्धांत ने बखूबी उजागर किया है। फिर भी यहां, अवस्थाओं को तैयार करने के तरीके को चतुराई से चुनकर, इनमें से कुछ सीमाओं को आश्चर्यजनक तरीके से दूर किया जा सकता है। यह शोध याकिर अहारोनोव और उनके सहयोगियों द्वारा प्रस्तुत 'मीन किंग्स प्रॉब्लम' नामक प्रसिद्ध क्वांटम पहेली से भी जुड़ा है। मूलभूत जानकारियों के अलावा, इसके व्यावहारिक निहितार्थ भी हैं। एंटीपैरेलल कॉनफि गरेशन द्वारा प्रदान की गई बेहतर अनुकूलता अज्ञात क्वांटम उपकरणों के कुशल लक्षण वर्णन का वादा करती है, जो विश्वसनीय क्वांटम प्रौद्योगिकियों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह क्वांटम क्रिप्टोग्राफिक प्रोटोकॉल को भी प्रभावित करता है, जहां सीमित क्वांटम संसाधनों से अधिकतम जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है।

डॉ. सोमेंद्र तोमर के स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनने पर डॉ. अनिल तोमर ने दी बधाई

लखनऊ में भेंट कर किया सम्मान; बोलेः पदोन्नति से बागपत समेत पश्चिमी यूपी के विकास को मिलेगी गति

समाज जागरण

बड़ौत। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. अनिल तोमर ने लखनऊ स्थित आवास पर डॉ. सोमेंद्र तोमर को राज्यमंत्री से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। डॉ. अनिल तोमर ने कहा कि डॉ. सोमेंद्र तोमर का छात्र राजनीति से लंबा जुड़ाव रहा है, वे एबीवीपी से जुड़े रहे हैं। उन्हें राजनीति का लंबा अनुभव है। सरकार में उनकी पदोन्नति से क्षेत्रवासियों को विकास योजनाओं का लाभ मिलेगा और बागपत सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी।

आवारा गोवंश से परेशान जिवाना गुलियान के किसानों ने तहसील में किया प्रदर्शन

एसडीएम भावना सिंह को सौंपा ज्ञापन; बिजवाड़ा गौशाला भेजने की मांग, समाधान न होने पर धरने की चेतावनी

समाज जागरण

बड़ौत। जिवाना गुलियान गांव के किसानों ने बृहस्पतिवार को तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया और एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने गांव से आवारा गोवंश को पकड़वाकर बिजवाड़ा गौशाला भेजने की मांग की। कहा कि कई बार अवगत कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। किसानों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान न हुआ तो तहसील परिसर में धरना दिया जाएगा। किसान नेता हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सुनील कुमार, संजीव कुमार, राजेंद्र सिंह, ओमपाल सिंह, अंकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

कोणार्क विद्यापीठ में टॉपर्स छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

समाज जागरण

बागपत। कोणार्क विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेकड़ा में एक समान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 12 के टॉपर्स छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

विद्यालय की मेधावी छात्रा मानवी ने विज्ञान वर्ग में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

वहीं, अर्जुन तोमर ने कॉमर्स वर्ग में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं दिव्या गर्ग ने कॉमर्स वर्ग में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान किया। विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र धामा, उपप्रबंधक अंकित धामा एवं प्रधानाचार्य अतुल कुमार गोस्वामी ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और सभी टॉपर्स को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान 15 टॉपर्स बच्चों को सम्मानित किया गया, जिनमें मानवी, अर्जुन तोमर, दिव्या गर्ग, प्रिया नैन वंश धामा वंश सूद प्रियांशी अंश धामा कुमकुम क्रिस्टी अपेक्षा स्तुति सेमवाल अभिनव चौधरी राजन अक्षय त्यागी सम्मिलित रहे। इस मौके पर नलिनी शर्मा शक्ति राजदान रमा तेवतिया शालु जैन विनी शर्मा सविता शर्मा मंजू गुप्ता रितु तेवतिया विपिन धामा अजीत सिंह बिशप शर्मा गुलशन चौहान पायल चौहान मेघा धामा नरेश कुमार अभिषेक शर्मा शालिनी शर्मा शशि त्रिपाठी राहुल कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे।

आंधी के चलते हाईवों पर टूटकर गिर पडे विधुत पोल एवं पेड़

समाज जागरण

शामली। देर रात आई तेज आंधी और बारिश के बाद सडकों और हाईवों पर विद्युत पोल, पेड टूटकर गिरने से यातायात प्रभावित रहा। कई स्थानों पर लोगों के छप्पर, टीन शेड उड गए। शहर के सहारनपुर-करनाल हाईवे पर दर्जनों पेड टूटकर गिरे। इसके अलावा कलक्ट्रेट मार्ग, मुजफ्फरनगर रोड, दिल्ली रोड, पानीपत रोड पर भी भारी मात्रा में पेड टूटकर गिरने से हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। किसानों के बडे बडे दरख्त टूटकर गिरने से काफी नुकसान भी पहुंचा है।

दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला में नन्हे विधार्थियों ने बनाए मॉडल

समाज जागरण

शामली। शहर के सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला में नन्हे विद्यार्थियों ने विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के विभिन्न मॉडल तैयार कर सीखने की नई विधियों को समझा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि छात्र जीवन में वैज्ञानिक आविष्कारों का विशेष महत्व है। प्रयोगात्मक तकनीकी शिक्षा विद्यार्थियों को व्यावहारिक वातावरण में अन्वेषण, प्रयोग और सीखने का अवसर प्रदान करती है। कार्यशाला में हरिद्वार की टेक्निकल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सात सदस्यीय टीम ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को तकनीकी शिक्षा दी। टीम में इंजीनियर मनीष, उमा, उर्वी, हिमांशी, ममता, विपिन, संयम तथा कृष्णा शामिल रहे। कक्षा नर्सरी के बच्चों को फोम पीस की सहायता से वैन का वर्किंग मॉडल बनवाया गया, जिसके माध्यम से उन्हें विभिन्न आकृतियों की पहचान कराई गई। वहीं एलकेजी के बच्चों को पेपर शीट, कटआउट एवं वेल्को की मदद से मानव इंद्रियों का कार्यशील मॉडल बनवाकर आंख, कान, नाक, जीभ और त्वचा की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लिया। प्रधानाचार्य उजमा जैदी ने बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष रूप से वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ढंग से विज्ञान सीखने और कौशल विकसित करने में सहायता मिलती है।

सांसद चंदन चौहान ने किया बाबू जवान सिंह की प्रतिमा का अनावरण

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

क्षेत्र के खन्दरावली कें बाबू जवान सिंह इंटर कॉलेज में गुरुवार को संस्था के संस्थापक स्वर्गीय बाबू जवान सिंह की प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसदचंदन चौहान ने प्रतिमा का अनावरण कर संस्थापक के शिक्षा क्षेत्र में योगदान को याद किया।समारोह का शुभारंभ विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वर्गीय बाबू जवान सिंह के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डालते हुए उन्हें क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बताया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कार्यक्रम में संस्था के प्रबंधक विजेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष नारायण सिंह, अध्यक्ष जगपाल सिंह, उपप्रबंधक राजकुमार, प्रधानाचार्य विकास कुमार सहित समस्त प्रबंध समिति सदस्य उपस्थित रहे।

महिलाओं पर फब्तियां कसना पड़ा भारी, मिशन शक्ति अभियान में मनचला गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक मनचले को गिरफ्तार किया है। आरोपी राह चलती महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करने और फब्तियां कसने की हरकतों में लिप्त था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन में जनपदभर में मिशन शक्ति अभियान अभियान चलाया जा रहा है।गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि कस्बे के बाईपास रोड नई बस्ती क्षेत्र में एक युवक सड़क से गुजरने वाली महिलाओं और युवतियों पर अभद्र इशारे कर रहा है तथा फब्तियां कसकर उन्हें परेशान कर रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आशु पुत्र इकबाल निवासी बाईपास रोड कांधला बताया। पुलिस आरोपी को थाने ले आई, जहां उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी का चालान कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कानून हाथ में लेने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विकासखंड निरीक्षण में बड़ी कार्रवाई, एडीओ कृषि रक्षा निलंबित

समाज जागरण

कांधला। विकासखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लापरवाही मिलने पर सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) कृष्णावतार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निरीक्षण के समय कृषि रक्षा इकाई के सामने पानी भरा मिला, जिससे अव्यवस्थाएं उजागर हुईं।बताया गया कि जिलाधिकारी द्वारा स्थिति के संबंध में पूछताछ किए जाने पर संबंधित अधिकारी ने अमर्यादित जवाब दिया, जिस परजिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम की कार्रवाई के बाद विकासखंड कार्यालय में कर्मचारियों के बीच हड़कंप मचा रहा।

अवैध संबंधों का विरोध पर पत्नी की हत्या का प्रयास

समाज जागरण

कैराना। एक विवाहिता ने पति के दूसरी महिला से अवैध संबंधों का विरोध करने पर बंधक बनाकर हत्या के प्रयास करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नगर के मोहल्ला आलदरम्यान इकरामपुरा निवासी शबाना ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उसकी शादी 16 नवंबर 2024 को मुशाहिद निवासी खालसा पट्टी, लौहार मस्जिद के निकट, सुजडू खालापार मुजफ्फरनगर के साथ हुई थी। आरोप है कि उसके पति के दूसरी महिला से संबंध हैं। उसे पति के संबंधों का पता चलने पर उसने ससुराल वालों को बताया, तो उन्होंने उसे चुप रहने की धमकी देते हुए कहा कि यदि बात बाहर गई तो उसका वहां रहना मुश्किल हो जाएगा। पीड़िता ने बताया कि 11 मई को उसने पति का मोबाइल देखा, जिसमें दूसरी महिला से संबंधों के सबूत मिले। विरोध करने पर पति आग बबूला हो गया और गाली गलौज करते हुए वहां से चला गया। आरोप है कि रात में ससुराल वालों ने उसे कमरे में बंद कर बंधक बना लिया तथा गला घोटकर जान से मारने का प्रयास किया। अगले दिन उसने फोन कर मायके वालों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट और अभद्रता की। मामले में पुलिस ने पति मुशाहिद, ससुर नासिर, सास आसमा, आरिफ, सद्दाम, आलिम, सबील, रेशमा और आसमा के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पति और देवर पर दर्ज कराया मामला

समाज जागरण

कैराना। कचहरी के बाहर विवाहिता के साथ मारपीट के मामले में पति व देवर के विरूद्ध मामला दर्ज कराया गया।

कांधला क्षेत्र के गांव भारसी निवासी प्रियंका ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि कैराना स्थित परिवार न्यायालय में उसका पति सन्नी निवासी गांव सिसाना जनपद बागपत के साथ भरण-पोषण का मुकदमा चल रहा है। आठ मई को वह अपनी माता कुसुम और पिता देवेंद्र के साथ कोर्ट में तारीख पर आई थी। आरोप है कि दोपहर करीब दो बजे जब वे वापस लौट रहे थे, तभी पति सन्नी और देवर सूरज ने कचहरी के बाहर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुकान में चोरी के मामले में मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। सरार्फा बाजार में दुकान में चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। नगर के सराफा बाजार स्थित मोहम्मद फरहान की कॉस्मेटिक की दुकान का शटर उखाड़कर चोरों ने मंगलवार–बुधवार की रात्रि में लगभग चार हजरा रुपये का सामान तथा घड़ी चोरी कर ली। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने दुकान का शटर उखड़ा देखा, तो घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। बताया गया कि चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें बाइक सवार एक युवक और एक महिला घटना को अंजाम देते दिखाई दिए। पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कार्तिक चौधरी ने जीता गोल्ड

समाज जागरण

शामली। अवेंजर्स फाइट क्लब के खिलाड़ी कार्तिक चौधरी ने मेरठ में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश स्टेट किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर शामली का नाम रोशन किया।

क्लब कोच शिवांक भार्गव ने बताया कि गत 11 से 13 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 400 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के लो किक इवेंट में कार्तिक चौधरी ने अपने भार वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कार्तिक की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर ऋषभ कांत शर्मा ने कार्तिक चौधरी को आगामी नेशनल किकबॉक्सिंग चौंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाई, 10 लीटर कच्ची शराब समेत तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी तस्कर का चालान कर दिया है। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देश पर जिलेभर में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी में लिप्त लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोकेन्द्र पुत्र ताराचंद निवासी ग्राम डुण्डूखेड़ा थाना कांधला के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ की, जिसके बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि आरोपी तस्कर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए चालान कर दिया है।

आंधी-बारिश सेतबाही, आम की फसल को भारी नुकसान; रातभर गुल रही बिजली

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दीं। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से आम की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि कई स्थानों पर विद्युत पोल और लाइनें क्षतिग्रस्त होने से नगर सहित आसपास के गांवों में पूरी रात बिजली आपूर्ति ठप रही। अंधेरे के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। थाना क्षेत्र में देर रात मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश ने देखते ही देखते तूफान का रूप ले लिया। कई स्थानों पर पेड़ गिर गए और बिजली के तार टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। नगर के मोहल्लों समेत ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी रात अंधेरा छाया रहा। गर्मी और उमस के बीच बिजली गुल रहने से लोगों की नींद हराम हो गई। वहीं मोबाइल चार्जिंग और पेयजल आपूर्ति जैसी समस्याओं से भी लोग जूझते रहे।आंधी और बारिश का सबसे ज्यादा असर आम उत्पादक किसानों पर पड़ा है। बागों में तैयार हो रही आम की फसल तेज हवाओं के कारण जमीन पर गिर गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है की पिछले करीब दस दिनों के भीतर कई बार आंधी और बारिश होने से फसलें लगातार प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि आम के बागों में बड़ी मात्रा में फल टूटकर गिर गए हैं, जिससे किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। गुरुवार को विद्युत विभाग की टीमों ने क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य शुरू किया। कर्मचारियों ने कई घंटे मशक्कत कर टूटे पोल और तारों को ठीक किया, जिसके बाद विद्युत आपूर्ति सुचारु हो सकी।और लोगों ने राहत की सांस ली।

मोहल्ले के बीचो-बीच गौकशी पर भडकें लोग रासुका की मांग

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के मोहल्ला खेल में कथित गौकशी की सूचना पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए थाना प्रभारी को एक शिकायती पत्र सौंपा। कस्बे कें मोहल्ला खेल निवासी खलील पुत्र जमील व उसके दो बेटों पर घर में गौकशी की घटना को अंजाम दे रहे थे। सूचना पर थाना प्रभारी सतीश कुमार पुलिस टीम लेकर मौके पर पहुंचें तो आरोपी भागने लगे। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के दौरान आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में खलील के पैर में गोली लग गई। आरोपी ने सिपाही सुमित कुमार पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे भी घायल कर दिया था। घायल आरोपी को गिरफ्तार कर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं उसके दोनों बेटे मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। घटना की सूचना फैलते ही कस्बे में चचाओं का दौर शुरू हो गया। मोहल्ले के बीचो-बीच आरोपी के द्वारा की जा रही गौकशी से लोग थाना परिसर पहुंचे और थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार को शिकायती पत्र सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना था कि ऐसी घटनाएं धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं और क्षेत्र का माहौल बिगाड़ती हैं। आरोपी पर रासुका की मांग की गई। स्थिति को देखते हुए कस्बे के मोहल्ला खेल में पुलिस बल तैनात किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की।और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

कार चालक ने बाइक सवार दो लोगों को मारी टक्कर, गंभीर हालत में रेफर

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग स्थित गांव आल्दी बस अड्डे के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो लोगों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। थाना क्षेत्र के गांव जिड़ना निवासी नसीम और शकील पानीपत में राजमिस्त्री का कार्य करते हैं। बताया गया कि दोनों काम खत्म करने के बाद बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह आल्दी बस अड्डे के निकट पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। और 108 एंबुलेंस को जानकारी दी सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।सरकारी चिकित्सक डॉ. जितेश पुरुषोत्तम ने बताया कि एक घायल के पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि दूसरे के हाथ में फ्रैक्चर है। बेहतर उपचार के लिए दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया है।

डीएम ने किया पालिका और विकासखंड का निरीक्षण, खामियां मिलने पर लगाई फटकार

- डीजल रजिस्टर में गड़बड़ी, बायोमेट्रिक और सिटीजन चार्टर गायब मिलने पर जताई नाराजगी

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे की नगरपालिका परिषद और विकासखंड कार्यालय में पहुंचे नवनियुक्त जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण से दोनों विभागों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान नगरपालिका की कार्यप्रणाली में कई खामियां सामने आईं, जिस पर डीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों फटकार लगाई। कई सभासदों ने पालिका प्रशासन पर विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप भी लगाया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सफाई व्यवस्था और पालिका वाहनों के डीजल रजिस्टर की जांच की। जांच में चौंकाने वाली स्थिति सामने आई, जहां अलग-अलग दूरी तय करने वाले वाहनों के लिए समान मात्रा में डीजल दशार्या गया था। रजिस्टर में लगातार अनियमितताएं मिलने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए सफाई लिपिक अमरेश कुमार और सफाई निरीक्षक शेषल मलिक को कड़ी चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी भी असहज नजर आए।डीएम ने निरीक्षण में यह भी पता चला कि लोक निर्माण समेत कई विभागों के अभिलेखों में पिछले एक वर्ष से कोई प्रविष्टि नहीं की गई थी। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अनुभाग के बाबू राजीव जैन भी पूछे गए सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर जिलाधिकारी ने अभिलेखों को व्यवस्थित रखने और कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए। कार्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली और सरकारी योजनाओं से संबंधित सिटीजन चार्टर बोर्ड नहीं मिलने पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि नागरिक सुविधाओं और सेवाओं की समय-सीमा दशार्ने वाला बड़ा बोर्ड तत्काल लगाया जाए, ताकि आमजन को पारदर्शी जानकारी मिल सके। कई सभासदों ने पालिका प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया। सभासदों का कहना था कि विकास कार्य केवल अध्यक्ष समर्थक वार्डों में कराए जा रहे हैं, जबकि अन्य वार्डों में सड़क, सफाई और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति बदहाल बनी हुई है। वार्ड नंबर सात के सभासद वकील अहमद ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड का खराब पड़ा फ्रिज महीनों से ठीक नहीं कराया गया और उसे अध्यक्ष कार्यालय में रखवा दिया गया।डीएम ने मानसून से पहले नालों की सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सफाई कार्यों का मजिस्ट्रेट स्तर पर क्रॉस वेरिफिकेशन कराया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से लोगों को राहत मिल सके।विकास कार्यों में भेदभाव की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन की अध्यक्षता में जल्द बैठक आयोजित कर सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य शुरू कराए जाएंगे। इसके बाद डीएम ने विकासखंड कार्यालय का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान विकासखंड कार्यालय में मिलने पर कर्मचारियों को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान दोनों स्थानों पर कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

ईदगाह के सौंदर्यीकरण के लिए बनाई कमेटी

— ईद—उल—अजहा की नमाज के दौरान वालंटियर भी रहेंगे तैनात

— खुले में मवेशियों की कुबार्नी न करने की भी अपील

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग)नगर में उलमाओं एवं गणमान्य लोगों की बैठक में प्राचीन ईदगाह के सौंदर्यीकरण, विस्तार और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक कमेटी का गठन किया गया। इसके अलावा ईल–उल–अजहा की नमाज के दौरान वालंटियर को तैनात रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही, खुले में कुबार्नी नहीं करने और अवशेष न फेंकने की अपील की गई।

गुरुवार को चौक बाजार स्थित सरायं वाली मस्जिद में तहरीक अइम्मा–ए–मसाजिद के बैनर तले उलमाओं एवं गणमान्य लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना ताहिर ने की। इस दौरान नगर की बढ़ती आबादी के अनुरूप ईदगाह के विस्तार, मरम्मत, चारदीवारी निर्माण, फर्श लगाने तथा अन्य आवश्यक कार्यों को जनसहयोग से कराने पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला व स्थानीय प्रशासन से संवाद स्थापित करने और ईद के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराने के लिए 10 सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाए। यह कमेटी भविष्य में प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगी। इसके अलावा ईद की नमाज के दौरान ईदगाह परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय वॉलंटियर्स की टीम गठित करने का भी निर्णय लिया गया। वॉलंटियर्स नमाजियों को उचित स्थान पर बैठाने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे। मौलाना ताहिर ने कहा कि पिछली बार ईद की नमाज के दौरान कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो गई थीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए कमेटी की ओर से गाइडलाइन जारी की जाएगी। नमाजियों से अपील की गई कि वे बड़ी सफ की बजाय छोटी सफ लेकर आएं तथा ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अन्य लोगों को असुविधा हो। वहीं, मौलाना ताहिर ने अन्य लोगों के साथ ईदगाह का दौरा भी किया। बैठक में मौलाना इमरान, पूर्व चेयरमैन राशिद अली, पूर्व चेयरमैन हाजी अनवर हसन के पुत्र अनम हसन, हाजी अफजाल, पूर्व सभासद मेहरबान अंसारी आदि मौजूद रहे।

आईएएस बनकर देशसेवा करना चाहती हैं सना

मोबाइल से दूरी से कैराना की बेटी सना ने भरी सफलता की उड़ान, जिले में तीसरा स्थान और कैराना में रही टॉपर

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग)कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। कैराना नगर के मोहल्ला खैलकलां निवासी गुलबहार की बेटी सना ने इसी बात को सच साबित कर दिखाया है। स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सना ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शामली जिले में तृतीय स्थान हासिल किया है। साथ ही, वह कैराना की टॉपर भी बनी हैं। छात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

गुरुवार को मोहल्ला खैलकलां स्थित गुलबहार के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। परिजनों, रिश्तेदारों और मोहल्लेवासियों ने सना का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया गया तथा उन्हें इनाम देकर सम्मानित भी किया गया। हर कोई सना की मेहनत और सफलता की सराहना करता नजर आया। सना ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन आठ से नौ घंटे तक नियमित पढ़ाई करती थीं। पढ़ाई के दौरान उन्होंने अनुशासन और समय प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा। सना का सपना भविष्य में आईएएस अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करना है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि यदि कठिन परिश्रम, लगन और निर्धारित लक्ष्य के साथ पढ़ाई की जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल फोन और सोशल मीडिया से दूरी बनाना बेहद जरूरी है, क्योंकि ये पढ़ाई से ध्यान भटकाते हैं। जितना अधिक विद्यार्थी इन चीजों में उलझेंगे, उतनी ही सफलता उनसे दूर होती जाएगी। बताया जाता है कि सना के पिता गुलबहार शादी-ब्याह समारोहों में खाना बनाने और कपड़े के कार्य से परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। मां आसमा ने भी बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि सना ने पूरे परिवार और कैराना का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से क्षेत्र की अन्य बेटियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

व्यापारियों ने व्यापारिक समस्याओं को लेकर खाद्य निरीक्षक को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश कुमार अग्रवाल के आह्वान पर गुरूवार को शामली में व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आ रही व्यापारिक कठिनाइयों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश संयुक्त महामंत्री गौरव रुहेला, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा नमन गोयल एवं नगर अध्यक्ष किशन गर्ग के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारी तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने खाद्य निरीक्षक केपी सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सैंपलिंग, जांच रिपोर्ट और कार्रवाई प्रक्रिया में आ रही परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने मांग की कि सैंपल भरते समय निमार्ता को भी फॉर्म 5-ए पंजीकृत डाक से भेजा जाए। नकली व डुप्लीकेट सामान के मामलों में बिल प्रस्तुत होने पर ही निमार्ता को पार्टी बनाया जाए। साथ ही नमूनों की जांच रिपोर्ट 14 दिन के भीतर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि जांच रिपोर्ट में देरी होने से खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी निकल जाती है, जिससे दोबारा जांच का औचित्य समाप्त हो जाता है। उन्होंने केंद्रीय प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने से पहले खाद्य पदार्थ जब्त या नष्ट न करने की मांग भी उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व न मिलने पर नमूनों को असुरक्षित घोषित करने के बजाय अधोमानक माना जाए। इसके अलावा व्यापारियों ने मामूली मामलों के निस्तारण के लिए शमन व्यवस्था लागू करने, पूर्णकालिक न्याय निर्धारण अधिकारी नियुक्त करने, सीलबंद पैकिंग पर छापेमारी बंद करने तथा प्राइवेट लैब की जांच के आधार पर निमार्ताओं के खिलाफ कार्रवाई समाप्त करने की मांग रखी। ज्ञापन में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के मानक तय करने और सर्वे सैंपलों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष युवा अंकित गुप्ता, गर्वित गर्ग, संजीव कुमार, सतीश संगल, जावेद अंसारी, युनुस मौजूद रहे।

सपा सांसद के द्वारा प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की दर्जनों महिला पदाधिकारियों ने गुरुवार को शामली कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर हमीरपुर से सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी का विरोध जताया। महिलाओं ने सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कार्रवाई की मांग उठाई।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री कविता चौहान के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ता कलक्ट्रेट पहुंचीं और धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सपा सांसद के खिलाफ रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेंगे, सपा सांसद माफी मांगो जैसे नारे लगाए। महिलाओं ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना बेहद निंदनीय है और ऐसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सपा सांसद द्वारा माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में मीनू संगल, बृजेश देवी, ममता जैन, डॉ नीरज सैनी, अनिता सैनी, कमलेश सैनी सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। गुरुवार को पुलिस ने बाईपास के निकट से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से एक कैन के अंदर पांच लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी इस्तकार निवासी गांव काकौर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

भाखड़ा नहर कि दिवार क्षतिग्रस्त हालत खस्ता

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) कालांवाली के क्षेत्र नजदीक लगते भाखड़ा नहर में हरी काई व झाड़ियों की भरमार है और सफाई न होने से पानी में कूड़े के ढ़ेर व गंदगी के अंबार लगे हुऐ है। भाखड़ा नहर कि दिवार भी कई जगह से क्षतिग्रस्त व हालत खस्ता हो चुकी है। इसी भाखड़ा नहर में धार्मिक सामग्रीयां प्रवाहित कि जाती है जिसे नहर का पानी दूषित हो है। आम आदमी पार्टी के जिला परिषद जसदेव सिंह नीका एवं गांव देसुमलकाना के ग्रामवासीयों ने भाखड़ा नहर कि खस्ता हालत पर चिंता जताते हुऐ कहा कि यहा समस्या आज की नही है यह काफी लम्बे समय से चली आ रही है। विभाग के अधिकारीयों ने इस और कोई ध्यान नही दिया है। समस्या अधिक होने पर केवल लिपा पोती कर खाना पूति एवं निम्नस्तर की सामाग्री लगा दि जा जाती है अधिकारीयों की नाक के नीचे यह सब खेल चलाता है सभी अपना खेल खेलते है और भ्रष्टाचार को कि भेंट चढ़ जाता है। कुछ दिनो के बाद फिर से वहीं स्थिति बन जाती है गांव वासीयों ने प्रशासन से मांग कि है कि इसे दुरूस्त किया जाऐ। इस मौके पर जिला परिषद जसदेव सिंह नीका एवं अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

आप ने पंजाब को लूटा कर्मचारियों को ठगा और लोकतंत्र की हत्या की : एडवोकेट सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

लुधियाना,14 मई : राष्ट्रीय वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल भूखड़ी कलां ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने झूठी गारंटियों प्रचार आधारित राजनीति वित्तीय कुप्रबंधन और पूरी प्रशासनिक विफलता के जरिए कर्मचारियों पेंशनरों युवाओं और पंजाब के लोगों को धोखा दिया है।ग्रेवाल ने कहा कि पंजाब के लगभग तीन लाख कर्मचारी और चार लाख पेंशनर आज भी अपने लंबित महंगाई भत्ते की किश्तों और बकाया राशि का इंतजार कर रहे हैं जबकि आम आदमी पार्टी सरकार राज्य के असली संकटों से लोगों का ध्यान भटकाने में लगी हुई है।

ग्रेवाल ने कहा कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को 30 जून तक लगभग 15,000 करोड़ रुपये की लंबित डीए राशि जारी करने के निर्देश दिए थे लेकिन भगवंत मान सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनरों को राहत देने की बजाय एक बार फिर अदालत का दरवाजा खटखटाया।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार का कर्मचारी विरोधी और पेंशनर विरोधी चेहरा अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है क्योंकि आजादी के बाद पहली बार कोई राज्य सरकार महंगाई भत्ता देने के प्रावधान को ही चुनौती दे रही है।

ग्रेवाल ने आरोप लगाया कि अदालत में पंजाब सरकार ने यह दलील दी कि वह डीए बढ़ाने के लिए बाध्य नहीं है जिससे उसकी घमंडी असंवेदनशील और मजदूर विरोधी मानसिकता उजागर हो गई है।ग्रेवाल ने कहा कि डीए कोई दान या राजनीतिक एहसान नहीं बल्कि उन कर्मचारियों और पेंशनरों का अधिकार है जिन्होंने दशकों तक ईमानदारी से पंजाब की सेवा की है। उन्होंने मांग की कि पंजाब सरकार बिना किसी बहाने देरी या कानूनी ड्रामे के सभी लंबित बकाया तुरंत जारी करे।उन्होंने आगे कहा कि जहां केंद्र सरकार के साथ-साथ हरियाणा चंडीगढ़ और राजस्थान में कर्मचारियों को लगभग 60 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है वहीं पंजाब सरकार के कर्मचारियों को अभी भी केवल लगभग 42 प्रतिशत डीए मिल रहा है जिससे आम आदमी पार्टी सरकार की वित्तीय बदहाली और गलत प्राथमिकताएं उजागर होती हैं।

ग्रेवाल ने कहा कि सत्ता में आने से पहले अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रोजगार नौकरियों और जनकल्याण को लेकर बड़े-बड़े वादे किए थे लेकिन आज बेरोजगार युवा संविदा कर्मचारी शिक्षक और सरकारी कर्मचारी अपने संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग करने पर सड़कों पर उतरने और पुलिस कार्रवाई झेलने के लिए मजबूर हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग अब आम आदमी पार्टी सरकार का असली चेहरा देख रहे हैं जो भावनात्मक नारों और फर्जी गारंटियों के दम पर सत्ता में आई लेकिन कानून व्यवस्था रोजगार नशा नियंत्रण प्रशासन और आर्थिक प्रबंधन जैसे हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।ग्रेवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता धमकियों डराने-धमकाने या राजनीतिक बदले की राजनीति से डरने वाले नहीं हैं और पंजाब के लोगों की सुरक्षा भारतीय जनता पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह आम आदमी पार्टी सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर चुकी है और विपक्षी दल के रूप में अपनी बची-खुची विश्वसनीयता भी खो चुकी है।उन्होंने कहा कि आज पंजाब को निडर निर्णायक और ईमानदार नेतृत्व की जरूरत है और केवल भारतीय जनता पार्टी के पास ही राज्य के लोगों के जीवन संपत्ति और भविष्य की रक्षा करने की दृष्टि साहस और क्षमता है।भाजपा के शासन का उल्लेख करते हुए ग्रेवाल ने कहा कि जिस तरह भाजपा सरकारों के दौरान देश के कई हिस्सों में नक्सलवाद का सफाया किया गया उसी तरह पंजाब से भी गैंगस्टरवाद संगठित अपराध और ड्रग माफिया को सख्त और निडर कार्रवाई के जरिए जड़ से खत्म किया जाएगा।आम आदमी पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए ग्रेवाल ने कहा कि जिन लोगों ने दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा वापस लेकर उसकी जानकारी सार्वजनिक की और इस तरह नैतिक रूप से उसकी हत्या के लिए जिम्मेदार बने वही लोग आज दिलजीत दोसांझ को निशाना बनाकर राष्ट्रवाद और देशभक्ति का पाठ पढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं को दूसरों को ज्ञान देने से पहले अपनी विफलताओं को ठीक करना चाहिए।ग्रेवाल ने आगे आरोप लगाया कि आगामी नगर निकाय चुनावों में हार के डर से पंजाब सरकार और राज्य चुनाव आयोग ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर के जरिए चुनाव करवाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि परिणामों में हेरफेर किया जा सके जैसा कथित तौर पर पंचायत चुनावों के दौरान देखने को मिला था।उन्होंने कहा कि पिछले नगर निकाय चुनाव सफलतापूर्वक ईवीएम के जरिए कराए गए थे और अब व्यवस्था बदलने का कोई औचित्य नहीं है सिवाय इसके कि सत्ताधारी पार्टी के भीतर राजनीतिक असुरक्षा और हार का डर है।ग्रेवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता से किसी भी प्रकार के समझौते का कड़ा विरोध करती है और इस मुद्दे पर राज्य चुनाव आयोग के समक्ष औपचारिक याचिका दायर करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब में आम आदमी पार्टी को लोकतंत्र को हाईजैक करने उसमें हेरफेर करने या उसे बर्बाद करने की कभी अनुमति नहीं देगी।

आंध्र प्रदेश में कई रक्षा एवं एयरोस्पेस परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

नई दिल्ली। राजनाथ सिंह और एन चंद्र बाबू नायडू 15 मई 2026 को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में आयोजित एक महत्वपूर्ण समारोह में कई एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम राज्य में रक्षा विनिर्माण और तकनीकी विकास को नई गति देने वाला माना जा रहा है।

समारोह में वैमानिकी विकास एजेंसी के विमान एकीकरण और उड़ान परीक्षण केंद्र की आधारशिला रखी जाएगी। यह अत्याधुनिक सुविधा उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के विकास, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन की प्रक्रिया को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अनाकापल्ली जिले के टी. सिरासपल्ली गांव में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की अत्याधुनिक नौसेना प्रणाली निर्माण इकाई का भी शिलान्यास करेंगे। यह सुविधा उन्नत जलमग्न हथियार प्रणालियों और नौसैनिक युद्ध प्रणालियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान अग्नेयास्त्रा एनर्जेटिक्स लिमिटेड की डिफेंस एनर्जेटिक्स फैसिलिटी, श्री सत्य साई जिले के मदाकासिरा में एचएफसीएल लिमिटेड के गोला-बारूद और इलेक्ट्रिक फ्यूज प्लांट तथा कुरनूल में ड्रोन सिटी परियोजना का भी शिलान्यास किया जाएगा।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। इन परियोजनाओं से राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा होने के साथ-साथ भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को भी मजबूती मिलेगी।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म, हरियाणा सरकार ने मानी 12 से ज्यादा मांगें

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) हरियाणा सरकार ने हड़ताल पर चल रहे सफाई और अग्निशमन कर्मचारियों की लगभग एक दर्जन मांगों को मान लिया है।

सफाई कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 15,220 रुपये निर्धारित,ईएसआई, पीएफ और बैंक के माध्यम से वेतन मिलेगा....मृत्यु सहायता 3 लाख से 5 लाख, आश्रितों को नौकरी'

हरियाणा में एक मई से हड़ताल पर चल रहे सफाई कर्मचारियों और एक महीने से अधिक समय से हड़ताल पर चल रहे अग्निशमन कर्मचारियों की करीब एक दर्जन मांगों को मानने के लिए प्रदेश सरकार सहमत हो गई है। शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता के साथ दो चरणों में छह घंटे चली वार्ता सिरे चढ़ने के बाद नगर पालिका और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी नेताओं ने वीरवार को रोहतक में प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है, जिसमें सरकार के साथ हुई बातचीत के बिंदु रखे जाएंगे। उसी समय यदि सहमति बनी तो हड़ताल को वापस लेने का निर्णय लिया।

हरियाणा सरकार ने भरोसा दिलाया है कि मांगों को 30 जून तक पूरा कर दिया जाएगा। बैठक में नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री और महासचिव मांगेराम तथा हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिनद व महासचिव गुलशन भारद्वाज सहित कई पदाधिकारियों ने अपना पक्ष रखा।

कितना होगा न्यूनतम वेतन

इस दौरान ठेके पर लगे सफाई कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 15 हजार 220 रुपये करने पर सहमति बनी, जो अभी तक सात से आठ हजार रुपये दिया जा रहा है। गड़बड़ी पर ठेकेदार का लाइसेंस रद कर दिया जाएगा। इन्हें राज्य कर्मचारी बीमा (ईएसआइ) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ भी मिलेगा कर्मचारियों को बैंक के माध्यम से वेतन दिया जाएगा। स्वीपिंग में लगे कर्मचारियों को तेल-साबुन भी दिया जाएगा। हाई कोर्ट में केस जीतने वाले फरीदाबाद के 111 कर्मचारियों के साथ ही 150 अन्य कर्मचारियों को पक्का करने पर सहमति बनने की सूचना आई है। कर्मचारियों की मौत पर दी जाने वाली सहायता राशि को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया जाएगा और आश्रित की 25 साल की आयु सीमा की शर्त हटेगी। युक्तीकरण के तहत चार-साढ़े चार हजार पद बनाए जाएंगे, जिससे 900 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

अग्निशमन विभाग के कर्मियों को सरकार देगी नौकरी

वहीं, फरीदाबाद में हादसे में मारे गए अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के आश्रितों को 50 -50 लाख रुपये के साथ ही एक-एक परिजन को सरकार नौकरी मिलेगी। पे-रोल पर लगे 1250 कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा और आयु सीमा व सीटेट की शर्त से छूट मिलेगी। वर्दी और जोखिम भत्ते में पांच-पांच हजार रुपये देने के लिए फाइल चला दी गई है।

ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी में छूट मिलेगी। भर्ती के लिए निकाले गए पदों को वापस लेकर पालिकाओं में रोल पर लगे कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। इसके लिए आयुसीमा में भी छूट दी जाएगी, जिससे 13 हजार कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

रेलवे ने अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को 402 करोड़ की मंजूरी दी: केंद्र रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह

* रवनीत सिंह ने अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

(पंजाब अमृतसर रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण)

अमृतसर, 14 मई :आज पंजाब और देश के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण है क्योंकि हम प्रतिष्ठित अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह स्टेशन केवल एक परिवहन केंद्र नहीं, बल्कि आस्था, देशभक्ति, संस्कृति और भारत की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है।अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की घोषणा करते हुए श्री रवनीत सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे ने एक विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन की परिकल्पना की है, जो इस पवित्र शहर की भव्यता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाएगा। लगभग 402 करोड़ की अनुमानित लागत से प्रस्तावित यह परियोजना अमृतसर रेलवे स्टेशन को आधुनिक, यात्री-अनुकूल और भविष्य के लिए तैयार परिवहन केंद्र में परिवर्तित करेगी। इसके अतिरिक्त, पांच अतिरिक्त प्लेटफार्मों के पुनर्निर्माण और विस्तार हेतु 100 करोड़ की मंजूरी भी दी गई है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद करते हुए रवनीत सिंह ने कहा कि यह पुनर्विकास योजना आधुनिक बुनियादी ढांचे को पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और अमृतसर की आध्यात्मिक गरिमा के साथ जोड़ने के उद्देश्य से तैयार की गई है।व्यापक मास्टर प्लान के तहत भविष्य की यात्री एवं परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बड़े स्तर पर यार्ड रीमॉडलिंग और विस्तार कार्य किए जाएंगे। स्टेशन पर पांच अतिरिक्त प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे – दो उत्तरी दिशा में और तीन दक्षिणी दिशा में। इसके साथ ही पांच अतिरिक्त यात्री लूप लाइनें भी बनाई जाएंगी, जिससे ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ेगी और भीड़भाड़ कम होगी। रवनीत सिंह ने आगे कहा कि आधुनिक रेल परिचालन को समर्थन देने के लिए अमृतसर में एक नया वंदे भारत मेंटेनेंस शेड भी विकसित किया जाएगा, जिससे पंजाब की रेलवे अवसंरचना और परिचालन दक्षता को और मजबूती मिलेगी।स्टेशन भवनों को आधुनिक वास्तुकला के प्रतीक के रूप में विकसित किया जाएगा। उत्तरी दिशा में सात वाणिज्यिक मंजिलों सहित अत्याधुनिक G+10 स्टेशन भवन प्रस्तावित है, जबकि दक्षिणी दिशा में विशाल G+3 स्टेशन भवन बनाया जाएगा। इन सुविधाओं से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और आधुनिक व्यावसायिक स्थान उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।यात्री सुविधा और सुगमता को पुनर्विकास योजना का

मुख्य केंद्र बनाया गया है। स्टेशन के उत्तर और दक्षिण हिस्सों को जोड़ने के लिए दो नए सबवे बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षित और सहज आवाजाही सुनिश्चित होगी। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और बच्चों की सुविधा के लिए आधुनिक लिफ्ट और एस्केलेटर भी लगाए जाएंगे।इसके अतिरिक्त बाहरी विकास कार्यों के तहत उन्नत पार्किंग सुविधाएं, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली तथा स्टेशन भवनों से सीधे जुड़े आधुनिक कवर ड्रॉप-ऑफ जोन विकसित किए जाएंगे।

आज श्री रवनीत सिंह ने अमृतसर रेलवे स्टेशन से 14664/14663 अमृत भारत एक्सप्रेस को अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन साप्ताहिक रूप से अमृतसर और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच संचालित होगी, जिससे संपर्क, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह सेवा लुधियाना, अंबाला, गोरखपुर, रक्सौल, सीतामढी, सिलीगुड़ी सहित कई महत्वपूर्ण शहरों और कस्बों को सीधे जोड़ेगी।इस प्रतिष्ठित ट्रेन सेवा की शुरूआत उत्तर भारत और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह ट्रेन पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच यात्रा करने वाले प्रवासी मजदूरों, छात्रों, व्यापारियों, पर्यटकों, श्रद्धालुओं और परिवारों को किफायती, आरामदायक और आधुनिक लंबी दूरी की यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।इस अवसर पर बोलते हुए रवनीत सिंह ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस आम यात्रियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई आधुनिक नॉन-एसी ट्रेन है, जो किफायती किराए पर प्रीमियम लंबी दूरी की यात्रा अनुभव प्रदान करती है। पुश-पुल तकनीक और आधुनिक LHB कोचों से सुसज्जित यह ट्रेन तेज गति, बेहतर सुरक्षा, सुगम यात्रा, CCTV निगरानी, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आधुनिक इंटीरियर, बेहतर शौचालय और यात्रियों के लिए उन्नत सुविधाएं प्रदान करेगी। पंजाब में चल रहे रेलवे विकास कार्यों पर टिप्पणी करते हुए रवनीत सिंह ने कहा कि आज पंजाब अभूतपूर्व रेलवे विकास का साक्षी बन रहा है। वर्ष 2026-27 में पंजाब के लिए रेलवे बजट आवंटन बढ़ाकर 5,673 करोड़ कर दिया गया है, जो 2009-14 की वार्षिक औसत राशि से लगभग 25 गुना अधिक है। राज्य में वर्तमान में 26,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पंजाब के 30 रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। लुधियाना, जालंधर, मोहाली, आनंदपुर साहिब तथा मुक्तसर सहित प्रमुख स्टेशनों का व्यापक आधुनिकीकरण किया जा रहा है। चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन का 462 करोड़ की लागत से पुनर्विकास रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा क्रियान्वित प्रमुख परियोजनाओं में से एक है।

हर हृदय के देव बाबा हरदेव सिंह जी को अर्पित श्रद्धा सुमन

मानव जीवन का हर क्षण इंसानियत और भक्ति में समर्पित हो:सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर (दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो)

जैतो, 14 मई : श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में संत निरंकारी मिशन द्वारा युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी की स्मृति में संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में भावपूर्ण संत समागम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं ने सतगुरु के पावन दर्शन एवं अमृतमयी प्रवचनों को श्रवण कर आत्मिक शांति, आनंद एवं दिव्य प्रेरणा का अनुभव प्राप्त किया।इस अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में फरमाया कि बाबा जी का सम्पूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा भक्ति का दिव्य उदाहरण रहा। उन्होंने प्रेरित किया कि मानव जीवन का प्रत्येक क्षण सार्थक बने और हर पल इंसानियत, करुणा एवं मानवीय मूल्यों का प्रमाण प्रस्तुत करे। बाबा जी ने सदैव यही शिक्षा दी कि प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर मानवीय गुण विकसित कर निराकार का आसरा लेते हुए सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीयें।सतगुरु माता जी ने फरमाया कि यदि किसी के जीवन में दुख, पीड़ा या संघर्ष है, तो हमारा कर्तव्य उसे बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदनशीलता और सहयोग से उसे शांत करना है। जीवन ऐसा हो जो रिश्तों में प्रेम एवं समर्पण की भावना को सुदृढ़ करे। यही बाबा जी की शिक्षाओं का सार और सच्ची मानवता का स्वरूप है।सतगुरु माता जी ने समझाया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त होने के पश्चात जीवन केवल व्यक्तिगत सीमाओं तक नहीं रहता, बल्कि समस्त मानवता की सेवा, कल्याण और उत्थान का माध्यम बन जाता है। सच्ची सेवा दिखावे से परे प्रेम, विनम्रता और निस्वार्थता से

परिपूर्ण होती है, जबकि वास्तविक भक्ति शब्दों से आगे बढ़कर व्यवहार, विचार और कर्मों में झलकती है।अमर संत अवनीत जी के समर्पित जीवन का उल्लेख करते हुए सतगुरु माता जी ने फरमाया कि सच्चा समर्पण वही है जिसमें सेवा का भाव केवल विचारों में नहीं, बल्कि व्यवहार और प्राथमिकताओं में स्पष्ट दिखाई दे। उन्होंने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ संगत, सेवा और भक्ति को सर्वोपरि रखकर यह प्रेरणा दी कि पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में रहते हुए भी पूर्ण निष्ठा से समर्पित जीवन जिया जा सकता है।अंत में सतगुरु माता जी ने आशीर्वाद दिया कि प्रत्येक जीवन सेवा, सुमिरण और सत्संग को अपनी प्राथमिकता बनाए तथा हर हृदय निराकार में समर्पित होकर प्रेम, शांति और मानवता बाँटने का सशक्त माध्यम बने।आयोजन के मध्य गीतकारों, कवियों और विचारकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हृदय की गहन अनुभूतियों को अभिव्यक्त किया। जहाँ हर शब्द, हर स्वर दिल की गहराईयों से होते हुए आत्मा को छू गया। किसी ने बाबा जी की दिव्य शिक्षाओं का प्रेरक संदेश सुनाया, तो किसी ने उनके सौम्य व्यक्तित्व, सेवा-समर्पण और मानवता के कल्याण हेतु किए गए कार्यों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वक्ताओं की रचनाओं व शब्दों में बाबा जी के हृदय स्पर्शी प्रेम का प्रतिबिम्ब परिलक्षित होता दिख रहा था।बाबा हरदेव सिंह जी की प्रेरणा आज भी श्रद्धालुओं के हृदय में जीवित है। वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज उनके संदेशों को आगे बढ़ाते हुए सेवा, समर्पण और सद्भाव का प्रकाश फैला रही हैं। उनके मार्गदर्शन से विश्व में।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज व निरंकारी राजपिता रमित जी महाराज व श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि डिजिटल पेंशन सुधारों ने पेंशन वितरण को पारदर्शी और सुगम बनाया

समाज जागरण

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि पिछले दशक में देश के पेंशन प्रशासन में उल्लेखनीय बदलाव आया है और अब यह प्रक्रिया-बद्ध प्रणाली से विकसित होकर प्रौद्योगिकी-सक्षम, जन-केंद्रित तंत्र बन गया है, जो पेंशनभोगियों की गरिमा, पारदर्शिता और जीवन सुगमता पर केंद्रित है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 16वीं अखिल भारतीय पेंशन अदालत को संबोधित करते हुए कहा कि पेंशनभोगियों को सरकारी सहायता लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में बहुमूल्य योगदानकर्ताओं के रूप में देखना चाहिए, जिनका अनुभव, विशेषज्ञता और संस्थागत स्मृति राष्ट्रीय धरोहर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने सरल, सहानुभूति भरा और दायित्वपूर्ण पेंशन प्रशासन सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयास किए हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन अदालत व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता है कि सभी हितधारक साझा मंच पर बैठकर प्रायः मौके पर ही विवाद का सामूहिक समाधान करते हैं, बजाय इसके कि बातचीत केवल नियमित फाइल हस्तांतरण और आधिकारिक पत्राचार तक सीमित रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रत्यक्ष भागीदारी से प्रशासनिक नजरिये में भी बदलाव आता है और शासन के प्रति अधिक व्यावहारिक और मानवीय दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 16वीं पेंशन अदालत में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों से संबंधित 985 लंबित पेंशन शिकायतों पर त्वरित निवारण हेतु सुनवाई हुई। कार्यक्रम के दौरान इस पहल की सफलता से संबंधी पर्चे जारी करने के साथ ही पेंशन अदालत के दिशा-निर्देश जारी किए गए और संयुक्त सचिव (पेंशन) ने डॉ. जितेंद्र सिंह के समक्ष महत्वपूर्ण पेंशन मामले प्रस्तुत किए।

पेंशन अदालत ने 37 मंत्रालयों और विभागों से संबंधित 985 मामलों पर गौर किया, जो 15 अप्रैल, 2026 तक 45 दिनों से अधिक समय से लंबित थे। कुल शिकायतों में से अब तक 728 मामले/लगभग 74 प्रतिशत का निपटारा हो चुका है।

कार्यवाही के दौरान डॉ. जितेंद्र सिंह के समक्ष 16 मंत्रालयों और विभागों से संबंधित कुल 26 महत्वपूर्ण मामले प्रस्तुत किए गए। इनमें रक्षा मंत्रालय के 12, गृह मंत्रालय के 8 और रेल मंत्रालय के 2 थे, जबकि शेष मामले अन्य मंत्रालयों और विभागों से संबंधित थे।

पेंशन अदालत में आठ पेंशनभोगी और पारिवारिक पेंशनभोगी व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित हुए, जिनमें महाराष्ट्र के अकोला और उत्तराखंड के हल्द्वानी से आए लाभार्थी शामिल हुए जबकि 18 अन्य पेंशनभोगी हिमाचल प्रदेश के मंडी और राजस्थान के बीकानेर से लेकर कोलकाता और तमिलनाडु के इरोड तक देश के विभिन्न हिस्सों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा शामिल हुए। यह इस पहल की देश में बढ़ती व्यापकता दर्शाता है।

पेंशन अदालत तंत्र द्वारा निवारण किए गए मामलों में एक में, 74 लाख रुपये से अधिक के पेंशन लाभ जारी किए गए, जबकि दो अन्य मामलों में, लाभार्थियों को लगभग 46 लाख रुपये के लाभ का भुगतान किया गया। पेंशन अदालत की कार्यवाही में पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी, मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधि, पेंशनभोगी संघ, बैंक और अन्य हितधारक शामिल हुए।

वर्ष 2014 से पेंशन सुधारों का उल्लेख करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एक समय ऐसा था जब पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग लोगों की ध्यान से काफी हद तक बाहर रहते हुए सीमित प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत संचालित होता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में निरंतर सुधारों, डिजिटल उपायों और नागरिक-केंद्रित निर्णय द्वारा यह सरकार के सबसे सक्रिय विभागों में से एक बन गया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और डिजिटल तकनीक द्वारा जीवन प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया सरल बनाने की सरकार की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान अब जन भागीदारी पहल में बदल गया है और इससे वृद्ध पेंशनभोगियों की कठिनाइयों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ से अधिक पेंशनभोगी पहले ही इस प्रणाली से लाभान्वित हुए हैं, जिससे पेंशन वितरण अधिक सुलभ, पारदर्शी और बाधा मुक्त हो गया है।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री ने हाल के वर्षों में किए गए कई सुधारों का भी उल्लेख किया, जिनमें पारिवारिक पेंशन नियमों का सरलीकरण, गुमशुदा व्यक्तियों से संबंधित पुराने प्रावधानों को हटाना, तलाकशुदा और अलग हुई बेटियों से संबंधित प्रक्रियाओं में ढील और दिव्यांग आश्रितों के लाभ संबंधी सुधार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सुधार व्यावहारिक वास्तविकताओं और पेंशनभोगियों और उनके परिवारों की कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

मिशन कर्मयोगी का उल्लेख करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि शासन को नियमों की यांत्रिक व्याख्या से आगे बढ़कर सार्वजनिक सेवा प्रदान करने के व्यापक उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासकों को समाधान-उन्मुख मानसिकता के साथ काम करना चाहिए ताकि लोगों को प्रक्रियात्मक जटिलताओं में उलझने के बजाय समय पर सार्थक परिणाम मिल सकें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन अदालतें जटिल और दीर्घ अवधि से लंबित शिकायतों के समाधान के लिए प्रभावी संस्थागत तंत्र बनकर उभरी हैं। 2017 में यह पहल आरंभ होने के बाद से अब तक कुल 15 पेंशन अदालतें आयोजित की गई हैं, जिनमें 27,812 मामलों पर सुनवाई हुई। इनमें से 19,948 शिकायतों का समाधान अदालतों में ही हो गया, जो 71.72 प्रतिशत से अधिक की सफलता दर दर्शाता है। शेष मामलों का समाधान बाद में अंतर-मंत्रालयी समन्वय और समीक्षा तंत्र द्वारा किया गया।

विशेष रिपोर्ट दूरसंचार विभाग और निजी कंपनियों के 'गठजोड़' से आम जनता त्रस्त; सीबीआई जांच की उठी मांग

समाज जागरण

अनूपपुर (जैतहरी)। आधुनिक भारत में जहां डिजिटल क्रांति के दावे किए जा रहे हैं, वहीं धरातल पर उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। अनूपपुर जिले के जैतहरी निवासी समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और संचार मंत्री को पत्र लिखकर भारतीय दूरसंचार विभाग और निजी मोबाइल कंपनियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी तंत्र को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है।

इरठछः राष्ट्र का गौरव या सरकारी उपेक्षा का शिकार?

जितेन्द्र सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि राष्ट्र की आजादी के 75 वर्षों बाद भी दूरसंचार विभाग ग्रामीण अंचलों में बेहतर सेवा देने में विफल रहा है। एक समय में देश की धड़कन माना जाने वाला इरठछ आज 'मृतप्राय' स्थिति में पहुंच गया है। पत्र में कड़े शब्दों में कहा गया है कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की लापरवाही और घटिया सेवा राष्ट्र के नाम पर एक 'कलंक' की तरह है। उपभोक्ताओं का मानना है कि यदि सरकारी नेटवर्क मजबूत होता, तो निजी कंपनियों को मनमानी टैरिफ बढ़ाने की छूट कभी नहीं मिलती।

28 दिन का गणितः उपभोक्ताओं की जेब पर सीधी डकैती

समाचार का सबसे ज्वलंत मुद्दा निजी कंपनियों द्वारा लागू किया गया '28 दिन का महीना' है। जितेन्द्र सिंह ने तर्क दिया है कि जब पूरी दुनिया में महीना 30 दिन का होता है, तो दूरसंचार कंपनियों के लिए यह 28 दिन का क्यों है? इस दो दिन की कटौती के माध्यम से कंपनियां साल भर में उपभोक्ताओं से एक अतिरिक्त महीने का शुल्क वसूल लेती हैं। उन्होंने इसे उपभोक्ताओं के साथ 'अंकगणितीय डकैती' करार दिया है और सरकार से मांग की है कि टैरिफ प्लान अनिवार्य रूप से 30 दिनों का किया जाए।

ईस्ट इंडिया कंपनी से तुलनाः 'इमोशनल ब्लैकमेलिंग' का आरोप

पत्र में 'जियो' जैसी बड़ी कंपनियों का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि शुरूआत में केवल आधार कार्ड पर मुफ्त सिम बांटकर उपभोक्ताओं को लुभाया गया। सस्ते डेटा का लालच देकर पहले आदत डाली गई और अब बेतहाशा टैरिफ बढ़ाकर आम आदमी को 'इमोशनल ब्लैकमेलिंग' का शिकार बनाया जा रहा है। इसकी तुलना ऐतिहासिक 'ईस्ट इंडिया कंपनी' से करते हुए कहा गया है कि ये कंपनियां भी उसी तरह व्यापार फैलाकर भोले-भाले उपभोक्ताओं को अपने मकड़जाल में फंसा रही हैं।

मंत्री की नियुक्ति से थी उम्मीद, पर हाथ लगी निराशा

जब श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संचार मंत्री का पदभार संभाला था, तब देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को उम्मीद थी कि दूरसंचार व्यवस्था में सुधार होगा और निजी कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगेगी। हालांकि, उपभोक्ताओं का कहना है कि उनकी मंशा धराशायी हो गई है। पत्र में सवाल उठाया गया है कि क्या निजी कंपनियां सरकार से भी अधिक शक्तिशाली हो गई हैं?

प्रमुख मांगें और भविष्य की चेतावनी

जितेन्द्र सिंह ने अपने पत्र के अंत में कुछ ठोस मांगें रखी हैंः

सीबीआई जांचः दूरसंचार विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत और घटिया कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय सीबीआई जांच हो।

टास्क फोर्स का गठनः निजी कंपनियों के टैरिफ पर नियंत्रण के लिए एक विशेष टास्क फोर्स बनाई जाए।

टैरिफ अवधि में सुधारः रिचार्ज पैक की वैधता को 28 दिन से बढ़ाकर 30 दिन किया जाए।

इरठछ का सुदृढ़ीकरण सरकारी नेटवर्क को पुनर्जीवित किया जाए ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे।

आज मोबाइल फोन किसी विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और हर वर्ग की मूलभूत आवश्यकता बन चुका है। ऐसे में दूरसंचार क्षेत्र में व्याप्त यह 'अराजकता' देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अब देखना यह है कि केंद्र सरकार इस गंभीर शिकायत पर क्या संज्ञान लेती है।

अलौकिक प्रेम और भगवद दर्शन की लीला है महारास -- हरबंस जी

समाज जागरण

गौरेला ।अलौकिक प्रेम और भगवददर्शन के लिए लिए बहु प्रसिद्ध कथा रूकमणी विवाह, महारास लीला, भगवान की दिव्य प्रेममयी लीला जो उनके भक्तों के प्रति समर्पण कर सर्मर्पित होने की कथा का रहस्यों घाटन करते हुए आचार्य हरवंश तिवारी जी ने गौरेला के निकट ग्राम गोरखपुर में चल रही श्री मद भागवत महापुराण के छठवें दिवस पर भक्तानुरागी प्रेमियों को बतलाया की भगवान बृज नंदन ने छह वर्ष की अवस्था में महारास की लीला कर बृज की गोपियों के साथ रास लीला किया था, गोपियों के रहस्य के बारे में बतलाया की जब भगवान मिथिला नगरी गयें थे तब जिन भक्तो ने भगवान राम के साथ एकाकार होने की मन में ठानी थी, उस समय राम मयार्दा पुरुषोत्तम की लीला कर रहे थे तब उन्होंने कृष्ण अवतार में सबके मनोकामना पूर्ण करने की बात कही थी,इसी तरह राम जी जब दण्डकारण्य में भगवान की महिमा का वर्णन कर रहे थे तब जिन भक्तों के मन में पति बनाकर उनके चरणों की सेवा का भाव जाग्रत हुआ,उन सभी संतों ने बृज में गोपी का अवतार लेकर भगवान की सेवा का अवसर प्राप्त किया था।गोपिया कोई साधारण नारिया नहीं थी,जो कि छाछ के बदले में भगवान को नाच नाचती है।, इस महारास की लीला अद्भुत और अव्दितीय है जहाँ पर भगवान शिव भी रास देखने के लिए उपस्थित हुये थे और इस रहस्य को जानकर भगवान कृष्ण ने गोपेश्वर महादेव की स्थापना कर दी थी। श्री कृष्ण की अधर धर मुरली की महिमा का रहस्योंद्धाटन करते हुए बतलाया की श्री मुरली धर की मुरली के रूप में देवी सरस्वती जी का काष्ठ स्वरूप में वृन्दावन में बांस बनकर कृष्ण की अधर धर बनी थी। तत्पश्चात अति सुंदर रमणीय गोपी विरह गीत के

माध्यम से भगवान की स्तुति की ।कंस उद्धार कथा का सरस,सगीत कहते श्री मुख से रूकमणी विवाह का रस की पान कराया। विर्दभ देश के राजा भीष्मक के लक्ष्मी स्वरुपा रूकमणी के रूप में जन्म लिया। रूकमणी ने मन ही मन अपने को भगवान के चरणों में समर्पित कर रखा था, किन्तु भाई रूक्मी ने अपने बहन के विवाह शिशुपाल से करने का निश्चय कर लिया था, तब रूकमणी ने बाम्हाण के हाथों से विवाह का प्रस्ताव श्री कृष्ण के पास भेजकर अपने समर्पण का संदेश दिया और बतलाया की मैं गौरी पूजन के लिए मंदिर आऊंगी, उसी समय आप मेरा वरण करिये । प्रेमावतार भक्त वत्सल श्री कृष्ण ने अपने भक्त के संकल्प को पूरा करने के लिए विदर्भ देश के राजा भीष्मक की राजकुमारी रूकमणी के वरण करने के प्रस्ताव पर सहमति देकर गौरी मंदिर पहुंच कर रूकमणी को अपने रथ पर बैठाकर चल दिये और इस बीच रूक्मी के साथ भारी युद्ध हुआ, रूक्मी को पराजित करते हुए उसके अभिमान का हनन करते हुए, देश भर के राजाओं जो शिशुपाल की बारात में अपनी विशाल सेनाओं के साथ पहुंचे थे,उन सबको सबक सिखाते हुए सबका मान मर्दन करते हुए रूकमणी को लेकर मथुरा पहुंचकर व्दारिकाधीश गुजरात के माधवपुर में गंधर्व विवाह कर रुकमणी का वरण किया है। रूकमणी जी साक्षात लक्ष्मी का अवतार मानी जाती है , जो भगवान के अलावा किसी और को समर्पित नहीं हो सकती। यह विवाह सांसारिक बंधन नहीं परमात्मा का आत्मा से मिलन के रूप में माना गया है तभी तो रूकमणी की यह विवाह उनके सच्चे प्रेम और अटूट विश्वास की जीत के रूप में देखी जाती है। कथा के साथ रूकमणी और व्दारिकाधीश की सचित्र झांकी की छवि प्रस्तुत कर आज भगवान की अलौकिक प्रेम और भक्ति रस का प्रवाह में सराबोर भगवद प्रेमियों ने कर्ण प्रिय प्रभु लीला का अमृत पान करते हुए सजल नयनों से प्रेम रस की वर्षा कर दी । इस अवसर पर क्षेत्र के भक्तानुरागियो ने श्रद्धा के साथ संतोष को प्राप्त करने के लिए अपार भगवद प्रेमियों ने कथा का रसपान करने पहुँच रही हैं। आगामी 16 में को गोरखपुर कथा स्थल में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

साइबर सेल और 3 थानों की संयुक्त टीम ने मंटोला के पास बिछाया जाल, तीन लग्जरी कारों से 4 क्विंटल गांजे की तस्करी का भंडाफोड़

समाज जागरण

शहडोल। शहडोल पुलिस अधीक्षक के सख्त तेवर और नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का ही यह नतीजा है कि जिले में माफियाओं की कमर लगातार टूट रही है। पुलिस अधीक्षक के सीधे नेतृत्व और निर्देशन में ब्यौहारी अनुभाग पुलिस को नशे के खिलाफ इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने का जिम्मा सौंपा गया था। पुलिस ने बताया कि जिले में सक्रिय नशा तस्करों को नेस्तनाबूद करने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह से अलर्ट मोड पर काम कर रहा है और इसी मुस्तैदी के चलते पुलिस के रडार पर ये शातिर तस्कर आ गए, जो तीन अलग-अलग लग्जरी वाहनों से गांजे की बड़ी खेप को पार लगाने की फिराक में थे।

साइबर सेल की सटीक सूचना और 3 थानों का चक्रव्यूह

पुलिस ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन को सफल बनाने और तस्करों की लोकेशन ट्रेस करने में साइबर सेल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। साइबर सेल से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तत्काल तीन अलग-अलग टीमें गठित की गईं। एक टीम का कुशल नेतृत्व थाना प्रभारी ब्यौहारी कर रहे थे, दूसरी टीम थाना देवलोंद के प्रभार में थी और तीसरी टीम का

नेतृत्व थाना जयसिंहनगर के प्रभारी कर रहे थे। इन तीनों टीमों ने एक साथ मिलकर बेहतरीन सामंजस्य दिखाते हुए ब्यौहारी-सीधी मार्ग पर मंटोला के पास जबरदस्त घेराबंदी कर दी, जिससे तस्करों के भागने के सभी रास्ते बंद हो गए।

मंटोला के पास घेराबंदी, लग्जरी कारों में मिला करोड़ों का नशा

योजना के अनुसार, मंटोला के पास मोर्चे पर पूरी तरह से मुस्तैद पुलिस ने जैसे ही साइबर सेल द्वारा बताई गई संदिग्ध कारों को अपनी तरफ आते देखा, जवानों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। तस्करों को पुलिस की इस अचानक कार्रवाई का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था। जब इन लग्जरी गाड़ियों की सघन और बारीकी से तलाशी ली गई, तो उनके अंदर भारी मात्रा में गांजा छिपा हुआ मिला। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग कारों से गांजे की बड़ी खेप बरामद की गई और तस्करी को अंजाम दे रहे आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा गया।

वाहनवार जब्ती का विवरण और तस्करों की गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि इस बड़ी कार्रवाई में गांजे का परिवहन कर रहे तीन अलग-अलग वाहनों से भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया है। बलेनो कार की तलाशी में 106 किलो गांजा बरामद हुआ और मौके से आरोपी शेखर शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह, एक्सएल 6 कार से 170 किलो गांजा मिला, जिसमें सवार आरोपी राज कुमार गुप्ता को पुलिस ने पकड़ा। वहीं, तीसरी लग्जरी गाड़ी एक्सयूवी 300 से 123 किलो गांजा जब्त हुआ और आरोपी राम प्रकाश पटेल को हिरासत में लिया गया। इस पूरे मामले में पुलिस ने कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ब्यौहारी थाने में मामला दर्ज, सिंडिकेट की विवेचना जारी

इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने कुल 4 क्विंटल (400 किलो) अवैध गांजे के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही तीन महंगी कारें और तस्करों के 7 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इन सभी जब्त सामग्रियों की कुल कीमत लगभग 75 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए थाना ब्यौहारी में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है। अब पुलिस इस मामले की गहराई से विवेचना कर रही है ताकि इस पूरे नशे के सिंडिकेट से जुड़े अन्य आकाओं को भी बेनकाब कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके।

वन क्षेत्र में धड़ल्ले से जारी रेत का अवैध कारोबार

- रेंजर, डिप्टी रेंजर व विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे सवाल
- प्रतिबंधित वन सीमाओं से रोजाना निकल रहे दर्जनों वाहन, जलस्तर व वन्यजीवों पर मंडरा रहा खतरा

समाज जागरण विजय तिवारी

सीधी। जिले के मझौली तहसील अंतर्गत सामान्य वन परिक्षेत्र, संजय टाइगर रिजर्व एवं सोन घड़ियाल अभ्यारण्य से लगी प्रतिबंधित वन सीमाओं में इन दिनों रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का कारोबार खुलेआम जारी है। लगातार हो रही रेत निकासी के बावजूद वन विभाग की निष्क्रियता पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रोजाना जंगल और नदी-नालों से बड़ी संख्या में वाहन रेत लेकर निकल रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार सामान्य वन परिक्षेत्र की सीमा से लगे चमराडोल, बोदारी टोला, परसिली, नौढ़िया, सेमारिहा, छुही, तिलवारी, पांड, पोड़ी एवं खमचौरा क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर रेत निकासी की जा रही है। वहीं सोन घड़ियाल अभ्यारण्य एवं संजय टाइगर रिजर्व की सीमाओं से भी अवैध उत्खनन का सिलसिला लगातार जारी है। बताया जा रहा है कि देर रात से लेकर सुबह तक ट्रैक्टर एवं अन्य भारी वाहन नदी-नालों से रेत भरकर निकलते देखे जा सकते हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री मिश्रा की पदस्थापना के बाद लोगों को उम्मीद थी कि वन क्षेत्र में चल रहे अवैध उत्खनन पर सख्ती से रोक लगेगी, लेकिन शुरूआती कुछ औपचारिक कार्रवाइयों के बाद स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि जब प्रतिदिन लगभग आधा सैकड़ा वाहन जंगल क्षेत्रों से रेत निकाल रहे हैं तो फिर विभाग की कार्रवाई केवल चुनिंदा मामलों तक ही सीमित क्यों है। जानकारों का मानना है कि नदी और नालों से लगातार हो रहे अंधाधुंध उत्खनन के कारण क्षेत्र का जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इससे वन्यजीवों के प्राकृतिक जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं और पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। गर्मी के मौसम में जल संकट और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने प्रशासन से मांग की है कि वन क्षेत्रों में हो रहे अवैध उत्खनन की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा रेत माफियाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संयुक्त अभियान चलाया जाए।

आंधी-तूफान व आकाशीय बिजली से हुई जनहानि पर डीएम ने जताई संवेदना, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

समाज जागरण

मीरजापुर। जिले में 13 मई की शाम आए भीषण आंधी-तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि एवं नुकसान के बाद जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभालते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर, विद्युत विभाग, जल निगम, लोक निर्माण विभाग तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में बाधित विद्युत एवं जलापूर्ति को तत्काल बहाल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए टूटे विद्युत पोल, तार तथा गिरे पेड़ों को हटाकर आमजन को राहत पहुंचाई जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों और मोहल्लों में गिरे पेड़ों को तत्काल हटाया जाए, ताकि यातायात एवं विद्युत आपूर्ति सुचारू हो सके। वहीं अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए गए कि टीमों की संख्या बढ़ाकर क्षतिग्रस्त तारों और पोलों की मरम्मत तेजी से कराई जाए।

जिन क्षेत्रों में बिजली बाधित होने से जलापूर्ति प्रभावित हुई है, वहां नगर पालिका द्वारा टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने आपदा से संबंधित सभी अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर सर्वे करने तथा प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराने को कहा।

इसके पूर्व जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने आंधी-तूफान एवं आकाशीय बिजली की घटनाओं में मृत कुल 18 लोगों के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उपस्थित चिकित्सकों को निर्देशित किया कि सभी शवों का पोस्टमार्टम तत्काल कराया जाए ताकि परिजनों को अनावश्यक परेशानी न हो।

इसके बाद जिलाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और वहां भर्ती घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि घायलों का समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट से लेकर विन्ध्याचल तक भ्रमण कर तूफान से हुए नुकसान का निरीक्षण भी किया तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल मरम्मत एवं राहत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

दो दिनों से अंधेरे में डूबे दो दर्जन गांव, बिजली-पानी संकट से ग्रामीणों में आक्रोश

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर / विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में तेज आंधी से मची तबाही से दो दिनों से बिजली नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी पीने की पानी की समस्या है।लेकिन राजगढ़ पावर हाउस के अधिकारियों को इसकी फिक्र नहीं है। जिससे ग्रामीणों को पीने की पानी की किल्लत हो रही है। 13 में को शाम को धूल भरी आंधी ने राजगढ़ क्षेत्र में भीषण तबाही मचाई। इस भीषण तबाही से 24 घंटे के लिए बत्ती गुल हो गई।अगले दिन 14 में को भवानीपुर फीडर पर सप्लाई न होने से गांव में छाया अंधेरा पानी की जिल्लत से पशुपालक को भी परेशानी हो रही है। चाहे तेज आंधी हो या हल्की आंधी हो या भवानीपुर फीडर हमेशा अंधेरे में ही रहता है। राजगढ़ पावर हाउस के जेई और लाइनमैन अगर सही तरीके से ग्रामीणों को जानकारी दे दे तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो जाए लेकिन राजगढ़ पावर हाउस बिजली व्यवस्था सुधारने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इस संबंध में जब राजगढ़ पावर हाउस के जेई दयाशंकर प्रजापति से बात हुई तो उन्होंने कहा कि भवानीपुर फिडर पर बिजली की खंबे टूट गए हैं जिससे बिजली व्यवस्था चालू नहीं हो पाई है। पानी के लिए ग्रामीण परेशान हो रहे हैं बिजली विभाग केवल बिजली वसूली करता है लेकिन जब बिजली चालू करने की बात आती है तो पल्ला झाड़ लेते हैं। दो दर्जन से ज्यादा गांव अंधेरे में दो दिनों से हैं लेकिन बिजली विभाग को इसकी फिक्र नहीं है। बिजली न होने से गांव में मच्छरों की भरमार और पीने की पानी की समस्या बच्चों को स्कूल जाने में देरी दो दिनों से बिजली न होने से समस्या बनी हुई है।

डीएम पवन कुमार गंगवार ने अधिकारियों को दिए ईंधन बचाने के निर्देश

- सरकारी वाहन की जगह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें अधिकारी
- फील्ड विजिट के लिए दूसरे विभागों से समन्वय बनाकर शेयरिंग कर वाहनों का करें प्रयोग

समाज जागरण

मीरजापुर/कई महीनों से मध्य पूर्व में जारी जंग से उपजे तेल संकट से निपटने के लिए पीएम मोदी के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक्शन में आ गए हैं। उन्होंने मंत्रियों को अपनी फ्लीट आधी करने व प्रशासनिक अधिकारियों को ईंधन की बचत के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने भी विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को ईंधन की बचत के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तेल संकट को देखते हुए सभी अधिकारी फील्ड विजिट के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। अत्यधिक जरूरी होने पर ही सरकारी वाहन का उपयोग करें। अधिकारी फील्ड विजिट के लिए दूसरे विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए एक दूसरे के साथ वाहन को शेयर करें। डीएम ने की आम जनता से सार्वजनिक वाहनों के उपयोग की अपील।तेल संकट को देखते हुए जिलाधिकारी ने आम जनता से भी सार्वजनिक वाहनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने कि अपील करते हुए कहा कि ईंधन के वैश्विक संकट को देखते हुए हम सभी लोगों को इसका सामना एकजुट होकर करना है। गैस व पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार हैं लेकिन जंग की अनिश्चितता को देखते हुए इसके इस्तेमाल में अब हमें सहूलियत बरतनी होगी।

कानपुर की चकरपुर सब्जी मंडी में भीषण आग से भारी नुक्सान

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। आज गुरुवार दोपहर यहां के सचेंडी स्थित चकरपुर सब्जी मंडी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की शुरूआत चबूतरा नंबर-6 स्थित एक आढ़त से हुई और देखते ही देखते उसने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

इस बीच आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 40 से अधिक दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। मौके पर मौजूद आढ़तियों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ती देख दुकानों को छोड़कर जान बचाकर भागना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पहले दो दमकल गाड़ियों को भेजा गया, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में आठ फायर टेंडर मौके पर लगाए गए। समाचार लिखे जाने तक दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्राई ने जारी किए डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग नियमों में संशोधन, अब निमार्णाधीन संपत्तियों की भी होगी रेटिंग

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने ह्यडिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग (संशोधन) विनियम, 2026ह्व जारी कर दिए हैं। ये संशोधित नियम 13 मई 2026 से प्रभावी हो गए हैं। नए प्रावधानों का उद्देश्य संपत्तियों में डिजिटल कनेक्टिविटी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, मजबूत और भविष्य के अनुरूप बनाना है।

ट्राई द्वारा 27 फरवरी 2026 को जारी परामर्श पत्र के आधार पर हितधारकों से प्राप्त सुझावों और कार्यान्वयन अनुभव के बाद इन संशोधनों को अंतिम रूप दिया गया। ट्राई को संपत्ति प्रबंधकों, डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसियों (डीसीआरए), सेवा प्रदाताओं तथा अन्य हितधारकों से कई व्यावहारिक सुझाव प्राप्त हुए थे।

रेटिंग सिस्टम में अब आधे स्टार की सुविधा

संशोधित नियमों के तहत अब रेटिंग प्रणाली में आधे स्टार की व्यवस्था भी जोड़ी गई है। पहले जहां पांच स्तर की रेटिंग व्यवस्था थी, अब इसे बढ़ाकर नौ स्तर का कर दिया गया है। इससे संपत्तियों के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी सुविधाओं की बेहतर तुलना संभव हो सकेगी और उपभोक्ताओं को अधिक स्पष्ट जानकारी मिलेगी।

निमार्णाधीन भवनों की भी होगी रेटिंग

नए नियमों के अनुसार अब निमार्णाधीन आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां भी डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग के लिए आवेदन कर सकेंगी। इसके लिए चरणबद्ध मूल्यांकन प्रणाली लागू की गई है।

डीसीआरए पहले भवन के डिजाइन और प्रस्तावित डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना का मूल्यांकन कर ह्यडिजाइन फॉरह्व प्रमाणपत्र जारी करेगा। इसके बाद निर्माण और इन-बिल्डिंग सॉल्यूशन (आईबीएस) पूरा होने पर ह्यइंस्टॉलेशन कम्प्लीटेड फॉरह्व प्रमाणपत्र दिया जाएगा। अंत में सेवाएं शुरू होने के बाद अंतिम रेटिंग जारी की जाएगी।

संपत्ति वर्गीकरण और ऑडिट व्यवस्था में बदलाव

ट्राई ने संपत्तियों के वर्गीकरण को भी अधिक स्पष्ट बनाया है ताकि मूल्यांकन मानदंड वास्तविक जरूरतों के अनुरूप लागू किए जा सकें। साथ ही मौजूदा भवनों के लिए वैकल्पिक डिजिटल कनेक्टिविटी ऑडिट की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके तहत भवन प्रबंधक औपचारिक रेटिंग के बिना भी अपनी डिजिटल कनेक्टिविटी व्यवस्था का आकलन करवा सकेंगे।

एसपी सोनभद्र व रायपुर एसओ 19 मई को हाईकोर्ट में तलब, पैतृक संपत्ति विवाद में पुलिस हस्तक्षेप पर कोर्ट ने मांगा जवाब

समाज जागरण

सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पैतृक संपत्ति विवाद के मामले में सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक तथा रायपुर थाना प्रभारी को 19 मई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता हरि प्रसाद यादव व उनके पुत्र सुखपाल यादव एवं सत्यपाल यादव की ओर से दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।
याचिका में आरोप लगाया गया था कि भाइयों के बीच चल रहे संपत्ति बंटवारे के विवाद में पुलिस ने अनुचित हस्तक्षेप किया और पक्षकारों को थाने लाकर कार्रवाई की। मामले को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने एसपी सोनभद्र को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया कि पुलिस ने इस प्रकार हस्तक्षेप क्यों किया।
अदालत ने यह भी कहा कि जिस समय पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात कही गई, उस दौरान थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखते हुए कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। कोर्ट ने एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेख दाखिल करने का आदेश दिया है।
सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकताओं को राहत देते हुए कहा कि अगली सुनवाई तक थाना रायपुर में दर्ज केस अपराध संख्या 58/2026 में उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। यह मुकदमा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 115(2), 121(1), 132 एवं 221 के तहत दर्ज है।

प्रधानमंत्री पर कथित टिप्पणी से नाराज भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, सपा नेता का फूंका पुतला

विजय कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के कचहरी चौराहे पर गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर समाजवादी पार्टी के नेता अजेंद्र सिंह लोधी के खिलाफ विरोध जताया। महिला कार्यकताओं ने सपा नेता का पुतला दहन करते हुए जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।
प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के सम्मान और विकास का प्रतीक हैं तथा उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा की लगातार चुनावी जीत से विपक्षी दलों में हताशा बढ़ गई है, जिसके चलते इस प्रकार की बयानबाजी की जा रही है।
भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि देशभर में महिलाएं प्रधानमंत्री के सम्मान में खड़ी हैं और इस तरह की टिप्पणी करने वालों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं का यह विरोध सिर्फ सोनभद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता विरोध दर्ज करा रही हैं।
प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सपा नेता अजेंद्र सिंह लोधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध के नाम पर व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणी लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ है। इस मौके पर भाजपा नगर मंत्री श्रीमती रीता गुप्ता समेत भाजपा महिला मोर्चा की कई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

अचानक मौसम ने लिया करवट, कई घर को बनाया निशाना

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरि

डाला/ सोनभद्र। हथवानी, डाला पीपर, बेलहत्थी,पनारी, कोटा ग्राम पंचायत के क्षेत्र में अचानक मौसम के करवट बदलते ही गरज तडक के साथ बारिश व तेज आंधी ने गांव में कच्चा मकान का पूरा छज्जा सीट मड़ई गौवशाला उखाड़कर फेंकै कही मकान में पानी भर गया तो कही छज्जा, छप्पर व एस्बेस्टस को तेज आंधी ने उड़ाकर फेंक दिया हल्का फुल्का बारिश से कच्चे के मकान में पानी भर गया जहां गृह स्वामी को बहुत ज्यादा नुक्सान का सामना करना पड़ा। जहां तेलगुडवा सलईबनवा, परास पानी गुरमुरा रानी ताली ट्रांसफर व जम्फर मारने के वजह से बिजली की सप्लाई भी बाधित रहा। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को शाम को कोटा, पनारी, बेलहत्थी समेत अन्य पहाड़ी ग्रामीण अंचलों में तेज गरज तरक के साथ अचानक मौसम करवट ले लिया, जिससे यहां तेज हवा चली और तेज गरज तरक के बारिश होने लगा। जिसके कारण इस दौरान क्षेत्र में कई जगहों पर छोटी-छोटी ग्रामीण को नुकसान का सामना करना पड़ा। जिसके साथ गुरमुरा निवासी संजय केशरी के मकान व दुकान के ऊपर आधी में लिफ्ट्स का पेड़ गिर गया जिससे सीट टूट कर बिखर गया व दुकान में रखा हुआ समान नष्ट हो गया। वहीं गुरमुरा निवासी राजकुमार टेंट वाले आंधी के समय अपने घर थे और अचानक तेज हवाओं के साथ आंधी आ गया और उसी दौरान दिवाल का ईटा टूट कर सिर पर चोट लग गई जहां तत्काल निजी किल्निक में ईलाज करवाया गया अब उसकी हालत ठीक बताई जा रही है। वहीं क्षेत्रीय लेखपाल ने बताया कि बिते शाम को तेज आंधी पानी से गांव में छोटी-छोटी में कई मकान घटना हुई है जिससे ग्रामीणों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है जहां सूचना के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिल्ली मारकुंडी की लीज भूमि पर बड़ा सवाल: संतोष अग्रहरी का लिखित दावा खुद ही खोल रहा फजीर्वाड़े की पोल

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरि

डाला/ सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी स्थित संतोष अग्रहरी की लीज भूमि को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार 13 सितंबर 1989 को संतोष अग्रहरी द्वारा लिखित रूप से दावा किया गया था कि उक्त भूमि पर उनका और उनके परिवार का 15 से 20 वर्षों से कब्जा है।यदि इस दावे को सही माना जाए तो वर्ष 1989 से 20 वर्ष पीछे जाने पर कब्जा लगभग 1969 से माना जाएगा। यानी आज तक इस कथित कब्जे की अवधि करीब 57 वर्ष बैठती है।
चौंकाने वाली बात यह है कि वर्तमान में संतोष अग्रहरी की अनुमानित आयु लगभग 54 वर्ष बताई जा रही है। इस हिसाब से यदि 57 वर्ष पूर्व कब्जा माना जाए तो उनका जन्म होने से करीब 3 वर्ष पहले ही भूमि पर उनका कब्जा साबित होता है, जो स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा करता है।
यह तथ्य साफ संकेत देता है कि भूमि संबंधी अभिलेखों एवं दावों में कहीं न कहीं गंभीर विसंगति अथवा फजीर्वाड़ा हुआ है। अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किस आधार पर यह दावा स्वीकार किया गया और किन अधिकारियों की संस्तुति पर लीज प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।
स्थानीय लोगों में इस मामले को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। लोगों की मांग है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि दस्तावेज फर्जी पाए जाएं तो जिम्मेदार व्यक्तियों एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
जनता पूछ रही है – जब व्यक्ति की उम्र ही 54 वर्ष है तो 57 वर्ष पुराना कब्जा आखिर किस आधार पर दर्ज हुआ ?

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न, सैम-मैम बच्चों और संस्थागत प्रसव पर विशेष जोर

समाज जागरण/ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के जनपद व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।
बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में होने वाली सभी डिलीवरी की प्रभावी ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि प्रसव सरकारी अस्पतालों में हो रहे हैं या निजी चिकित्सालयों में। सभी आशा और एएनएम कार्यकताओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की जानकारी संकलित कर उनसे नियमित संपर्क बनाए रखने तथा संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिक से अधिक संस्थागत प्रसव स्वास्थ्य केंद्रों पर कराए जाएं तथा इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्वास्थ्य केंद्रों और निजी अस्पतालों के अतिरिक्त घरों में होने वाली डिलीवरी की भी ट्रैकिंग की जाए और संबंधित एमवाईसी इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
बैठक में सैम और मैम श्रेणी के अत्यधिक कमजोर बच्चों के बेहतर उपचार पर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे बच्चों को एनआरसी सेंटर में भर्ती कराया जाए और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक वहीं रखा जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। इसके अलावा प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, लापरवाही बरतने वाले सफाई कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा चयनित एजेंसी को सूचित कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए।
जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष एएनसी पंजीकरण एवं प्रसव की समीक्षा आशा और एएनएम स्तर पर कर स्थिति में सुधार लाने को कहा। प्रत्येक माह होने वाली मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की ऑडिट कर लाइन लिस्ट और रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। डीपीओ आईसीडीएस को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह ब्लॉक स्तर पर सैम बच्चों की सूची संबंधित अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी से साझा कर बच्चों का उचित चिकित्सकीय प्रबंधन सुनिश्चित करें तथा सीएचओ के माध्यम से ई-कवच पोर्टल पर डेटा अपलोड कराया जाए। आरबीएसके टीम को नियमित रूप से आशा और आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज कुमार राय, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंधी-बारिश से हुई जनहानि पर प्रशासन संवेदनशील, मृतकों के परिजनों को मिली 4-4 लाख की सहायता राशि

समाज जागरण/ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद में बीते दिनों तेज आंधी और हल्की बारिश के दौरान हुई दुःखद घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को तत्काल राहत पहुंचाते हुए जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है। जिलाधिकारी चर्चित गौर के निर्देश पर राज्य आपदा मोचक निधि से मृतकों के परिजनों के खातों में 4-4 लाख रुपये की अहेतुक सहायता राशि भेजने की कार्यवाही युद्धस्तर पर पूरी कराई गई।
जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया था कि आंधी और बारिश से हुई जनहानि के मामलों में पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूर्ण कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके। निर्देश के क्रम में उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज ने दुर्घटना में मृत महेंद्र के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शासन की ओर से हर संभव सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।
वहीं उप जिलाधिकारी ओबरा ने मृतका कमलावती पत्नी रामनरेश चेरो निवासी ग्राम हर्रा के मामले में विशेष संवेदनशीलता दिखाते हुए पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कराई। मृतका के पति का बैंक खाता पहले से न होने पर तत्काल नया खाता खुलवाकर सहायता राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी कराई गई। आंधी और बारिश से मृत व्यक्तियों में महेंद्र पुत्र कल्लू (33 वर्ष) निवासी ग्राम खडुई तहसील रॉबर्ट्सगंज, रामविलास पुत्र रामजनम (55 वर्ष) निवासी ग्राम डोमरिया तहसील रॉबर्ट्सगंज तथा कमलावती पत्नी रामनरेश चेरो (40 वर्ष) निवासी ग्राम हर्रा तहसील ओबरा शामिल हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन द्वारा त्वरित गति से राहत सहायता उपलब्ध कराए जाने की आमजन सराहना कर रहे हैं। शासन की मंशा के अनुरूप पूरी कार्रवाई संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ संपन्न कराई गई।

कुदरत का कहर : धूल भरी आंधी तूफान ने मचाई भारी तबाही, झोपड़ी पर पेड़ गिरने से एक घायल, भैस की हुई मौत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सलखन न्याय पंचायत क्षेत्र समेत गुरमा, मारकुंडी, सलखन, बेलछ, रुदौली, केवटा, रजधन, पईका, बघनार, इत्यादि जगहों पर बुधवार की सायं आई तेज आंधी तूफान से जगह जगह पेड़ पौधे,बिजली पोल धराशायी हो गये ,वहीं गरीब निरीह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों के आशियाना समेत झोपड़पट्टी,टीन सीमेंट चादर समेत मकान भी धराशायी हो गये है।
इसी क्रम में मारकुंडी बैराज मोड़ के समीप झोपड़ी पर महुआ का पेड़ गिरने से सोती लाल चौहान 72 वर्ष पुत्र सुमेर गम्भीर रुप से घायल हो गये। वहीं सलखन पकरिहवां रमाकांत यादव की भैस पर पेड़ गिरने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई।सलखन मुख्य राज मार्ग स्थित मुर्गा फार्म हाउस ही उड़ गया। मारकुंडी राजस्व गांव अवई में गोविंद मौर्य के कच्चा मकान पर पेड़ गिरने पूरा घर गिर गया।
इसी क्रम गुरमा जिला जेल.फार्म नम्बर एक और दो में कई यूकेलिप्टस, बबुल, आम, महुआ, शीशम, सिरसा अन्य पेड़ धराशायी हो गया वहीं परमहंस सिंह घर का सीट ही उड़ गया है तथा वही जेपी एसोसिएट गुरमा कालोनी में विशाल पेड़ जड़ से आवासो के छत पर लटक गया है।मारकुंडी जिला जेल मुख्य मार्ग पर भी कई पेंड़ गिर कर आवागमन भी कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया था।

बारात से लौट रही बाइक अनियंत्रित होकर गिरा, दो घायल

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत डाला बाजार स्थित शीतला माता मंदिर के पास बारात से लौट रहे बाइक सवार का अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए जिससे बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए।मिली जानकारी मुताबिक गुरुवार की सुबह करीब 8:00 बजे डाला चौकी अंतर्गत डाला बाजार स्थित शीतला माता मंदिर के पास वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग पर चोपन की तरफ जा रहे बाइक पर एक युवक और एक किशोर सहित दो सवार सड़क पर अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए जिससे घायल हो गए। जिन्हें सड़क पर गिरा देख पीछे से आ रहे साथ के अन्य बारातियों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए डाला स्थित नजदीकी निजी चिकित्सालय लेकर चले गए । बाइक सवार घायल दीपक के नानाझराधे यादव निवासी गोलाबाद, नौगढ़, चंदौली ने बताया कि हम सभी नौगढ़ क्षेत्र के गोलाबाद से चोपन थाना अंतर्गत निंगा गांव में बीते शाम को बारात में शामिल होकर वैवाहिक कार्यक्रम में आए हुए थे आज गुरुवार की सुबह बारात विदाई के बाद सभी बाराती घर वापस जा रहे थे कि डाला बाजार स्थित शीतला माता मंदिर के पास बाराती बाइक सवार राम आशीष यादव (25) पुत्र छोटेलाल यादव निवासी गोलाबाद नौगढ़ को अचानक आंख में झपकी (नींद) लग गई जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई जिस पर सवार दीपक यादव (14) पुत्र स्व.राम प्रसाद निवासी कुनरू ,मीरजापुर दोनों सवार घायल हो गए।

कुदरत का रौद्र रूप: कुछ मिनट के तूफान ने सोनभद्र में उजाड़ दिए सपनों के घर

समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में 13 मई की शाम आई भीषण आंधी ने ऐसा तांडव मचाया कि लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। शाम करीब 6:30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली, आसमान धूल से भर गया और तेज हवाओं ने देखते ही देखते कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया।
ग्राम मरकरी के निवासी पत्रकार प्रमोद गुप्ता के घर में उस समय परिवार रोजमर्रा के कामों में व्यस्त था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि कुछ ही पलों में उनका आशियाना बिखर जाएगा। तेज हवा के दबाव से घर की टीन की छत उखड़कर दूर जा गिरी। घर के भीतर रखा सामान–फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोटरसाइकिल और घरेलू जरूरत की वस्तुएं–मलबे में दबकर बुरी तरह टूट गईं।
सबसे राहत की बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ, लेकिन आर्थिक नुकसान इतना बड़ा है कि उसकी भरपाई आसान नहीं। जिले के कई अन्य गांवों में भी कच्चे मकान टूटने, पेड़ गिरने और फसलों के नुकसान की खबरें सामने आई हैं।
यह आपदा एक बार फिर याद दिलाती है कि बदलता मौसम अब चेतावनी नहीं, हकीकत बन चुका है। यदि पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित निर्माण और ग्रामीण आपदा प्रबंधन पर गंभीरता नहीं दिखाई गई, तो ऐसे तूफान आने वाले समय में और गहरे जख्म दे सकते हैं।

भारत बंद में केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट्स फेडरेशन नहीं होगा शामिल, खुला रहेगा मेडिकल स्टोर

समाज जागरण/ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। दवा विक्रेताओं से जुड़े एक संगठन द्वारा आयोजित बंद तथा हड़ताल में केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट्स फेडरेशन, उत्तर प्रदेश शामिल नहीं है। केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट्स फेडरेशन के जिलाध्यक्ष अजय कुमार शुक्ला ने बताया है कि प्रदेश तथा केंद्र सरकार के अनुरोध पर तथा आम नागरिकों व जनता के हितार्थ, हमारी संस्था किसी भी बंद तथा हड़ताल में शामिल नहीं है। ऐसी सूचना प्राप्त हुई है कि तथाकथित ऑल इंडिया संस्था द्वारा दिनांक 20 मई को भारत बंद का आह्वान किया गया है। हम और हमारी सभी संबद्ध जिला इकाइयों तथा उसके सदस्य भारत बंद में शामिल नहीं है, और आम जनता के हित में अपने प्रतिष्ठान 20 मई को खुला रखने का निर्णय लिया है। भारत बंद में शामिल नहीं है। उन्होंने दवा विक्रेताओं से अपील किया है कि वे उक्त तिथि को अपनी दुकान खुली रखें। इस अवसर पर महामंत्री जयशंकर के अलावा अन्य लोग रहे।

उर्वरक वितरण मे पूरी नियमबद्धता और पारदर्शिता करें सुनिश्चित : देवेंद्र कुमार सिंह

इ्स सहायक आयुक्त ने की उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारियो की समीक्षा

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक देवेंद्र कुमार सिंह ने विकासभवन सोनभद्र में गुरुवार को सहकारी देयो की वसूली तथा उर्वरक वितरण की समीक्षा बैठक की। सहायक आयुक्त ने वसूली की स्थिति लक्ष्यानुरूप न होने पर नाराजगी व्यक्त की और 31 मई तक मांग की

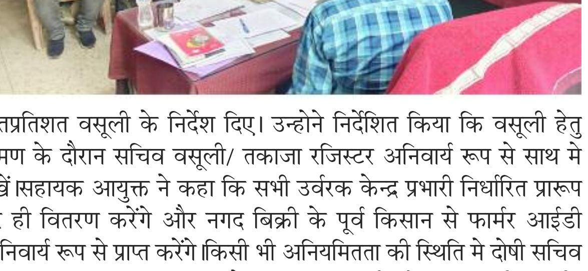

शतप्रतिशत वसूली के निर्देश दिए। उन्होने निर्देशित किया कि वसूली हेतु भ्रमण के दौरान सचिव वसूली/ तकाजा रजिस्टर अनिवार्य रूप से साथ मे रखें।सहायक आयुक्त ने कहा कि सभी उर्वरक केन्द्र प्रभारी निर्धारित प्रारूप पर ही वितरण करेंगे और नगद बिक्री के पूर्व किसान से फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे।किसी भी अनियमितता की स्थिति मे दोषी सचिव की हस्ताक्षर मान्यता समाप्त करते हुए विधिक कार्यवाई सुनिश्चित की जाएगी।
इस समीक्षा बैठक मे एडीसीओ अवधेश सिंह, अजय कुमार,डाक्टर सुरेश, सचिव धीरज त्रिपाठी, आजाद हिन्द, विकास, पूजा पटेल, अमरदेव, मनोज श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे।

बकरीद त्योहार को लेकर बीजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार की शाम बीजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने की।
बैठक के दौरान प्रभारी निरीक्षक ने उपस्थित लोगों से क्षेत्र में बकरीद पर्व की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का प्रतीक है तथा इसे शांतिपूर्ण माहौल में मनाने के लिए सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।
प्रभारी निरीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि त्योहार के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। असामाजिक तत्वों, माहौल खराब करने वालों और सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में मौजूद लोगों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया और कहा कि क्षेत्र में हमेशा की तरह इस बार भी बकरीद पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विश्राम सागर गुप्ता, खलील अहमद, मुख्तार आलम, बद्रीनाथ, संतवन सिंह, नसीम अख्तर, विनोद भारती, केपी पाल, अप्सरा मास्टर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

कोन क्षेत्र में शिक्षा मित्र के भरोसे चल रहा है प्राथमिक विद्यालय गिजिनियादार्म, अध्यापक गायब

लोगों ने किया कार्रवाई की मांग, संबंधित विभाग मौन

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

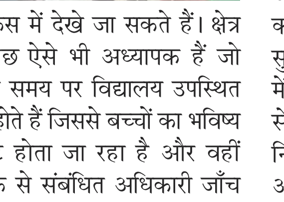

कोन/ सोनभद्र। शिक्षा क्षेत्र कोन के ग्राम पंचायत पीपरखाड़ अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय गिजिनियादाम के एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। बतातें चलें कि गुरुवार तड़के लगभग 8.16 बजे बच्चे खेलते नजर आये। जिसके क्रम में बच्चों से पूछने पर पता चला कि प्रभारी प्र. अध्यापक गायब होना बताया और महीने में कभी कभार ही विद्यालय आने की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो उक्त अध्यापक के उपर ब्लॉक के संबंधित अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। जहाँ एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री बच्चों के शिक्षा के लिए कटिबद्ध हैं और स्पष्ट निर्देश है कि कोई बच्चा अशिक्षित व भूखे न रहे किन्तु जमीनी हकीकत कोन में कुछ और बयाँ कर रही है। जानकारों का कहना है कि शिक्षक विद्यालय समय में इधर उधर अन्य ऑफिस में देखे जा सकते हैं। क्षेत्र में कुछ ऐसे भी अध्यापक हैं जो नियत समय पर विद्यालय उपस्थित नहीं होते हैं जिससे बच्चों का भविष्य चौपट होता जा रहा है और वहीं ब्लॉक से संबंधित अधिकारी जाँच या कार्रवाई के नाम पर चुप्पी साधे बैठे हैं और शिकायत को निराधार बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। जिसके क्रम में मौके पर उपस्थित पीपरखाड ग्राम प्रधान संजय पासवान ने भी प्रभारी अध्यापक के गैर हाजिर रहने की बातें स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग से अपील किया है कि सभी अध्यापक समय से विद्यालय उपस्थित हों ताकि गरीब आदिवासी बच्चों को शिक्षा मिल सके और शिक्षित होकर आगे चलकर देश या प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के शिक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जायेगा। विभाग ऐसे लापरवाह अध्यापक के उपर विभाग नकेल कसें जिससे नियमित पठन पाठन सुनिश्चित हो सके, अन्यथा की स्थिति में ऐसे लापरवाह अध्यापक को यहाँ से हटाकर अन्य अध्यापक की नियुक्ति की जाए। वहीं प्रभारी प्र. अध्यापक का पक्ष जानने का प्रयास किया गया किन्तु कॉल रीसीव नहीं हुआ। इस बावत खण्ड शिक्षा अधिकारी कोन विश्वजीत कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया किन्तु कॉल रीसीव नहीं हुआ। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र ने सेल फोन पर कहा कि प्रकरण की जाँचकर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि बच्चों को बुनियादी शिक्षा मिल पायेगा या सिर्फ कागजों पर सिमट कर रह जायेगा।

1 किलो 200 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। चोपन पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर की गई। गिरफ्तारी 13 मई 2026 को रात करीब 8:25 बजे चोपन रेलवे क्रॉसिंग के पास अर्धनिर्मित रेलवे अंडरपास, कस्बा चोपन क्षेत्र से हुई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान जगजीवन जायसवाल (उम्र करीब 52 वर्ष) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दरीमडोल, थाना मड़वास, जनपद सीधी, मध्य प्रदेश का निवासी है और वर्तमान में चोपन रेलवे स्टेशन के पीछे रहता है।

वी पी एस राजातालाब का सीबीएसई 12 वी का परीक्षा परिणाम सत प्रतिशत रहा

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जिले में स्थित वाराणसी पब्लिक स्कूल, बंगालीपुर, राजातालाब के कक्षा-12 के विद्यार्थियों ने शैक्षिक सत्र 2025-26 के बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरान्वित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम सत-प्रतिशत रहा तथा विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शानदार अंक प्राप्त किये।

विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष प्रदर्शन से विशेष उपलब्धि हासिल की। प्रथम स्थान अंकिता यादव 92.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान दिव्यांशा वर्मा 92 प्रतिशत, तृतीय स्थान दिव्यांका मिश्रा 88.6 प्रतिशत। इन विद्यार्थियों की सफलता उनकी कडी. मेंहनत अनुशासन एवं शिक्षिको के उचित मार्ग दर्शन का परिणाम है। इस अवसर पर विद्यालय के उपप्रबन्धक शशिकांत गुप्ता एवं प्रधानाचार्य दिलीप कुमार ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकानाएँ दी।प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम सकारात्मक सोच तथा शिक्षिकों के समर्पण का प्रतीक है। विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्ग दर्शन प्रदान करता रहेगा। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हे आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के लिए शुभकामानएँ दीं। उपरोक्त जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार के द्वारा प्रदान की गयी।

सीबीएसई 12वीं में एस.आर. प्लेटिनम इंग्लिश स्कूल, हरहुआ के टॉप-10 मेधावी को प्रबंध निदेशक द्वारा सम्मानित

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। सीबीएसई बोर्ड 2026 की कक्षा 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले एस.आर. प्लेटिनम इंग्लिश स्कूल, हरहुआ के मेधावी छात्र-छात्राओं को गुरुवार को विद्यालय प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया।

इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक ने टॉप-10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में मोहित कुमार ने 90% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सिविक्षा देव ने 87% अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा अंकित सिंह ने 85% अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रज्ञा सिंह ने 82% अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान हासिल किया।

इसके अतिरिक्त राज सिंह, श्रेया, निधि यादव एवं विंसी पटेल ने भी अच्छे अंकों के साथ सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक कौशलेन्द्र नारायण सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये मेधावी विद्यार्थी अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आर.पी. सिंह, कोऑर्डिनेटर देवेश नारायण राय, कक्षा अध्यापक मधु सिंह, श्याम सुंदर, भाविका राय, चंदन जायसवाल एवं अन्य शिक्षकगण तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

विधायक रोहनियां ने रामेश्वर धाम का किया अवलोकन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। हर तीन वर्ष पर एक मास तक चलने वाले पुरुषोत्तम मास (मलमास) मेले को लेकर रोहनिया विधायक डॉ0 सुनील पटेल ने रामेश्वर तीर्थधाम का अवलोकन किया।रामेश्वर मन्दिर के पीठाधीश्वर प0 अन्नू तिवारी पूर्व प्रधान रामेश्वर रामप्रसाद सचिव श्यामनारायण सहित स्थानीय जनों से वार्ता किया। धर्मशाला में गिरे नीम के पेड़ को हटाने ,धर्मशालाओं

में साफ सफाई ,शौचालय,पेयजल ,प्रकाश की व्यवस्था की जानकारी लेकर वरुणा नदी में व्याप्त गंदगी ,उठती दुर्गंध को नजदीक से देखा। ग्रामीणों ने ज्ञानपुर पम्प कैनाल से पानी भरवाने पर जब जोर दिया तो घाट से ही डीएम वाराणसी ,बीडीओ सेवापुरी से वार्ता की। और कहा कि 17 मई से 15 जून तक चलने वाले इस मेले में अभी तक व्यवस्था नही है कि जानकारी दी। और तत्काल ज्ञानपुर नहर से पानी भरवाने पर जोर देते हुए अवगत कराया कि यात्री पैदल चलकर पहले वरुणा में स्न्नान करते हैं तभी दर्शन करते हैं। अन्य विभागीय अधिकारियों को तत्काल गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी व्यवस्था करने की मांग की।खंड विकास अधिकारी सेवापुरी राजेश कुमार सिंह ने बताया पंचकोसी मार्ग और मंदिर परिसर के साफ सफाई हेतु सफाई कर्मचारियों की टीम १६ मई से लगाकर कर सफाई कार्य किया जाएगा।जिससे पंचकोसी यात्रियों की यात्रा सुगम बनी रहे।विधायक के साथ एस0ओ0 जनसा अनिल कुमार शर्मा ,चौकी प्रभारी रामेश्वर आदित्य सेन सिंह मय पुलिस बल के साथ पूर्व प्रधान के0 एल0 पथिक,पूर्व प्रधान रामप्रसाद , बीडीसी बरेमा प्रतिनिधि राहुल सिंह, सचिव श्यामनारायण ,त्रिभुवन मौर्य ,विनोद पटेल , श्यामबली , सत्यम मौर्य ,रामकेश वर्मा, बीडीसी विशाल गुप्ता सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत सिंहापुर गांव में बुधवार की देर रात एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंहापुर निवासी शेषनाथ उर्फ बीरू (27 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय जवाहर लाल ने अपने घर के दरवाजे के ऊपर खुले हिस्से में साड़ी के सहारे स्टूल लगाकर फांसी लगा ली। देर रात जब परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो घर में कोहराम मच गया। आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।बताया जा रहा है कि मृतक की शादी लगभग चार वर्ष पूर्व हुई थी। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक दो वर्ष का बेटा और एक माह की मासूम बेटी शामिल है। शेषनाथ मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

परिजनों के अनुसार लगभग एक माह पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसकी पत्नी कंचन (25 वर्ष) नाराज होकर अपने मायके लोहता थाना क्षेत्र के भिटारी गांव चली गई थी। तब से शेषनाथ अपनी मां सुदामा के साथ घर पर अकेले रह रहा था। माना जा रहा है कि पारिवारिक तनाव और मानसिक दबाव के चलते उसने यह कदम उठाया।वहीं दो मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना की सूचना मिलते ही हरहुआ चौकी प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी तथा उप निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किये। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने देर रात मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और जांच-पड़ताल किया गया। हरहुआ चौकी इंचार्ज विवेकानंद द्विवेदी द्वारा बताया गया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गड़वा गांव में लाखों की चोरी, शौचालय के सहारे छत पर चढ़े चोर, जेवर व नकदी लेकर फरार

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा गड़वा में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गड़वा गांव निवासी प्रदीप कुमार प्रजापति जल जीवन मिशन में गांव के ऑपरेटर के रूप में कार्यरत हैं। बुधवार की शाम आई आंधी और बारिश के चलते क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। उमस अधिक होने के कारण प्रदीप कुमार घर के बाहर चारपाई डालकर सो गए, जबकि उनकी पत्नी आरती देवी बच्चों के साथ छत पर सोने चली गईं। रात करीब 12 बजे बिजली आने के बाद आरती देवी बच्चों के साथ नीचे कमरे में आकर सो गईं।

बताया जा रहा है कि रात करीब 2 से 3 बजे के बीच चोर घर के बाहर बने शौचालय के सहारे छत पर चढ़ गए। इसके बाद सीढ़ी के रास्ते आंगन में उतरकर सीधे कमरे में पहुंचे और वहां रखी दो अटैची व एक लोहे का बक्सा उठाकर पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गए। घर के पीछे खेत में दो अटैचियों का ताला तोड़कर देखा गया, लेकिन उनमें कुछ खास सामान नहीं मिला। इसके बाद चोर करीब 200 मीटर दूर नहर किनारे बक्सा ले गए और उसे तोड़कर उसमें रखे 15 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गए।

चोरी गए सामान में सोने का मंगलसूत्र, मांगटीका, कान की बाली, नथिया तथा चांदी की करधनी, पायल, बच्चों के कड़े समेत अन्य आभूषण शामिल हैं। सुबह करीब 3 बजे आरती देवी की नजर पीछे का दरवाजा खुला होने पर पड़ी, जिसके बाद चोरी की जानकारी हुई।

सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। बाद में हरहुआ पुलिस चौकी की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित प्रदीप प्रजापति ने हरहुआ पुलिस चौकी पर लिखित तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हरहुआ उपकेंद्र अंतर्गत आंधी पानी से भारी क्षति ,पेट्रोलिंग टीम एसडीओ,जे ई के निर्देशन में किया ठीक,आपूर्ति बहाल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बुधवार को आए तेज आंधी पानी व आकाशीय बिजली के कारण विद्युत उपकेंद्र हरहुआ के अंतर्गत कई जगहों पर पोल टूटने की सूचना, पेड़ गिरने,ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गई थी। प्राप्त सूचना के आधार पर एसडीओ तिवारी व अवर अभियंता दीपू प्रजापति के निर्देशन में पांचो शिवाला जेडीएस स्कूल के पास 2 पोल, जमालपुर रामनारायण जेई के घर के पास 4 पोल, पूरीकला रहरा हरिजन बस्ती के पास 1 पोल, वार में 1 नग 25 '५' का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त मिला हरहुआ उपकेंद्र के पास 1 नग 25'५' ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ, चमांव में एक 10'५' का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ।

इन्दरखापुर में 1 पोल, भटौली में 1पोल, भगतपुर में 2 पोल, बेरवा में 2 पोल, रसूलपुर में 3 पोल की टूटने की सूचना प्राप्त हुई। पेट्रोलिंग टीम ततपरता दिखाते हुए कड़ी मेहनत कर 80 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में ठीक कर आपूर्ति बहाल कर दी गई। कल अन्य सामग्री ,उपकरण मिलते ही सभी प्रभाबित क्षेत्रो में आपूर्ति नियमित हो जाएगी।

काशी आगमन पर राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का भव्य स्वागत, हर-हर महादेव से गूंजा महादेव वाटिका

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी ।उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का शनिवार को काशी आगमन पर हरहुआ मंडल में जोरदार स्वागत किया गया।

जिलामहामंत्री एवं हरहुआ मंडल प्रभारी संजय सोनकर तथा मंडल अध्यक्ष आशुतोष मिश्रा के नेतृत्व में सातो महुआ स्थित महादेव वाटिका पर आयोजित स्वागत समारोह में सैकड़ों कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और गगनचुंबी नारों के साथ मंत्री का अभिनंदन किया।

मंत्री हंसराज विश्वकर्मा के महादेव वाटिका पहुँचते ही कार्यकताओं ने 'हंसराज विश्वकर्मा जिंदाबाद', 'भाजपा जिंदाबाद'और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान कर दिया। मंडल अध्यक्ष आशुतोष मिश्रा ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर मंत्री का स्वागत किया।

इस अवसर पर जिलामहामंत्री संजय सोनकर ने कहा, 'माननीय हंसराज जी बूथ स्तर से उठकर आज प्रदेश सरकार में मंत्री बने हैं। ये हम सब कार्यकताओं के लिए गौरव की बात है। इनके नेतृत्व में हरहुआ मंडल ही नहीं, पूरा जिला विकास की नई ऊंचाई छुएगा।'

स्वागत से अभिभूत राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा, 'मैं कार्यकर्ता था, कार्यकर्ता हूँ और कार्यकर्ता ही रहूँगा। यह सम्मान मेरा नहीं, हरहुआ के एक-एक देवतुल्य कार्यकर्ता का है। संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा काशी क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।'

कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री उपाध्यक्ष अरुणेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

राज्य मंत्री ने कहा

'गुंडाराज खत्म, भ्रष्टाचार पर वार झ यही भाजपा सरकार का संकल्प है। हरहुआ मंडल ने हमेशा संगठन को मजबूती दी है। आपका ये प्यार मेरी ऊर्जा है।

कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष रामप्रकाश दुबे, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह,मधुवन यादव, दीपक चौहान,भगत यादव, राजनारायण पटेल, शैलेन्द्र पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष धनंजय सरोज कैलाश राय कैलाश अकेला रामजी मौर्या जिला पंचायत सदस्य गौतम सिंह, अंजनी नंदन पाण्डेय,श्री गौरव सिंह जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह,जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, गौरव चौबे, पंकज तिवारी विजय वर्मा, प्रमोद पाण्डेय, सीताराम, सुरेंद्र पटेल मंडल महामंत्री अनिल पाण्डेय मनोज पटेल राहुल भारद्वाज प्रियांशु मिश्रा मुक्ति नारायण मौर्या, मंडल उपाध्यक्ष अपरबल सिंह अखिलेश पटेल, धर्मेन्द्र सिंह, उत्सव सिंह, विनोद पटेल, शिवबालक, श्यामसुंदर गुप्ता, रामचरित्र पटेल, जयप्रकाश सिंह प्रदीप सिंह, संजीव सिंह शुभम पटेल, ओमकार पटेल, अमलेश मौर्या,पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय राज यादव धनंजय भारद्वाज,सर्वजीत यादव महिला मोर्चा जिला मंत्री स्वाति मिश्रा, प्रिया सिंह, सुमन दुबे आशु सिंह धीरज मिश्रा, श्यामकार्तिक मिश्रा, अजय गुप्ता अकेला सहित सैंकड़ो कार्य कर्ता उपस्थित रहे।

अवादा फाउंडेशन ने उन्नत स्कूल सुविधाओं का किया अनावरण

अड़गुड़ प्राथमिक विद्यालय में नए वाटर स्टेशन और स्वच्छता सुविधाओं का उद्घाटन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अवादा फाउंडेशन ने गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय अड़गुड़ में एक भव्य उद्घाटन और वितरण समारोह आयोजित किया। उप-जिलाधिकारी, ओबरा विवेक कुमार सिंह और अवादा फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी श्री रवींद्र कुमार अग्रवाल ने एक उच्च क्षमता वाले वाटर स्टेशन और नवीनीकृत स्वच्छता सुविधाओं का लोकार्पण किया। छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए फाउंडेशन ने स्कूल को फर्नीचर, यूनिफॉर्म और बैग भी प्रदान किए।

इस अवसर पर उप-जिलाधिकारी, ओबरा ने कहा अवादा फाउंडेशन द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्य अत्यंत प्रेरणादायक हैं। दूरस्थ गाँवों में विकास की मूलभूत सुविधाएँ पहुँचाना और कुपोषण की रोकथाम के लिए इनके प्रयास एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह सामाजिक परिवर्तन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

अवादा फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती ऋतु पटवारी ने अपने संदेश में कहा, "हमारे 'विलेज अडॉप्शन प्रोग्राम' के माध्यम से ये चारों गाँव अब अवादा परिवार का हिस्सा हैं। हमारा आजीवन संकल्प इन जनजातीय समुदायों को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे ले जाना है। युवाओं और महिलाओं को कुशल बनाकर, हम न केवल रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं, बल्कि विकास का एक ऐसा ढांचा तैयार कर रहे हैं जिससे ये गाँव समृद्धि और आधुनिकता की नई ऊंचाइयों को छू सकें।"

समारोह में महेश माथुर, सोम प्रकाश बंसल, स्कूल के प्रधानाध्यापक और ग्राम प्रधान सहित स्थानीय अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

पिछले दो वर्षों से अवादा फाउंडेशन सोनभद्र के दूरदराज के आदिवासी गांवों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण सरकारी विद्यालयों का पुनरुद्धार, शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए अवादा के शिक्षक सरकारी स्कूलों में कक्षाएं ले रहे हैं। इसके साथ ही 50 टैबलेट, लाइब्रेरी की स्थापना, ट्यूशन क्लासेज, कंप्यूटर क्लासेज, आईटीआई प्रशिक्षण के लिए छात्रों को दो वर्षों के लिए स्कालरशिप, शिक्षकों की ट्रेनिंग और 100 छात्रों के लिए शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। चार गांवों में व्यापक स्तर पर सोलर स्ट्रीट लाइट, 150 साइकिलें, और बच्चों के लिए स्कूल किट, यूनिफार्म, स्वेटर, जूते, बैग उपलब्ध कराई गई हैं।

स्वास्थ्य और आजीविका के तहस महिलाओं को सिलाई और किचन गार्डन का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, नेत्र सर्जरी, 1,200 साड़ियाँ, मच्छरदानियाँ और स्वेटर वितरित किए गए। साथ ही, 80 ग्रामीणों के लिए सांस्कृतिक यात्रा का आयोजन किया गया।

आंधी से पेंड व सेट गिरने से अलग अलग गाँव में तीन चोटिल

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में बुधवार को देर शाम आंधी तूफान से पेड़ व सेट गिरने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने दो लोगों को ट्रामा सेंटर मिजार्पुर रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के बर्डहा कला गांव निवासी समय लाल की 19 वर्षीय पुत्री शिवानी घर के बाहर कुछ कार्य कर रही थी कि अचानक घर में लगा सीमेंट सेट वह पत्थर आंधी से उड़ कर उसके ऊपर जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई । इसी तरह से कोटार गांव निवासी 45 वर्षीय कतलू धरकार घर के बाहर पेड़ के नीचे बंधे मवेशियों को छोड़ रहे थे इसी दौरान शीशम का पेड़ गिरने से जख्मी हो गए। थाना क्षेत्र के हथिया बाध निवासी राजकुमार की 60 वर्षीय पत्नी ज्योधी के घर पर महुआ का पेड़ गिर गया जिससे घायल हो गई पेड़ इतना विशाल था कि बगल के रामसागर, रामकुमार, विंध्यवासिनी व उमाशंकर के घर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया संजोग ठीक था की अन्य घरों के परिजन बच गये। प्राथमिक उपचार के बाद डा रीना सिंह ने सिवानी व कतलू को ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया है।

बरगद के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने से सनसनी

समाज जागरण

मीरजापुर। चुनार कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चकगंभीरा चौकी के बल्लीपुर चुड़ीलवा पहाड़ी पर गुरुवार दोपहर बरगद के पेड़ से एक अज्ञात युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार करीब दो बजे पहाड़ी क्षेत्र में बकरी चरा रहे चरवाहों की नजर बरगद के पेड़ से लटक रहे युवक के शव पर पड़ी। यह देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। चरवाहों ने तत्काल घटना की सूचना चुनार पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही चकगंभीरा चौकी इंचार्ज हरिशंकर सिंह यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने आसपास के लोगों से करीब एक घंटे तक पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी।

एंटी करप्शन टीम ने वन विभाग के दारोगा को दस हजार रुपये रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

वन दरोगा को न्यायालय में हाजिर करने के बाद भेजा जेल

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के एंटी करप्शन टीम ने हलिया पुरानी वन रेंज आफिस वन दरोगा के आवास से बुधवार को दोपहर वन दरोगा चंदौली निवासी सूरज पांडेय को दस हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित दारोगा का हाथ धुलवाया गया तो रुपये में लगे केमिकल के चलते उनका हाथ पिंक हो गया। उन्हें गिरफ्तार कर हलिया थाने में ले जाया गया। जहां पर मुकदमा दर्ज कराने के बाद।गुरुवार को भ्रष्टाचार कोर्ट में हाजिर करने के बाद जेल भेज दिया है कौशांबी जिले के थाना सराय क्षेत्र स्थित बहुगरी गांव के रहने वाले राजेंद्र पटेल का दो हाइवा चलता है। मध्य प्रदेश से बालू लादकर चालक पथरहिया बाजार में बेचने को जाते हैं। जिसको बार-बार वन दारोगा सूरज पांडेय रोकते थे। विरोध करने पर कहते थे कि जब तक उनका महीना नहीं बाधोगे वह चलने नहीं देंगे। अप्रैल में हाइवा को अपने आफिस के सामने रोक लिया था। चालक ने इसकी जानकारी मालिक राजेंद्र पटेल को देते हुए वन दारोगा से बात कराई। पांच-पांच हजार रुपये लेकर हाइवा छोड़ने को कहा, लेकिन वह नहीं माने। एक का दस हजार रुपये मांग रहे थे। राजेंद्र पटेल ने बताया कि एक बार 20 हजार रुपये ले चुके थे। 14 मई को फिर रुपये देने को कहा था। इसकी शिकायत मीरजापुर एंटी करप्शन टीम से किया। इस पर एंटी करप्शन टीम के अशोक कुमार, अनिल कुमार सिंह हलिया पहुंचे और जैसे ही दारोगा हलिया वन रेंज के आफिस अपने आवास में राजेंद्र पटेल से रिश्वत के दस हजार रुपये लिए टीम ने गिरफ्तार कर लिया। वन दरोगा को एंटी करप्सन टीम थाने पर लाकर पूछताछ करने के बाद मुकदमा दर्ज कराने के बाद वन दरोगा को जेल भेज दिया है

राजगढ़ क्षेत्र की सड़कें बदहाल, ग्रामीणों ने घटिया निर्माण का लगाया आरोप

समाज जागरण रविंद्र सिंह

मीरजापुर/ विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के सड़कों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब हो चुकी है सड़क बनाने में ठेकेदार लापरवाही करते हैं और वहीं सड़क जल्द से जल्द खराब हो जाती है जांच के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। सड़कों की भेंट चल रही भ्रष्टाचार के खेल से ग्राम वासियों व्यापारियों स्कूली बच्चों बुजुर्गों सभी को भुगतना पड़ रहा है। गांव के ग्रामीण भी सड़क निर्माण में खुश नहीं है ठेकेदार की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है।गिट्टी डालकर पानी का छिड़काव नहीं किया गया है।साथ ही सड़क निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। आज ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को बंद कर दिया ग्रामीण संत कुमार सिंह प्रेमपाल प्रदीप कुमार सिंह अनिल कुमार सुजीत कुमार विवेक पाल अनिल कुमार गणेश पाल अशोक कुमार सिंह ने कहां की सड़क निर्माण में लापरवाही बढ़ती जा रही है घटिया क्वालिटी का सड़क बनाया जा रहा है। तारकोल के स्थान पर केमिकल डालकर सड़क बनाया जा रहा है। जिससे बनते ही सड़क उखड़ने लगी। जिले के आला अधिकारियों के द्वारा जांच न करने पर ठेकेदार का मनोबल बढ़ा हुआ है मनमानी तरीके से सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे सड़क बनते ही कुछ महीनो बाद उखाड़ने लगती है और इसका काम या जाए ग्रामीण व्यापारियों बुजुर्गों स्कूली बच्चों किसने सभी वर्गों पर पड़ता है।एक साल हुए सड़क नहर की पटरी पर बनी बिडम्बना है कि धनसीरिया से सेमराबरहो नहर की पट्टी पर पक्की सड़कों में घास ऊग गया। जगह-जगह सड़के गाढ्ढा में तकदीर हो गई। सतौहा से नौडिहवा जाने वाली सड़क 2 साल के अंदर ही उखाड़ कर सड़क किनारे चली गई बीच-बीच में सीमेंटेड सड़क बनाया गया वह भी क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन अभी तक ठेकेदार के द्वारा दुरुस्त नहीं कराया गया जिससे आए दिन दुर्घटना हो रही है। 13 वर्षों मिजार्पुर सोनभद्र मार्ग से सटा हुआ बिशनपुर से जाने वाली सड़क सीताबहार जाने वाली सड़क गड्ढा में तब्दील हो चुका है। अब सड़क कहे या गाढ्ढा कहे ग्रामीण इसी रास्ते से जाने को मजबूर। नदिहार कुड़ी संपर्क मार्ग 3 साल से क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है सड़कों की गिट्टीया खेतों में चली गई। अभी तक सड़क निर्माण नहीं हुआ स्कूली बच्चों के अलावा व्यापारी जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलने को मजबूर। यही हाल लुसा से बघौड़ा जाने वाली माइनर पर बनी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।नहर की पटरी गाढ्ढा में तब्दील हो गई। सेमराबरहो पुल से चौखड़ा भवानीपुर सड़क संपर्क मार्ग होते हुए इंदिरा नगर नहर की पटरी पर बनी सड़क 3 साल में ही पूरी तरह से खत्म हो गई। करोड़ो रुपए की लागत से बनी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चल रहा है जांच के नाम पर कार्रवाई नहीं होती है ठेकेदार मनमाने तरीके से ग्रामीण इलाकों की सड़क बनाते हैं और चले जाते हैं। यही हाल किसान इंटर कॉलेज के सामने से धनसीरिया से खोराडीह सड़क संपर्क मार्ग 5 साल पहले ही पूरी तरह से खराब हो चुकी है जगह-जगह गढ्ढा सड़कों में बन चुका है सड़कों की गिट्टीया उखड़ का पटरी पर चली गई है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति सेमरा गांव का है। यही हाल मिजार्पुर सोनभद्र मार्ग से सटा हुआ गढ़वा गांव में 3 साल में ही सड़क उखड़ कर खराब हो चुकी है जांच के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। नई सड़क भी नहीं बन पा रही है सड़क बनने से गांव का विकास होता है लेकिन कई गांव अभी गढ्ढा वाली सड़क से चलने को मजबूर है।कुड़ी से बिसहार जाने वाली सड़क 2 साल के अंदर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई ठेकेदार जिला लापरवाही ग्रामीण पर भारी पड़ रही है सबसे ज्यादा परेशानी बरसात में होती है।

जिले के टॉप-10 में स्थान बनाने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

समाज जागरण

गोड्डा। मेहरमा प्रखंड अंतर्गत पारसनाथ प्लस टू उच्च विद्यालय घोरीकित्ता के इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन की ओर से गुरुवार को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में सफल विद्यार्थियों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने जिले के टॉप-10 में स्थान बनाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विज्ञान संकाय की छात्रा ज्योति कुमारी ने प्रखंड में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए जिले में तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं अर्णव राज ने जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कुमकुम कुमारी एवं संगम कुमार ने जिले में आठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

छात्र-छात्राओं की इस शानदार सफलता से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। वहीं कला संकाय के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया। कला संकाय में तोहफा नाजरीन ने विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्यूटी कुमारी एवं पार्वती टुडू द्वितीय स्थान पर रहीं। करीना कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका प्रोमिला सोरेन, मो गुफरान, अंजार, धर्मेंद्र कुमार यादव, बहामुनी मरांडी, सुनील कुमार यादव, पूनम कुमारी, संजय कुमार मिश्र, लिपिक फारूक आजम तथा आदेशपाल राजेंद्र प्रसाद मंडल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक मंगल कालिंदी ने किया ब्राह्मण समाज भवन का भूमि पूजन, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई, जब समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नया आयाम देने के उद्देश्य से बनने वाले नवनिर्मित भवन का भूमि पूजन पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। विधायक मंगल कालिंदी की विधायक निधि से बनने वाले इस भवन की आधारशिला रखे जाने से समाज के लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक मंगल कालिंदी ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग, गणमान्य नागरिक और पदाधिकारी उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने पूरे माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज की यह मांग लंबे समय से लंबित थी, जिसे आज धरातल पर उतारते हुए उन्हें अत्यंत खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थरों से बना एक ढांचा नहीं होगा, बल्कि समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक प्रगति का केंद्र बनेगा। यहां समाज के लोग विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेंगे, जिससे आपसी समन्वय और भाईचारा और अधिक मजबूत होगा।

विधायक ने आगे कहा कि समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने के लिए ऐसे सामुदायिक भवनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस भवन के निर्माण से ब्राह्मण समाज को बैठकों, धार्मिक आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा सामाजिक गतिविधियों के संचालन में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और सामाजिक संगठनों को मजबूत करने के लिए वे आगे भी निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष सिंह, नवमी सिंह एवं सतवीर सिंह बग्गा उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज के लोगों को एक स्थायी मंच मिलेगा, जहां वे अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ा सकेंगे।

भवन निर्माण कार्य की शुरूआत होने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने विधायक मंगल कालिंदी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं नेतृत्व समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस दौरान समाज के अध्यक्ष सुभाष उपाध्याय, संरक्षक हरेंद्र मिश्रा एवं शुभ नारायण मिश्रा, महासचिव कामेश्वर पाण्डेय, उपाध्यक्ष अरविंद पाण्डेय और संदीप झा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा कार्यक्रम में प्रमोद पाण्डेय, विजय चौबे, ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, विनोद उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, धर्म देव उपाध्याय, संजय उपाध्याय, रामजी मिश्रा, गोपाल ओझा, नीरज मिश्रा, जगदीश मिश्रा, संजय चौबे, राजकुमार तिवारी, रंजन तिवारी, जनमेजय पाण्डेय, नागेन्द्र चौबे, नीरज तिवारी, सुनील पाण्डेय, सत्यजीत मुखर्जी एवं राजीव दूबे सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भवन निर्माण कार्य के शीघ्र पूर्ण होने की कामना की।

अस्मिता महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेताओं को मिला सम्मान, विधायक सरयू राय ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर के बारीडीह स्थित स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट कार्यालय में गुरुवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अस्मिता महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता एवं रांची के खेल गांव स्टेडियम में आयोजित ब्लैक बेल्ट परीक्षा में सफल खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विदित हो कि अस्मिता महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन गत 26 अप्रैल को जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन, पूर्वी सिंहभूम तथा जिला ताइक्वांडो संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। प्रतियोगिता में जिले की कई प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी क्षमता और खेल कौशल का प्रदर्शन किया था। उस अवसर पर भी विधायक सरयू राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया था।

गुरुवार को आयोजित सम्मान समारोह में खिलाड़ियों के चेहरे पर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की खुशी साफ झलक रही थी। विधायक सरयू राय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करने का सबसे बड़ा मंच है। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो जैसे खेल युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं तथा आत्मरक्षा की भावना भी विकसित करते हैं।

सरयू राय ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि वे इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहें तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले और राज्य का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की बेटियां खेल के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं, जो पूरे समाज के लिए गर्व की बात है।

इस दौरान विधायक ने उन खिलाड़ियों का भी हौसला बढ़ाया जो इस प्रतियोगिता में सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी होती है और हार से निराश होने की बजाय अपनी कमियों को पहचानकर और अधिक मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ फिर से प्रतियोगिता में भाग लेने की सलाह दी।

समारोह में झारखंड ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष गोपाल कुमार ने भी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में ताइक्वांडो खेल के प्रति युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है और भविष्य में उन्हें और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी अशोक कुमार, कोच पूजा कौर, पी. विजय कुमार, विजय नारायण सहित कई लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वालों में रिद्धी चटर्जी, आर्शिया कुमारी, लख्खी लकड़ा, अर्पिता मंडल, रेश्मी गोप, अदिति राज और साई सोनम शामिल रहीं। वहीं रजत पदक विजेताओं में शैल नंदिनी, देवअश्मिता दास, आदया वत्स, रायना मंगल, मायरा बोइपाई, रितशिका, रोशनी सहरिया, दीक्षा कुमारी, अर्दिशा बनर्जी और सानवी ठाकुर का नाम शामिल है। कांस्य पदक प्राप्त करने वालों में अंशिका कुमारी, मुस्कान कुमारी, श्रुति कुमारी और श्रेया कुमारी शामिल रहीं।

सम्मान समारोह के अंत में खिलाड़ियों और अतिथियों ने सामूहिक रूप से खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और प्रेरणा से भरा रहा।

पोटका के शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी जमशेदपुर में लगाने पर विधायक संजीव सरदार ने जताई आपत्ति

उपायुक्त से मिलकर उठाई मांग, कहा- शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने से छात्रों का भविष्य होगा प्रभावित

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर पोटका विधायक संजीव सरदार ने पोटका प्रखंड के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की जनगणना ड्यूटी को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन के समक्ष गंभीर चिंता जताई है। विधायक ने इस संबंध में पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त से मुलाकात कर मांग की कि पोटका प्रखंड के शिक्षकों की ड्यूटी जमशेदपुर शहरी क्षेत्र में लगाने के बजाय स्थानीय स्तर पर ही निर्धारित की जाए, ताकि ग्रामीण विद्यालयों में पठन-पाठन व्यवस्था प्रभावित न हो।

विधायक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें ग्रामीणों, अभिभावकों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि पोटका प्रखंड के कई शिक्षकों और शिक्षिकाओं को जनगणना कार्य के लिए जमशेदपुर क्षेत्र में प्रतिनियुक्त किया गया है। इससे प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से ही शिक्षकों की संख्या सीमित है, ऐसे में शिक्षकों को लंबे समय तक दूसरे क्षेत्र में ड्यूटी पर भेजना विद्यार्थियों के हित में नहीं है।

संजीव सरदार ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की बुनियाद होती है और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि विद्यालयों के शिक्षक लगातार जनगणना जैसे प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो छात्रों की पढ़ाई बाधित होगी। उन्होंने कहा कि खासकर छोटे बच्चों की पढ़ाई पर इसका सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि ग्रामीण विद्यालयों में वैकल्पिक शिक्षकों की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है।

विधायक ने यह भी बताया कि पोटका प्रखंड के कई विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को भी जमशेदपुर में जनगणना ड्यूटी सौंपी गई है। प्रधानाध्यापक विद्यालय संचालन की मुख्य कड़ी होते हैं और उनकी अनुपस्थिति में विद्यालय की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इससे विद्यालयों में अनुशासन, शिक्षण कार्य तथा अन्य जरूरी गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

उन्होंने उपायुक्त का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए कहा कि यदि शिक्षकों की ड्यूटी स्थानीय क्षेत्र में ही लगाई जाए तो वे विद्यालय के कार्यों के साथ-साथ जनगणना कार्य को भी बेहतर तरीके से निभा सकेंगे। स्थानीय क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक जानकारी होने के कारण जनगणना कार्य में भी अधिक सुविधा होगी और प्रशासन को भी बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों एवं अभिभावकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों ने उनसे मिलकर चिंता व्यक्त की है कि यदि शिक्षकों की ड्यूटी लंबे समय तक जमशेदपुर में रही तो गांव के विद्यालयों में पढ़ाई लगभग ठप हो जाएगी। इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को भी संतुलित बनाए रखना जरूरी है। प्रशासन को ऐसा समाधान निकालना चाहिए जिससे दोनों कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। विधायक ने सुझाव दिया कि पोटका प्रखंड के शिक्षकों को पोटका क्षेत्र में ही जनगणना ड्यूटी देकर शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित होने से बचाया जा सकता है।

विधायक ने उपायुक्त से मांग की कि पूरे मामले की गंभीरता से समीक्षा कर पोटका प्रखंड के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की ड्यूटी जमशेदपुर से हटाकर स्थानीय क्षेत्र में निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि इससे एक ओर जहां विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन जारी रहेगा, वहीं दूसरी ओर जनगणना कार्य भी सुचारु एवं प्रभावी ढंग से पूरा हो सकेगा।

संजीव सरदार ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन ग्रामीणों और विद्यार्थियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेगा, ताकि क्षेत्र में व्याप्त जनआक्रोश शांत हो सके और शिक्षा व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होती रहे।

सीएम योगी की प्रेरणा से ईंधन बचत अभियान को मिली नई रफ्तार, साइकिल से विधानसभा पहुंचे वित्त मंत्री

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से मंत्री सुरेश खन्ना ने दिया सकारात्मक संदेश

- वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री ने सप्ताह में एक दिन साइकिल से कार्यालय जाने का लिया संकल्प

लखनऊ, 14 मई। प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री की पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल इसका पालन पूरे प्रदेश में करने पर जोर दिया था। इसके बाद इस मुहिम का प्रदेशव्यापी असर देखने को मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री से लेकर पार्षद तक इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सराहनीय पहल की है। गुरुवार को उन्होंने अपने सरकारी आवास 10 कालिदास मार्ग से विधानसभा स्थित कार्यालय तक साइकिल से पहुंचकर ऊर्जा संरक्षण और ईंधन बचत का संदेश दिया। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने इलेक्ट्रिक व्हीकल का इस्तेमाल किया।

सप्ताह में एक दिन साइकिल से कार्यालय जाने का लिया संकल्प

मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि वह प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन साइकिल से कार्यालय जाएंगे, ताकि आम लोगों को भी ईंधन बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 85 से 86 प्रतिशत पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात किए जाते हैं, जिससे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक मजबूती ही नहीं, बल्कि राष्ट्रहित से भी जुड़ा विषय है।

जनभागीदारी से मजबूत हो रहा ऊर्जा संरक्षण अभियान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मंत्री सुरेश खन्ना की यह पहल योगी सरकार की उसी सोच को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है। साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देकर सरकार स्वस्थ जीवनशैली और प्रदूषण नियंत्रण का भी संदेश दे रही है। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर इस पहल को सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री की काशी' में दिखा आह्वान का असर

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का असर 'उनकी काशी' में दिखने लगा है। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेश में ऊर्जा, ईंधन आदि के आवश्यक उपयोग का निर्देश दिया है। प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सिंगल कार का प्रयोग शुरू किया तो कैंट विधायक सौरव श्रीवास्तव ने अपने क्षेत्र में साइकिल चलाई। महापौर अशोक तिवारी गुरुवार को आवास से पैदल ही नगर निगम कार्यालय पहुंचे। उनके समर्थक और पार्षद भी इस मुहिम में शामिल दिखे। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने जनपद के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पेट्रोल-डीजल की बचत सुनिश्चित करते हुए विभागीय एवं निजी वाहनों के कम से कम उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। वाराणसी नगर निगम शनिवार को 'नो फ्यूल डे' के रूप में मनाएगा।

सांसद रविकिशन ने काफिला छोटा किया, महापौर ने हटाया स्कॉर्ट वाहन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश का असर दिखने लगा है। गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने अब बिना स्कॉर्ट वाहन के आना-जाना शुरू कर दिया है। सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी अपना काफिला छोटा कर दिया है। अब वह दो गाड़ियों के साथ ही निकल रहे हैं। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल ने मुख्यमंत्री की अपील के बाद अपने कार्य दायित्व निर्वहन के लिए स्कॉर्ट वाहन को हटा दिया है। इसके साथ ही प्रशासन के अधिकारी शीघ्र ही सप्ताह में एक दिन नो वेहिकल डे अपनाने जा रहे हैं।

अयोध्या के महापौर और नगर आयुक्त ने लौटाए सुरक्षा वाहन, बाराबंकी डीएम पैदल पहुंचे कलेक्ट्रेट

अयोध्या/बाराबंकी। अयोध्या में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयंत कुमार ने अपने सुरक्षा वाहन नगर निगम को वापस कर दिए हैं। महापौर ने बताया कि नगर निगम ने ईंधन खर्च में कटौती के लिए ठोस रणनीति तैयार की है। इसके तहत सभी पार्षद सोमवार को निजी वाहनों का प्रयोग नहीं करेंगे और सार्वजनिक वाहन से ही नगर निगम आएंगे। इसी क्रम में बाराबंकी में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह अपने आवास से कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय तक पैदल पहुंचे। उनके साथ अपर जिलाधिकारी (वि/रा) निरंकार सिंह भी पैदल चले। जिलाधिकारी ने अपनी एस्कॉर्ट भी हटा दी है, ताकि ईंधन बचत और सादगी का संदेश आमजन तक पहुंच सके।

प्रशासनिक अधिकारियों ने छोड़ा एस्कॉर्ट, सभी पार्षद अब दोपहिया वाहनों का करेंगे इस्तेमाल

प्रयागराज । पीएम मोदी की अपील और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवाहन के बाद प्रयागराज के डीएम मनीष कुमार वर्मा, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने एस्कॉर्ट छोड़ दी है। ये प्रशासनिक अधिकारी अपने वाहन से चल रहे हैं। प्रयागराज महापौर की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक बुलाई गई । मेयर उमेश चन्द गणेश केसरवानी का कहना है कि सदन में फैसला लिया गया है कि सभी पार्षद चार पहिया वाहनों की जगह में अब दो पहिया वाहनों से अपने क्षेत्र में जायेंगे। उप मेयर अखिलेश सिंह का कहना है सभी जन प्रतिनिधियों का यह सामूहिक मत है कि वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए हम भी देश के साथ खड़े हों।

साइकिल से दफ्तर पहुंचे कमिश्नर, रामपुर के डीएम ने वर्चुअल कीं बैठकें

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री के निर्देशों का मुरादाबाद मंडल में जमीनी स्तर पर सकारात्मक असर दिखना शुरू हो गया है। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह साइकिल से अपने कार्यालय पहुंचे। मुरादाबाद मंडल के जिलाधिकारियों ने भी खर्चों में कटौती के इस महाअभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर दी है। रामपुर के डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने सभी अधिकारियों को अनावश्यक वाहनों का प्रयोग न करने और तेल की खपत कम करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में गाड़ियों की दौड़ घटाते हुए उन्होंने दो महत्वपूर्ण बैठकें भी वर्चुअल संपन्न कीं।

डीएम ने अधिकारियों को दिए ईंधन बचाने के निर्देश

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों को अपनी फ्लीट आधी करने व प्रशासनिक अधिकारियों को ईंधन की बचत के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने भी विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को ईंधन की बचत के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी फील्ड विजिट के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। अत्यधिक जरूरी होने पर ही सरकारी वाहन का उपयोग करें। अधिकारी फील्ड विजिट के लिए दूसरे विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए एक दूसरे के साथ वाहन को शेयर करें।

फसल और पशुधन नुकसान पर किसानों के साथ खड़ी योगी सरकार

- सीएम योगी ने दिया आपदा में मौत पर 4 लाख की तत्काल आर्थिक सहायता देने का निर्देश

- सीएम योगी के निर्देश पर प्रभारी मंत्री करेंगे प्रभावित परिवारों से मुलाकात

- जिलाधिकारियों को तत्काल सहायता पहुंचाने के सख्त निर्देश

- लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी: मुख्यमंत्री

- जनहानि और फसल नुकसान से प्रभावित परिवारों को तेजी से राहत पहुंचाने के निर्देश

लखनऊ, 14 मई। उत्तर प्रदेश में आंधी, अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि और फसल नुकसान के बीच योगी सरकार ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। सीएम योगी ने सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को प्रभावित परिवारों से मुलाकात करने और हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी मजबूती के साथ जनता के साथ खड़ी है और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की स्थिति में परिजनों को तत्काल 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही किसानों, पशुपालकों और अन्य प्रभावित परिवारों को भी तेजी से राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं। फसल का नुकसान उठाने वाले किसानों के लिए मुआवजे और पशुधन क्षति पर भी आर्थिक सहायता तय की गई है। राहत आयुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों व अपर जिलाधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खराब मौसम के कारण प्राकृतिक आपदा से हुई विभिन्न क्षतियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अधिकारी स्वयं प्रभावित परिवारों से मिलकर आवश्यक मदद उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि राहत आयुक्त कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी के उपरान्त राहत आयुक्त कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम द्वारा सचेत पोर्टल के माध्यम से आम जनमानस को 34 करोड़ 64 लाख रेड एवं ऑरेंज चेतावनी संदेश भेजे गये हैं। कंट्रोल रूम को हाई एलर्ट पर रखते हुए प्रभावित परिवारों को दी जा रही सहायता राशि की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गये हैं। राहत आपदा हेल्प लाइन नम्बर 1070 पर कॉल आते ही तत्काल सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राहत आयुक्त ने जिलाधिकारियों को जन प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को सहायता राशि का शत प्रतिशत वितरण कराने हेतु निर्देशित किया।

पॉक्सो मामले में अभियुक्त को आजीवन कारावास, 1.75 लाख का जुमार्ना

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस के प्रभावी अनुसंधान एवं सशक्त साक्ष्य प्रस्तुतीकरण के आधार पर पॉक्सो मामले में अभियुक्त को कठोर सजा दिलाने में सफलता मिली है।

बहादुरगंज थाना कांड संख्या-120/2023, दिनांक 25 अप्रैल 2023 के अभियुक्त समशेर आलम उर्फ शमर आलम, पिता- मतिउर रहमान, निवासी- भट्ठाबाड़ी, थाना- बहादुरगंज, जिला- किशनगंज को माननीय अनन्य विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो), किशनगंज ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायालय ने अभियुक्त पर 1,75,000 (एक लाख पचहत्तर हजार रुपये) का अर्थदंड भी लगाया है।

मामले में विशेष लोक अभियोजक मनीष कुमार साह द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। वहीं, जिला पुलिस द्वारा किए गए सटीक अनुसंधान एवं साक्ष्य संकलन के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी पाया। इस निर्णय को किशनगंज पुलिस की संवेदनशील एवं प्रभावी कार्यशैली का महत्वपूर्ण परिणाम माना जा रहा है।

पटना सिटी में मंदिर के कुएं से अज्ञात युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका से सनसनी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मालसलामी थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब भारतीय स्टेट बैंक शाखा के समीप स्थित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर परिसर के कुएं से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर शव मिलने की सूचना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय निवासियों ने सुबह कुएं में युवक का शव तैरता देख पुलिस को सूचित किया। मालसलामी थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा को लेकर खड़ा हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुएं के चारों ओर लोहे की काफी मजबूत जाली लगी हुई है, जिसे पार कर अंदर गिरना

सामान्य स्थिति में नामुमकिन है। इसी आधार पर लोग युवक की हत्या कर शव को कुएं में फेंकने की आशंका जता रहे हैं। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कर रही है। घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि रात में किसी प्रकार की संदिग्ध हलचल नहीं सुनी गई, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच हर पहलू (दुर्घटना, आत्महत्या या हत्या) से की जा रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि रात की गतिविधियों का पता चल सके। मालसलामी थाना पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। रिपोर्ट में यदि शरीर पर चोट या संघर्ष के निशान मिलते हैं, तो पुलिस इसे हत्या की धारा में दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी। फिलहाल, इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भय और सुरक्षा के प्रति चिंता का माहौल है।

कोविड काल में प्रदर्शन मामला में तेजस्वी यादव को मिली अदालत से जमानत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव को गुरुवार को बड़ी कानूनी राहत मिली। कोविड महामारी के दौरान धरना-प्रदर्शन करने से जुड़े एक मामले में पटना सिविल कोर्ट स्थित सांसद-विधायक (MP-MLA) विशेष अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। तेजस्वी यादव अपने अधिवक्ताओं के साथ अदालत में पेश हुए, जहाँ सुनवाई के बाद उन्हें तत्काल राहत प्रदान की गई। अदालत से बाहर निकलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि कोविड काल में जब जनता परेशान थी और मजदूर सड़कों पर थे, तब उन्होंने उनकी समस्याओं को उठाने के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसे 'फर्जी मुकदमा' करार देते हुए

कहा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तहत उन पर कार्रवाई की गई थी। तेजस्वी ने न्यायपालिका पर अटूट भरोसा जताते हुए कहा की हम लोकतांत्रिक तरीके से जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे और संविधान के दायरे में रहकर सरकार को घेरना जारी रखेंगे। इस दौरान तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन बचाने की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए जनता पर बोझ डाल रही है। उन्होंने नोटबंदी और लॉकडाउन का जिक्र करते हुए कहा कि इन फैसलों से छोटे व्यापारियों और गरीबों को सबसे अधिक चोट पहुँची है। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि डीजल-पेट्रोल की समस्या का समाधान सरकार को निकालना चाहिए, न कि जनता पर प्रतिबंध लगाकर पल्ला झाड़ना चाहिए।तेजस्वी की पेशी के दौरान अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। जमानत मिलने की खबर सुनते ही वहाँ मौजूद बड़ी संख्या में राजद समर्थकों ने खुशी जताई और इसे 'सत्य की जीत' बताया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस कानूनी राहत के बाद तेजस्वी यादव आगामी चुनावों को देखते हुए सरकार पर और अधिक हमलावर होंगे।

नबीनगर: कोसडिहरा में चोरों का धावा, दो घरों से 14 लाख से अधिक की चोरी

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नगर पंचायत नबीनगर वार्ड 11के कोसडिहरा गांव में मंगलवार की रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के गहने और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के वक्त दोनों घरों के अधिकांश सदस्य बारात में गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।पीड़ित अशोक सिंह के घर से चोरों ने पलंग के बॉक्स में रखे करीब 9 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 1 लाख 30 हजार रुपए नगद उड़ा लिए। इसके अलावा घर में रखे अन्य कीमती सामान भी चोरी कर लिए गए।वहीं चोरों ने घर के कमरे में सो रहे महिलाओं को बाहर से बंद

कर दिया।

दूसरी घटना रंजय सिंह के घर में हुई। यहां से चोरों ने 2 लाख रुपए नगद और करीब डेढ़ लाख रुपए के जेवरात सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर लिए।ग्रामीणों के अनुसार दोनों घरों के ज्यादातर लोग शादी समारोह में बारात गए हुए थे। घर में सिर्फ महिलाएं और बच्चे थे जो रात में सो गए थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़कर या अन्य तरीके से घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया।घटना की सूचना मिलते ही नबीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों घरों का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि डॉग स्क्वाड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।एक ही रात में दो घरों में हुई इस बड़ी चोरी से कोसडिहरा गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

नबीनगर: गैस गोदाम के पास पशु तस्करी का भंडाफोड़, तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर में पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गैस गोदाम के समीप एक ऑटो से 4 पशु बरामद किए गए।गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के गुलनाज अंसारी, निवासी शीराजपुर के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ऑटो में अवैध तरीके से पशुओं को ले जाया जा

रहा है। सूचना पर नबीनगर थाना पुलिस ने गैस गोदाम के पास घेराबंदी कर ऑटो को रोका।तलाशी के दौरान ऑटो में क्रूरतापूर्वक बांधकर रखे गए 4 पशु बरामद हुए। पुलिस ने तुरंत ऑटो और पशुओं को जब्त कर आरोपी गुलनाज अंसारी को हिरासत में ले लिया।थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि पशुओं को कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था। बरामद पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है ।

नबीनगर में आंधी-पानी का कहर: दर्जनों पेड़ धराशायी, बिजली गुल, बारातियों की बढ़ी मुसीबत

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर में बुधवार शाम आई भीषण आंधी-पानी ने जमकर तबाही मचाई। तेज हवाओं और बारिश से दर्जनों पेड़ सड़क पर गिर गए, जिससे देर रात तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। बिजली के खंभे और तार टूटने से पूरे इलाके की बिजली गुल हो गई। क्षेत्र से मिल रही जानकारी के अनुसार सड़क किनारे कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर गिर गए। मुख्य मार्गों समेत ग्रामीण सड़कों पर भी आवाजाही ठप हो गई। लगन का सीजन होने के कारण बारातियों को आने-जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। लोगों ने आपस में मिलकर कुल्हाड़ी और रस्सी की मदद से पेड़ों को सड़क से हटाकर किसी तरह रास्ता साफ किया। वहीं बारात के लिए सजाए गए शामियानों

और मंडप पूरी तरह से तबाह हो गए।कई जगह ग्रामीण खुद ही पेड़ काटकर रास्ता बनाते दिखे।तेज आंधी से कई गांवों में कच्चे घरों की छत और टीन-करकट उड़ गए। प्रभावित लोगों का कहना था कि "ये आंधी नहीं चक्रवात जैसा था"। घरों में रखा अनाज और सामान भी भीगकर बर्बाद हो गया। भीषण आंधी से दर्जनों बिजली के खंभे टूट गए और कई जगह तार टूटकर गिर गए। इसके चलते बुधवार शाम से ही पूरे नबीनगर क्षेत्र की बिजली गुल है। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार तार और पोल को ठीक करने में अभी कई घंटे लग सकते हैं। समाचार लिखे जाने तक बिजली बहाल नहीं हो पाई थी।

बिहार में 30 मई तक जीवन प्रमाणीकरण अनिवार्य

वरना रुक सकती है सामाजिक सुरक्षा पेंशन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों के लिए कड़ा रुख अपनाया है। समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने निर्देश दिया है कि राज्य के सभी पेंशनधारी 30 मई तक अपना जीवन प्रमाणीकरण (Life Verification) अनिवार्य रूप से करा लें। निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर संबंधित लाभुकों की पेंशन अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है। समीक्षा बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बिहार में वर्तमान में लगभग 91 लाख 25 हजार लोग विभिन्न पेंशन योजनाओं (वृद्धजन, विधवा, दिव्यांग, कुष्ठ रोगी आदि) का लाभ ले रहे हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य फजीर्वाड़ा रोकना और अपात्र व्यक्तियों की पहचान कर योजना में पारदर्शिता लाना है। डिजिटल सत्यापन के माध्यम से डेटा को अद्यतन (Update) किया जाएगा ताकि वास्तविक लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के राशि मिल सके।सरकार ने स्पष्ट किया है कि जीवन प्रमाणीकरण की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है। लाभार्थी अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र (CSC) या पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले विशेष शिविरों में जाकर बायोमेट्रिक सत्यापन करा सकते हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांव-गांव तक जागरूकता फैलाएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति तकनीकी जानकारी के अभाव में योजना से वंचित न रहे। बैठक में अपर मुख्य सचिव एच.आर. श्रीनिवास और निदेशक धर्मेंद्र कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। रिपोर्ट में कुछ जिलों में प्रक्रिया की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने कार्य में तेजी लाने का आदेश दिया। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी एक चुनौती है, लेकिन प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि बुजुर्गों और दिव्यांगों की सहायता के लिए स्थानीय स्तर पर कर्मी तैनात रहेंगे। 30 मई के बाद पेंशन डेटा को अपडेट कर दिया जाएगा, जिससे अपात्रों के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे।

पटना विश्वविद्यालय में अब छात्र एक साथ ले सकेंगे दो डिग्री

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना विश्वविद्यालय (पीयू) के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। अब विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एक ही समय में दो अलग-अलग डिग्री हासिल कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 'दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम' (Dual Degree Program) लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिस पर गुरुवार को आयोजित सिंडिकेट की बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नए दिशा-निर्देशों के तहत, छात्र अब अपने मुख्य डिग्री पाठ्यक्रम (स्नातक या स्नातकोत्तर) के साथ-साथ एक अन्य रोजगारपरक या व्यावसायिक कोर्स कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि इस योजना के तहत एक पाठ्यक्रम नियमित (ऑफलाइन) माध्यम से होगा, जबकि दूसरा कोर्स ऑनलाइन माध्यम से करना अनिवार्य होगा। उदाहरण के तौर पर, इतिहास का छात्र साथ में डेटा साइंस या प्रबंधन की पढ़ाई भी कर सकेगा। हालांकि, यह सुविधा पीएचडी शोधार्थियों के लिए उपलब्ध नहीं होगी। अकादमिक परिषद पहले ही इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुकी है। सिंडिकेट की मुहर लगने के बाद इसे 23 मई को होने वाली सीनेट की बैठक में रखा जाएगा। वहां से पारित होने के बाद अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्ताव राजभवन भेजा जाएगा। राजभवन से अनुमति मिलते ही इसे आधिकारिक तौर पर लागू कर दिया जाएगा। बैठक में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व सैनिकों के लिए 'मानव संसाधन प्रबंधन' में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। शिक्षाविदों का मानना है कि दोहरी डिग्री व्यवस्था से छात्रों के समय की बचत होगी और वे मात्र तीन वर्षों में दो क्षेत्रों की विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी शैक्षणिक योग्यता बढ़ेगी, बल्कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उनके लिए रोजगार के बेहतर अवसर भी सृजित होंगे।

ब्लैकआउट के दौरान 15 मिनट तक थमी पटना की रफ्तार, अंधेरे में डूबा रहा इलाका

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ केंद्र सरकार के निर्देश पर गुरुवार शाम आयोजित 'ब्लैकआउट' कार्यक्रम का फुलवारी शरीफ और आसपास के इलाकों में व्यापक असर देखने को मिला। शाम 7:00 बजे से 7:15 बजे तक निर्धारित इस कार्यक्रम के दौरान लोगों ने स्वेच्छा से अपने घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बत्तियां बंद रखीं। 15 मिनट के इस ब्लैकआउट के दौरान पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा और सड़कों पर वाहनों के पहिये भी लगभग थम गए।ब्लैकआउट को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक टीम सड़कों पर मुस्तैद दिखी। पटना एम्स गोलंबर पर मजिस्ट्रेट विपिन कुमार सिंह और टीओपी प्रभारी सुभाष कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने वाहनों को रोककर उनकी हेडलाइट्स बंद करवाईं। वहीं, फुलवारी शरीफ थाना गोलंबर पर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह और थानाध्यक्ष गुलाम मोहम्मद शाहबाज

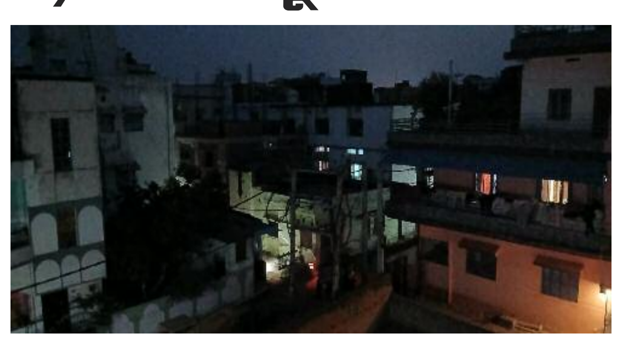

आलम खुद कमान संभाले हुए थे। पुलिस की गश्ती टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने में जुटी रही। ब्लैक आउट का असर निजी घरों के साथ-साथ पटना एम्स, सुधा डेयरी, महावीर कैंसर संस्थान और प्रखंड कार्यालय जैसे प्रमुख सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में भी दिखा। इन संस्थानों ने अनावश्यक लाइटें बंद कर कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। हालांकि, इस दौरान आपातकालीन सेवाओं को पूरी तरह मुक्त रखा गया था; एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। अचानक पूरे इलाके में अंधेरा छा जाने से कई राहगीर और आम लोग शुरूआत में हैरान रह गए। जिन्हें पूर्व में जानकारी नहीं थी, वे एक-दूसरे से कारण पूछते नजर आए। बाद में उद्देश्य स्पष्ट होने पर आम जनता ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। मुख्य चौक-चौराहों पर लगी हाई मास्ट लाइटें और होर्डिंग्स की बत्तियां भी इस दौरान बंद रखी गईं। प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम के शांतिपूर्ण और सफल समापन पर संतोष व्यक्त करते हुए आम जनता के सहयोग की सराहना की है।

बड़ेम थाना पुलिस ने 16 लीटर देसी महुआ शराब के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना पुलिस ने ओबीपुर गांव में शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगहों से कुल 16 लीटर देसी महुआ शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई में पुलिस ने बृंदा कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता बूटन राजवंशी, ग्राम ओबीपुर को 6 लीटर देसी महुआ शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ा।दूसरी छापेमारी में मंतोष

पासवान, उम्र करीब 34 वर्ष, पिता लालदेव पासवान, ग्राम ओबीपुर, थाना बड़ेम को 10 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। ए एस आई बृजेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ओबीपुर गांव में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने शराब जब्त कर दोनों को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष अमरजीत चौधरी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक विरासत में भेज दिया गया है।

पटना के दानापुर में सेना के जवान सहित दो बंद घरों के ताले टूटे

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के दानापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अशोपुर स्थित एक्वा सिटी फेज-3 के पास चोरों ने बंद पड़े दो घरों को निशाना बनाकर पुलिसिया गश्ती की पोल खोल दी है। बेखौफ चोरों ने एक सैनिक और उनके पड़ोसी के घर से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित मनोज कुमार सिंह (सेना के जवान) बीते 10 मई को सपरिवार अपने पैतृक घर मुजफ्फरपुर गए हुए थे। बुधवार शाम जब वे वापस लौटे, तो घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी मिली। घर के भीतर सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी व गोदरेज के ताले टूटे हुए थे। मनोज कुमार ने बताया कि चोरों ने लाखों के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ली है। चोरों ने मनोज कुमार के पड़ोसी अभिषेक कुमार के बंद घर का भी ताला तोड़ा। अभिषेक फिलहाल शहर से बाहर हैं, इसलिए उनके घर से हुई चोरी के सटीक आकलन का पता उनके लौटने के बाद ही चल पाएगा। घटना की सूचना उन्हें दे दी गई है। सूचना मिलने पर पहुंची दानापुर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को अंदेशा है कि रेकी करने के बाद ही इस वारदात को अंजाम दिया गया है। इधर, घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि इलाके में पुलिस गश्ती न के बराबर होने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही गिरोह की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

पटना के फतुहा में चोरी के दो पिकअप के साथ शातिर गिरफ्तार

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा अनुमंडल अंतर्गत नदी थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर और तस्कर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जेठुली घाट के पास छापेमारी कर चोरी के दो पिकअप वाहन बरामद किए हैं और एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीदारगंज थाना क्षेत्र के गुलमहियाबाग निवासी चंदन कुमार (36 वर्ष) के रूप में हुई है। फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 13 मई 2026 को नदी थाना की गश्ती टीम को सूचना मिली थी कि जेठुली घाट के पास चोरी के तीन पिकअप वाहन खड़े

हैं, जिन पर अवैध मादक पदार्थ लादकर तस्करी की तैयारी है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर दो पिकअप (BR06GC9070 और BR01GJ7809) बरामद कर लिए और चंदन को दबोच लिया, हालांकि गिरोह के अन्य सदस्य भागने में सफल रहे। पुलिस जांच में पुष्टि हुई है कि बरामद दोनों वाहन चोरी के हैं और इनके खिलाफ पहले से प्राथमिकी दर्ज है। प्रारंभिक पूछताछ में संकेत मिले हैं कि यह गिरोह चोरी के वाहनों का उपयोग मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध सामानों की ढुलाई के लिए करता था। पुलिस अब इस नेटवर्क के तार अन्य राज्यों से जोड़ने और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी साक्ष्यों व मोबाइल कॉल डिटेल्स की मदद ले रही है। इस सफल अभियान में पुलिस अवर निरीक्षक जयकिशोर चौधरी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है, क्योंकि इलाके में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही थीं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना के कंकड़बाग की कबाड़ मंडी में भीषण आग, धमाकों से दहला इलाका

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के कंकड़बाग थाना क्षेत्र स्थित कॉलोनी मोड़ के पास बुधवार देर रात एक कबाड़ी दुकान में भीषण आग लग गई। कबाड़ी गली में लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग के दौरान दुकान में रखी पुरानी गाड़ियों की टंकियां फटने से हुए सिलसिलेवार धमाकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, देर रात लगी आग के बाद दुकान में रखी गाड़ियों की टंकियों में एक-एक कर कई विस्फोट हुए। धमाकों की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के दुकानदार और घरों में सो रहे लोग अपनी जान बचाने के लिए सड़कों पर निकल आए। आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही थीं, जिससे पास स्थित एक बैंक्वेट हॉल और रिहायशी इमारतों पर खतरा मंडराने लगा। बैंक्वेट हॉल के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने प्रारंभिक तौर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की छह बड़ी दमकल गाड़ियां मौके पर पहुँचीं। कंकड़बाग अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया। उन्होंने कहा कि समय रहते कार्रवाई होने से आग को घनी आबादी में फैलने से रोक लिया गया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। इस अगलगी में कबाड़ दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया है। प्राथमिक जांच में विस्फोट का कारण गाड़ियों की टंकियों में मौजूद ईंधन और गैस को माना जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग शॉर्ट सर्किट सहित अन्य पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने आबादी वाले क्षेत्रों में कबाड़ दुकानों के असुरक्षित संचालन पर चिंता जताई है।

पटना के खिरिमोड में मवेशी चोरी से सहमे पशुपालक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के खिरिमोड थाना अंतर्गत रघुनाथपुर गांव में एक ही रात हुए दो पशुपालकों की भैंस चोरी ने पशुपालकों की नींद उड़ा दी है। इस घटना के बाद पशुपालकों के बीच दहशत का माहौल है।

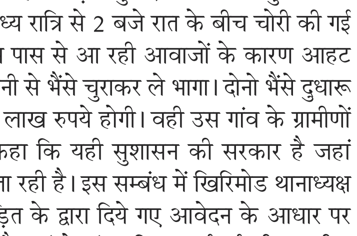

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात पटना जिले के खिरिमोड थाना अंतर्गत रघुनाथपुर गांव निवासी ध्रुवीक्षण मोची अपने दुधारू भैस को दरवाजे पर बनी गोशाला में बांधकर घर मे सो गया। वही उसी गांव के निवासी बिरेन्द्र यादव भी अपनी भैस अधिक गर्मी के कारण दरवाजे के बाहर बांधकर घर मे सो गया। जब गुरुवार की सुबह दोनो की नींद खुली तो उनकी भैंसे गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भैंसे नही मिली तो दोनो ने खिरिमोड थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों द्वारा भैंसे चोरी कर लिए जाने की शिकायत पुलिस से की है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित ध्रुवीक्षण मोची के पुत्र मनोज कुमार ने बताया की भैसों को मध्य रात्रि से 2 बजे रात के बीच चोरी की गई है। शादी विवाह के दौरान आस पास से आ रही आवाजों के कारण आहट महसूस नही हुई और चोर आसानी से भैंसे चुराकर ले भागा। दोनो भैंसे दुधारू थी जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये होगी। वही उस गांव के ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यही सुशासन की सरकार है जहां गोशाला से भैसों की चोरी की जा रही है। इस सम्बंध में खिरिमोड थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि पीड़ित के द्वारा दिये गए आवेदन के आधार पर मामले की जांच किया जा रहा है। जांचोपरांत उचित कार्यवाई की जाएगी।